



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 5]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 31, 1987 (माघ 11, 1908)

No. 5]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 31, 1987 (MAGHA 11, 1908)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	73	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	103	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	951
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	149	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गयी पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	75
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन प्रथम द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	675
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—नैर-सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	15
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में ऊप और मूल के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुसूचक	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	73	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	105	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	951
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	149	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	75
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION I-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	675
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	15
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी, 1987

सं० 5/प्रेज/87:—राष्ट्रपति आन्ध्र प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री पी० वेंकट रेड्डी,

हैड कांस्टेबल,

जिला सशस्त्र रिजर्व,

करीम नगर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

6 अक्टूबर, 1985 को श्री वी० मोहन रेड्डी, भूतपूर्व विधायक, गनमैन श्री पी० वेंकट रेड्डी तथा अन्य सहित, श्री मुरली मोहन राव जो येल्लारेड्डी पेट मण्डल से सी० ई० एस० एस० के निदेशक के पद के लिये चुनाव लड़ रहे थे, के पक्ष में प्रचार करने के लिये डुमाला गांव जा रहे थे। उनकी कार को होटल के सामने तीन भूमिगत उग्रवादियों द्वारा अचानक रोका गया। उग्रवादी पर्याप्त रूप से शस्त्रों से लैस थे। उन्होंने बन्दूक की नोक पर कार में बैठे लोगों से नीचे उतरने के लिये कहा। उन्हें कार से उतारने के लिये उग्रवादियों ने डराने के लिये एक गोली चलाई तथा एक उग्रवादी ने श्री मोहन रेड्डी को पकड़ लिया और अन्य उग्रवादी ने श्री मोहन रेड्डी पर तमचे से निशाना लगाया श्री रेड्डी के जीवन को खतरे में जानकर, उनके गनमैन श्री पी० वी० रेड्डी ने अपना सर्विस रिवाल्वर निकाला और उग्रवादी पर गोली चलाई जिसकी छाती पर गोली लगी और उसकी तत्काल मृत्यु हो गई। श्री पी० वेंकट रेड्डी ने दोनों अपराधियों पर एक और राउण्ड गोली चलाई जो उन पर तथा कार की अन्य सवारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे थे। इसके परिणाम स्वरूप, एक उग्रवादी मारा गया तथा दो अन्य बचकर भागने में सफल हो गये। मृत अपराधी से .12 बोर कारतूसों से भरा एक तमंचा, एक ग्रेनेड कमर से बन्धे .12 बोर कारतूस और एक बैग में पार्टी का लिटरेचर बरामद किया गया।

इस घटना में, श्री पी० वेंकट रेड्डी, हैड कांस्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कौटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 अक्टूबर, 1985 से दिया जायेगा।

सं० 6/प्रेज/87:—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री विष्णु पाद चक्रवर्ती,

पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद।

श्री सुरेन्द्र शर्मा,

पुलिस उप अधीक्षक,

गाजियाबाद।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

6 सितम्बर 1984 को परतापुर मेरठ स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में डकैती डाली गई और बैंक के गार्ड की लाइसेंस शुदा बन्दूक को छीनकर और बैंक के कर्मचारियों को बन्दूक की नोक पर रोक कर 1,47,000/- रुपये की धन राशि लूट ली गई। डाकू चलकर मोदीनगर गाजियाबाद की ओर भाग गये। उक्त सूचना मिलने पर मोदीनगर थाने के निरीक्षक ने उपलब्ध बल के साथ डाकुओं का पीछा किया और उन्हें रोका जब वे मुरादनगर गंगा कैनल रोड होकर मुरादनगर की ओर बच कर भाग रहे थे। पुलिस तथा डाकुओं के बीच भारी गोलीबारी हुई और डाकू अपनी कार छोड़कर गन्ने के खेत में शरण लेने पर मजबूर हो गये जहां छिपने के लिये उन्हें आड़ मिल गई। जबकि निरीक्षक तथा उसके दल ने डाकुओं को गन्ने के खेत में रोके रखा, कांस्टेबल अमरचन्द अतिरिक्त बल के लिये तुरन्त मुरादनगर गये। तुरन्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ तथा श्री विष्णु पाद चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद, दो मजबूत पुलिस दलों के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हुए। मौके पर पहुंच कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ के नेतृत्व वाले दल ने घटना स्थल पर क्षेत्र को डिडोली गांव की तरफ से घेर लिया तथा श्री चक्रवर्ती के नेतृत्व वाले दल ने खेकड़ा गांव के क्षेत्र को घेर लिया। इस समय तक, उप महा निरीक्षक मेरठ भी घटना स्थल पर पहुंच गये तथा

कारवाई का नियंत्रण और समन्वयन अपने हाथों में संभाल लिया। पुलिस की व्यवस्था को देखकर डाकुओं ने घने गन्ने के खेतों में से खिसकना शुरू कर दिया और खेकड़ा गांव के दक्षिण किनारे पर पहुंच गये। श्री चक्रवर्ती ने अपने आदिमियों को डाकुओं की गतिविधि का पता लगाने के लिये कहा, जिन्हें पता लगा कि गिरोह गन्ने के खेतों में था। पुलिस दल ने खेत की छानबीन की। डाकू सुरक्षित स्थान पर थे परन्तु पुलिस को डाकुओं की तरफ से चलाई गई गोलियों का सामना करना पड़ रहा था। गन्ने के खेत में पानी भरा था तथा खेत इतने घने थे कि खोजबीन करने वाले दल के सदस्य एक दूसरे को कठिनाई से देख सकते थे। ज्योंही वे आगे बढ़े डाकुओं ने गोलियां चलाई जो एक कांस्टेबल की गर्दन पर लगी, लेकिन उसने रेंग कर आगे बढ़ने की कोशिश की और बेहोश हो गया। अचानक श्री चक्रवर्ती और श्री सुरेन्द्र शर्मा पुलिस उप अधीक्षक डाकुओं के आमने सामने आ गये। इससे पहले कि वे कुछ करते, डाकुओं ने समीप से उन पर गोली चला दी। श्री चक्रवर्ती बच गये परन्तु श्री शर्मा के चेहरे पर गोली लगी और गहरा घाव हो गया। फिर भी इस अधिकारी ने गिरने से पहले एक डाकू को गोली से उड़ा दिया जिसकी तजेन्द्र के रूप में पहचान की गई। इसी तरह बिजली की गति से श्री चक्रवर्ती ने दूसरे डाकू को गोली से उड़ा दिया जिसे विरेन्द्र के रूप में पहचाना गया। तब तक काफी आन्धेरा हो चुका था जिसके कारण अन्य दो डाकुओं को भागने का मौका मिल गया। भरे हुए चार कारतूस सहित, .455 बोर की एक सॉक्स रिवाल्वर तथा .135 राइफल के दो भरे हुए कारतूस और एक पेटी में पांच भरे हुए तथा आठ खाली कारतूसों सहित परतापुर बैंक के गार्ड से लूटी गयी एस० बी० बी० एल० बन्दूक बरामद की गई।

इस मुठभेड़ में, श्री विष्णु पाद चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक तथा श्री सुरेन्द्र शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 सितम्बर, 1984 से दिया जायेगा।

सं० 7-प्रेज/87:—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अमर चन्द,

कांस्टेबल सं० 349 (ए० पी०)

गाजियाबाद।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

6 सितम्बर, 1984 को परतापुर मेरठ स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में डकैती डाली गई और बैंक के गार्ड की लाइसेंस शुदा बन्दूक को छीनकर और बैंक के कर्मचारियों

को बन्दूक की नोक पर रोक कर 1,47,000/— रुपये की धन राशि लूट ली गई। डाकू बच कर मोदीनगर, गाजियाबाद की ओर भाग गये। उक्त सूचना मिलने पर मोदीनगर थाने के निरीक्षक ने उपलब्ध बल के साथ डाकुओं का पीछा किया और उन्हें रोका जब वे गंगा कैनाल रोड होकर मुरादनगर की ओर बचकर भाग रहे थे। पुलिस तथा डाकुओं के बीच भारी गोली बारी हुई और डाकू अपनी कार छोड़कर गन्ने के खेत में शरण लेने पर मजबूर हो गये जहाँ छिपने के लिये उन्हें आड़ मिल गई। जबकि निरीक्षक तथा उसके दल ने डाकुओं को गन्ने के खेत में रोके रखा, कांस्टेबल अमर चन्द अतिरिक्त बल के लिये तुरन्त मुरादनगर गये। तुरन्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ तथा श्री बी० पी० चक्रवर्ती पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद दो मजबूत पुलिस दलों के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हुए। मौके पर पहुंच कर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मेरठ के नेतृत्व वाले दल ने घटना स्थल पर क्षेत्र को छिडोली गांव की तरफ से घेर लिया तथा श्री चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले दल ने खेकड़ा गांव के क्षेत्र को घेर लिया। इस समय तक, उपमहा निरीक्षक मेरठ भी घटना पर पहुंच गये तथा कारवाई का नियंत्रण और समन्वय अपने हाथों में संभाल लिया। पुलिस की व्यवस्था को देखकर डाकुओं ने घने गन्ने के खेतों में से खिसकना शुरू कर दिया और खेकड़ा गांव के दक्षिण किनारे पर पहुंच गये। श्री चक्रवर्ती ने अपने आदिमियों को डाकुओं की गति विधि का पता लगाने के लिये कहा, जिन्हें पता लगा कि गिरोह गन्ने के खेतों में था। कांस्टेबल अमर चन्द सहित पुलिस दल ने खेत की छान बीन की। डाकू सुरक्षित स्थान पर थे परन्तु पुलिस को डाकुओं की तरफ से चलाई गई गोलियों का सामना करना पड़ रहा था। गन्ने के खेत में पानी भरा था तथा खेत इतने घने थे कि खोजबीन करने वाले दल के सदस्य एक दूसरे को कठिनाई से देख सकते थे। ज्यों ही वे आगे बढ़े डाकुओं ने गोलियां चलाई जो कांस्टेबल अमर चन्द की गर्दन पर लगी, लेकिन उन्होंने रेंग कर आगे बढ़ने की कोशिश की और बेहोश हो गये। अचानक श्री चक्रवर्ती और श्री सुरेन्द्र शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक डाकुओं के आमने सामने आ गये। इससे पहले कि वे कुछ करते, डाकुओं ने समीप से उन पर गोली चला दी। श्री चक्रवर्ती बच गये परन्तु श्री शर्मा के चेहरे पर गोली लगी और गहरा घाव हो गया। फिर भी इस अधिकारी ने गिरने से पहले एक डाकू को गोली से उड़ा दिया और जिसकी तजेन्द्र के रूप में पहचान की गई। इसी तरह बिजली की गति से श्री चक्रवर्ती ने दूसरे डाकू को गोली से उड़ा दिया जिसे विरेन्द्र के रूप में पहचाना गया। तब तक काफी आन्धेरा हो चुका था जिसके कारण अन्य दो डाकुओं को भागने का मौका मिल गया। भरे हुए चार कारतूसों सहित .455 बोर की एक सॉक्स रिवाल्वर तथा, .135 राइफल के दो भरे हुए कारतूस और एक पेटी में पांच भरे हुए तथा आठ खाली कारतूसों सहित परतापुर बैंक के गार्ड से लूटी गई एस० बी० बी० एल० बन्दूक बरामद की गई।

इस मुठभेड़ में, श्री अमर चन्द, कांस्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(I) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 सितम्बर, 1984 से दिया जायेगा।

दिनांक 26 जनवरी 1987

सं० 8-प्रेज/87—राष्ट्रपति, 1987 के गणतन्त्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारी को उसकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री होशियार सिंह यादव,
डिवीजनल कमांडेंट,
मध्य प्रदेश।

यह पदक राष्ट्रपति के गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक नियमावली के नियम 3(ii) के अधीन प्रदान किया जाता है।

सं० 9-प्रेज/87—राष्ट्रपति, 1987 के गणतन्त्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री जीतेन्द्र नाथ डेका,
प्रिंसिपल,
सी० टी० आई०,
असम।

श्री जगदीश अमृतलाल मेहता
सेकेण्ड-इन-कमांड (अवैतनिक),
गुजरात।

श्री सागर रमनलाल रामभाई,
कम्पनी कमांडर (अवैतनिक),
गुजरात।

श्री राहेश्वर जसवंत सिंह मोहबत सिंह,
प्लाटून कमांडर (अवैतनिक),
गुजरात।

श्री जयसी राम शर्मा,
कमांडेंट,
होम गार्ड,
हिमाचल प्रदेश।

श्री बलबीर सिंह,
प्लाटून कमांडर,
हिमाचल प्रदेश।

श्रीमती दुलारी शर्मा,
कम्पनी कमांडर (अवैतनिक),
हिमाचल प्रदेश।

श्री मियान सिंह,
सीनियर प्लाटून कमांडर (अवैतनिक),
हिमाचल प्रदेश।

श्रीमती पुनी देवी,
कम्पनी हवलदार मेजर (अवैतनिक),
हिमाचल प्रदेश।

श्री दीलत राम,
असिस्टेंट सेक्शन लीडर (अवैतनिक),
हिमाचल प्रदेश,

श्री शिवरामकृष्ण तोरास्कर,
डिवीजनल कमांडर (अवैतनिक),
महाराष्ट्र।

श्री हरीश चन्द्र भिकुवानी,
डिवीजनल कमांडर (अवैतनिक),
महाराष्ट्र।

श्री कमलाकर रामबाबु ताजने,
डिवीजनल कमांडेंट (अवैतनिक),
महाराष्ट्र।

श्री विनायक विष्णु गायकवाड,
उप नियन्त्रक,
नागरिक सुरक्षा,
महाराष्ट्र।

श्री विक्टर जार्ज,
आफिसर कमांडिंग (फायर),
स्टेट मोबाइल सिविल इमरजेंसी कालम,
महाराष्ट्र।

श्री जयराम बाबाजी रीवाले,
जूनियर स्टाफ आफिसर,
महाराष्ट्र।

श्री सईद हसन असगर हुसैनी,
सिटी कमांडेंट (होम गार्ड),
उत्तर प्रदेश।

श्री सूरज प्रसाद,
कम्पनी हवलदार मेजर (वालंटियर),
मध्य प्रदेश।

श्री मंगल बीन,
कम्पनी हवलदार मेजर (वालंटियर),
मध्य प्रदेश।

श्री राम विशाल,
वालंटियर,
मध्य प्रदेश।

श्री बी० शंकरनारायणन,
असिस्टेंट प्लाटून कमांडर (वालंटियर),
तमिलनाडु।

श्री तम्बी कुप्पु पदमनाभन,
एरिया कमांडर (अवैतनिक),
तमिलनाडु ।

श्री किशन गजानन्द चारी,
कम्पमी कमांडर (वालंटियर),
गोवा, दमन व दीव ।

श्री हरदयम मेनुयल राज,
असिस्टेंट प्लाटून कमांडर (अवैतनिक),
पांडिचेरी ।

श्री वरयाम सिंह,
फराश, राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कालेज,
नागपुर ।

ये पदक गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक नियमावली के नियम 3(ii) के अधीन प्रदान किये जाते हैं ।

सं० 10-प्रेष/87—राष्ट्रपति, 1987 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी शराहनीय सेवा के लिए अग्निशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री जदी नारायणा,
डाइवर आपरेटर,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री वासनम सेट्टी, नूकराजू,
फायरमैन,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री सोमेश्वर बोरा,
स्टेशन, आफिसर,
असम ।

श्री चेल्लप्पन पिल्लै शंकर पिल्लै,
असिस्टेंट स्टेशन आफिसर,
केरल ।

श्री गुलाब नारायण काकडे,
सब फायर आफिसर,
महाराष्ट्र ।

श्री सीताराम बाबूराव शिन्दे,
डाइवर आपरेटर,
महाराष्ट्र ।

श्री अरुण कुमार दास,
स्टेशन आफिसर,
मेघालय ।

श्री के० अम्पा राव,
डाइवर-हवलदार,
उड़ीसा ।

श्री के० मायांदी थेवार ओषा थेवार,
स्टेशन फायर आफिसर,
तमिलनाडु ।

श्री गोविन्दा सुब्रमणि,
लीडिंग फायरमैन,
तमिलनाडु ।

श्री कंडासामी धर्मलिंगम,
लीडिंग, फायरमैन,
तमिलनाडु ।

श्री पराग चन्द्र मलिक,
डिप्टीजनल फायर आफिसर,
पश्चिम बंगाल ।

श्री मनीष चन्द्र चक्रवर्ती,
चीफ मोबीलाइजिंग आफिसर,
पश्चिम बंगाल ।

श्री परिमल कुमार साहा,
लीडर (एल० एफ० ओ०),
पश्चिम बंगाल ।

श्री गोपाल सिंह,
डाइवर,
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा कालेज,
नागपुर ।

श्री श्रवण राम,
डाइवर,
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा कालेज,
नागपुर ।

श्री केशव चितामन गंकी,
कारपेंटर,
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा कालेज,
नागपुर ।

श्री दिलीप कुमार खासनाविस,
इंस्पेक्टर (फायर),
रेल मंत्रालय ।

श्री अनिल कुमार चौधरी,
लांस नायक (फायर डिपार्टमेन्ट),
हस्पताल एवं खान मंत्रालय ।

ये पदक अग्निशमन सेवा पदक नियमावली के नियम 3(ii) के अधीन प्रदान किये जाते हैं ।

सं० 11-प्रेष/87—राष्ट्रपति, 1987 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री श्रम्बीकल चन्द्रशेखरन,
महा निदेशक तथा पुलिस महानिरीक्षक,
प्रशासन, हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री अबुला दोरायस्वामी यशवन्त राव नायडू,
उप निदेशक,

अष्टाचार निरोधक ब्यूरो
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

श्री शंकर राधा कृष्ण मूर्ति,

पुलिस उपाधीक्षक,
आसूचना, गुण्टूर,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री सोरबकयूर वेंकटरामा सुब्रमण्यन,
पुलिस महानिरीक्षक,
गुवाहाटी,
असम

श्री देवी चरण सिन्हा,
पुलिस उप महानिरीक्षक/प्रिसिपल,
पुलिस प्रशिक्षण महा विद्यालय,
हजारीबाग,
बिहार ।

श्री रमन लाल रणछोडजी देसाई,
कमाण्डेण्ट,
राज्य रिजर्व पुलिस बल, ग्रुप 10
उकई,
गुजरात ।

श्री हंस राज स्वान,
महानिदेशक तथा महानिरीक्षक, जेल,
मणिमाजरा, (चण्डीगढ़),
हरियाणा ।

श्री अली मोहम्मद वटाली,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
कश्मीर रेंज, श्रीनगर,
जम्मू तथा कश्मीर ।

श्री रागी बोम्मनहल्ली मरिस्वामी बसंत कुमार,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
लोकायुक्त, बंगलौर,
कर्नाटक ।

श्री भासगी सिद्दालिगप्पा,
पुलिस अधीक्षक,
सी० ए० स्क्वाड, सी० ओ० डी०, बंगलौर,
कर्नाटक ।

श्री राम रतन,
पुलिस महानिरीक्षक/परिवहन आयुक्त,
ग्वालियर,
मध्य प्रदेश ।

श्री बृज मोहन पराशर,
पुलिस उपाधीक्षक,
राज्य जांच ब्यूरो,
आर्थिक अपराध,
जबलपुर,
मध्य प्रदेश ।

श्री रामचन्द्र गुलाबचन्द्र दाभमा,
पुलिस उपाधीक्षक,
खुफिया विभाग (अपराध)
पुणे,
महाराष्ट्र ।

श्री शंकर सेन,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
सतर्कता,
कटक,
उड़ीसा ।

श्री सी० पाल सिंह,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
जालंधर छावनी,
पंजाब ।

श्री राजेन्द्र कुमार बैजल,
विशेष महानिरीक्षक, पुलिस,
(अपराध तथा सतर्कता),
जयपुर,
राजस्थान ।

श्री गोपाल वरदराजन,
पुलिस उपायुक्त,
अपराध, उत्तर,
मवास नगर,
तमिलनाडु ।

श्री वंकीपुरम सुन्दरावरदन,
पुलिस अपर अधीक्षक,
मद्यनिषेध प्रवर्तन स्कंध,
चेंगलपट्टु पूर्वी जिला,
तमिलनाडु ।

श्री राजेन्द्र नारायण माथुर,
पुलिस महानिरीक्षक,
बरेली जोन, बरेली,
उत्तर प्रदेश ।

श्री जसोदालाल राय,
पुलिस निरीक्षक,
मुख्यालय यातायात गार्ड,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री प्रकाश सिंह,
महानिरीक्षक,
सीमा सुरक्षा बल, कश्मीर सीमा,
श्रीनगर,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री दया किशोर शर्मा,
निदेशक,
सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकनपुर,
ग्वालियर,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री बेअन्त सिंह,
उप महानिरीक्षक/कमाण्डेण्ट,
सीमा सुरक्षा बल, सी० एम० डब्ल्यू० टी०,
इन्दौर,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री सी० सुब्रमण्यम,
पुलिस महानिरीक्षक,
सेक्टर—1, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
हैदराबाद,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री चन्द्रशेखर त्रिवेदी,
पुलिस महानिरीक्षक,
सेक्टर—4, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
शिलांग,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री महान सिंह,
सहायक कमाण्डेण्ट,
सिग्नल ग्रुप सेक्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
नीमच (मध्य प्रदेश),
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री करनेल सिंह,
कम्पनी कमाण्डर,
तीसरी बटालियन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,
नाहन (हिमाचल प्रदेश),
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

श्री महेश दत्त शर्मा,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
सीमा स्कन्ध,
नई दिल्ली,
केन्द्रीय जांच ब्यूरो,

श्री बलदेव सिंह कपूर सिंह गिल,
पुलिस अधीक्षक,
अहमदाबाद,
केन्द्रीय जांच ब्यूरो ।

श्री दिनेश चन्द्र पाठक,
संयुक्त निदेशक,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
चण्डीगढ़,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री धनेश चन्द्र नाथ,
संयुक्त निदेशक,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
कलकत्ता,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री वसन्त जनराव देशमुख,
केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
नागपुर,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री नरेन्द्र सिंह यादव,
उप महानिरीक्षक,
मुख्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,
गृह मंत्रालय ।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(ii) के अन्तर्गत दिए जा रहे हैं ।

सं० 12-प्रेज/87-राष्ट्रपति, 1987 के गणतन्त्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री अबुताला हनुमन्त रेड्डी,
पुलिस अधीक्षक,
अपराध शाखा, खुफिया विभाग,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री पेराम वेंकय्या,
पुलिस अधीक्षक,
कृष्णा मछलीपटनम,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री के० सूर्यनारायण मूर्ति,
पुलिस उपायुक्त, साउथ जोन,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री चिन्ता पोता रेड्डी,
पुलिस उप अधीक्षक,
नरसीपटनम सब-डिवीजन,
नरसीपटनम,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री निदादवलु सत्यनारायण,
पुलिस उप अधीक्षक,
गुडीवडा-सब-डिवीजन, कृष्णा जिला,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री चीपुर वेंकट शेषगिरि राव,
पुलिस उप अधीक्षक, भ्रष्टाचार-निरोधक ब्यूरो,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री कोप्पला सुब्रह्मन्ता,
पुलिस उप अधीक्षक,
केन्द्रीय जांच यूनिट,
अष्टाचार-निरोधक ब्यूरो,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री भीमन राय,
रिजर्व पुलिस निरीक्षक,
पहली बटालियन, ए० पी० एस० पी०,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री मोहम्मद अब्दुल रशीद,
सहायक पुलिस रेडियो पर्यवेक्षक,
संचार व प्रशिक्षण,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री ताराप्रसाद चक्रवर्ती,
पुलिस अधीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
गुवाहाटी,
असम ।

श्री यदु नाथ दत्ता,
पुलिस उप अधीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
गुवाहाटी,
असम ।

श्री प्रभात सिंह लाहकर,
पुलिस निरीक्षक,
जांच ब्यूरो,
(आर्थिक अपराध),
गुवाहाटी,
असम ।

श्री राम कृष्ण शर्मा,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
पटना,
बिहार,

श्री रणबीर डेविड सुवर्णा,
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,
पटना,
बिहार ।

श्री प्रेम रंजन शर्मा,
पुलिस उप अधीक्षक,
स्पेशल ब्रांच मुख्यालय,
पटना,
बिहार ।

श्री नागेश्वर,
पुलिस निरीक्षक,
रांची,
बिहार ।

श्री राज किशोर सहाय,
पुलिस उप निरीक्षक (एम),
स्पेशल ब्रांच,
पटना,
बिहार ।

श्री वासुदेव मिश्र,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
दरभंगा,
बिहार ।

श्री देव नाथ सिंह,
मिपाही नं० 353,
बिहार सेना पुलिस,
6 'बटालियन',
मुजफ्फरपुर,
बिहार ।

श्री शंकरराव रामचन्द्र गायकवाड़,
पुलिस उप अधीक्षक (आर्म्ड),
एस० आर० पी० एफ०, जी० आर०-1, बड़ौदा,
गुजरात ।

श्री गोविन्द गणपत सावंत,
पुलिस उप अधीक्षक (आर्म्ड),
एम० आर० पी० एफ०, जी० आर० V, गोधरा,
गुजरात ।

श्री विठ्ठल बाबाजी उत्तरे,
पुलिस उप निरीक्षक (आर्म्ड),
एस० आर० पी० एफ०, जी० आर०-VIII, गोंडन,
गुजरात ।

श्री जगत सिंह अमर सिंह जेतावत,
हेड कांस्टेबल (फर्स्ट ग्रेड),
अष्टाचार-निरोधक ब्यूरो,
हिम्मतनगर,
गुजरात ।

श्री भाईलाल कारसाजी बोरी सागर,
हेड कांस्टेबल नं० 1194 (ग्रेड-II),
राजकोट ग्रामीण, राजकोट,
गुजरात ।

श्री बाबूसाई बुद्धिगामाई पटेल,
जमादार (फर्स्ट ग्रेड) बी० नं० 542,
सूरत शहर पुलिस मुख्यालय,
सूरत,
गुजरात ।

श्री मधुकर लक्ष्मण कुलकर्णी,
जमादार (ग्राम्भे 1 ग्रेड), बी० नं० 399,
सूरत शहर पुलिस मुख्यालय,
सूरत,
गुजरात ।

श्री रवीन्द्र नाथ वासुदेव
पुलिस अधीक्षक,
राज्य सतर्कता ब्यूरो,
करनाल,
हरियाणा ।

श्री जय नारायण,
पुलिस निरीक्षक,
फतहबाद, जिला हिमाचल,
हरियाणा ।

श्री उत्तम सिंह,
पुलिस निरीक्षक (वायरलेस),
वायरलेस संगठन,
शिमला,
हिमाचल प्रदेश ।

श्री दत्ताजी गंजू,
पुलिस अधीक्षक,
सतर्कता,
बारामूला,
जम्मू व कश्मीर ।

श्री अब्दुल रहीम,
पुलिस निरीक्षक,
पुलिस स्टेशन पक्का डंगा,
जम्मू,
जम्मू व कश्मीर ।

श्री मकसूद हुसैन शाह,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
पुलिस स्टेशन पुछ,
श्रीनगर,
जम्मू व कश्मीर ।

श्री पुली कोदंडमय्या,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
सेंट्रल रेंज,
बेंगलूर,
कर्नाटक ।

श्री मोहम्मद इब्राहिम शरीफ,
पुलिस उप अधीक्षक,
लोकायुक्त का कार्यालय
बेंगलूर,
कर्नाटक ।

श्री कृष्णमूर्ति सुब्रमण्य बयार,
पुलिस सहायक आयुक्त,
ट्रेफिक,
बेंगलूर शहर,
कर्नाटक ।

श्री शिमोगा मजैया रंगनाथ अदिगा,
पुलिस उप अधीक्षक,
सी० ओ० डी०,
बेंगलूर,
कर्नाटक ।

श्री दासो बन्देराव देसाई,
पुलिस उप अधीक्षक,
आसूचना,
वेल्लारी,
कर्नाटक ।

श्री सी० मोहम्मद इकबाल,
पुलिस उप अधीक्षक,
देडेली सब डिवीजन,
जिला कारदार,
कर्नाटक ।

श्री रथयल्लाप्पर येल्लप्पा,
पुलिस निरीक्षक,
बेंगलूर शहर,
कर्नाटक ।

श्री गोविन्दय्या मुदलैया,
पुलिस निरीक्षक,
विशेष जांच दस्ता,
सी० ओ० डी०, बेंगलूर,
कर्नाटक ।

श्री वी० जोसेफ थामस,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
सेंट्रल रेंज,
एर्नाकुलम,
केरल ।

श्री पुल्लेनाप्पाविल नारायणन सुरेन्द्रनाथन,
डिप्टी कमांडेंट,
ग्राम्भे पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र,
त्रिचूर,
केरल ।

श्री कृष्ण पिल्लै सुरेन्द्रन नायर,
रिजर्व उप निरीक्षक पुलिस,
पुलिस प्रशिक्षण कालेज,
त्रिवेन्द्रम,
केरल ।

श्री माधवम बालकृष्णन,
कांस्टेबल नं० ई-2185,
अपराध शाखा,
एर्नाकुलम शहर,
केरल।

श्री आनन्द कुमार,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
राज्य जांच ब्यूरो,
(आर्थिक अपराध), भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री स्वराज कुमार पुरी,
पुलिस सहायक महानिरीक्षक,
पी० सी० आर० सैल, भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री सदाराम शम्भुजी वारवाडे,
पुलिस अधीक्षक,
छारगोन,
मध्य प्रदेश।

श्री विजय मी० डेविड,
पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा),
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री विजय शंकर चोबे,
पुलिस अधीक्षक,
दुर्ग,
मध्य प्रदेश।

श्री पूर्ण बहादुर थापा,
सहायक कमांडेंट,
आर्म्ड पुलिस प्रशिक्षण कालेज,
इन्दौर,
मध्य प्रदेश।

श्री बृज लाल पांडे,
पुलिस उप अधीक्षक,
राज्य जांच ब्यूरो,
(आर्थिक अपराध), रायपुर,
मध्य प्रदेश।

श्री कैलाश सिंह पवार,
पुलिस निरीक्षक (रेडियो),
पुलिस रेडियो मुख्यालय,
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री उत्तम राव शिंदे,
कम्पनी कमांडर,
दूसरी बटालियन, एस० ए० एफ०,
ग्वालियर,
मध्य प्रदेश।

श्री शंकर मार्टंड बालुसकर,
पुलिस निरीक्षक (एम),
पुलिस मुख्यालय,
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री लक्ष्मण सिंह,
प्लाटून कमांडर,
9 बटालियन, एस० ए० एफ०,
रीवा,
मध्य प्रदेश।

श्री कमल प्रसाद गुरंग,
हैड कांस्टेबल नं० 510,
मुख्यालय कम्पनी,
18 बटालियन, एम० पी०, एस० ए० एफ० (आई० आर०),
तेजपुर (असम),
मध्य प्रदेश।

श्री मुन्नी लाल,
हैड कांस्टेबल (एम० टी०),
राज्य जांच ब्यूरो,
(आर्थिक अपराध),
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री श्रीकृष्ण,
कांस्टेबल नं० 60,
जिला धार,
मध्य प्रदेश।

श्री शरच्चन्द्र लक्ष्मण सोमन,
पुलिस सहायक आयुक्त,
तारदेव डिवीजन,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री दत्तात्रेय यादवराव भोसले,
अतिरिक्त उपायुक्त,
खुफिया विभाग (आई० एस० डब्ल्यू०),
कोल्हापुर,
महाराष्ट्र।

श्री जयेन्द्र अनन्त वालावलकर,
पुलिस सहायक आयुक्त,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री श्रीपद दत्तात्रेय कारंदीकर,
पुलिस सहायक आयुक्त (वायरलेस),
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री पांडुरंग रामचन्द्र पामलकर,
पुलिस निरीक्षक (ग्रामर्ड),
एस० आर० पी० एफ० जी० आर०—VIII,
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री दिनकर बालकृष्ण मजूमदार,
पुलिस निरीक्षक,
अपराध निरोधक शाखा, खुफिया विभाग,
ग्रेटर बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री भीमराव श्रीपत बारडे,
पुलिस उप निरीक्षक (ग्रामर्ड),
एस० आर० पी० एफ०, जी० आर०— ,
जालना,
महाराष्ट्र ।

श्री बालचन्द्र दत्तात्रेय सावंत,
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी,
खुफिया विभाग, (आई० एस० डब्ल्यू०),
चिपलून,
महाराष्ट्र ।

श्री राजाराम दागदु थोम्बे,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक (ग्रामर्ड),
पुलिस मुख्यालय,
परभानी,
महाराष्ट्र ।

श्री बामनराव नारायणराव भाकरे,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक, बी० नं० 1107,
पुलिस मुख्यालय,
अमरावती,
महाराष्ट्र ।

श्री रामदीप गंगा यादव,
हेड कांस्टेबल नं० 12663/सी० बी०,
डिटेक्शन आफ क्राइम ब्रांच, खुफिया विभाग,
बम्बई (महाराष्ट्र) ।

श्री सखाराम रामचन्द्र दुखानदे,
हेड कांस्टेबल बी० नं० 11580/सी० बी०,
खुफिया विभाग, बम्बई
महाराष्ट्र ।

श्री अनन्त धानाजी साल्वी,
हेड कांस्टेबल,
स्थानीय अपराध शाखा,
रत्नागिरि,
महाराष्ट्र ।

श्री कोंडिबा अप्पाजी खादतारे,
सहायक उप निरीक्षक (हेड कांस्टेबल),
खुफिया विभाग (आई० एस० डब्ल्यू०),
पुणे,
महाराष्ट्र ।

श्री नामदेव श्रीरंग भोइते,
हेड कांस्टेबल (ग्रामर्ड) बी० नं० 2/31,
जिला सतारा,
महाराष्ट्र ।

श्री श्यामसुन्दर रंगनाथ पुडे,
आसूचना अधिकारी,
खुफिया विभाग (आई० एस० डब्ल्यू०),
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री दत्तात्रेय गोविन्द शितोले,
हेड कांस्टेबल बी० नं० 1775,
अष्टाचार-निरोधक ब्यूरो,
पुणे,
महाराष्ट्र ।

श्री विष्णु श्रीधर अजगांवकर,
हेड कांस्टेबल बी० नं० 11753/ए० सी० बी०
अष्टाचार-निरोधक ब्यूरो,
ग्रेटर बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री विनायक रंगनाथ वैद्य,
हेड कांस्टेबल,
खुफिया विभाग (आई० एस० डब्ल्यू०),
औरंगाबाद,
महाराष्ट्र ।

श्री कृष्ण पाल सिंह,
पुलिस अधीक्षक/संयुक्त सचिव (गृह),
इम्फाल,
मणिपुर ।

श्री आरम्बम् दीप सिंह,
पुलिस अधीक्षक,
खुफिया विभाग (विशेष शाखा),
इम्फाल,
मणिपुर ।

श्री किशीरोडे सिधु दास,
पुलिस निरीक्षक,
अष्टाचार-निरोधक ब्रांच,
शिलांग,
मेघालय ।

श्री इन्दजीत जी आचुक,
पुलिस अधीक्षक,
बालासोर,
उड़ीसा ।

श्री बनमाली दाश,
पुलिस उप अधीक्षक,
सतर्कता,
संबलपुर डिवीजन, संबलपुर,
उड़ीसा ।

श्री पुती नारायण स्वामी,
पुलिस निरीक्षक,
सतर्कता,
बरहामपुर डिवीजन, बरहामपुर,
उड़ीसा ।

श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी,
झाइवर हवलदार,
सतर्कता निदेशालय,
कटक,
उड़ीसा ।

श्री दैतारी नायक,
कांस्टेबल,
खुफिया विभाग, अपराध शाखा,
कटक, उड़ीसा ।

श्री परमजीत सिंह संधु,
पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक,
संगहर,
पंजाब ।

श्री नरेन्द्र पाल सिंह,
पुलिस उप अधीक्षक,
तरणतारण,
पंजाब ।

श्री सीता राम,
निरीक्षक,
एस० एच० ओ०, तरण तारण,
पंजाब ।

श्री दया सिंह,
निरीक्षक,
सी० आई० ए,
पंजाब ।

श्री गुरपाल सिंह,
पुलिस निरीक्षक, नं० एफ० आर०/61,
पुलिस स्टेशन सदर बटाला,
गुरदासपुर,
पंजाब ।

श्री संतोष सिंह,
पुलिस निरीक्षक नं० 167/पी० आर०,
विजिलेंस फ्लाईंग स्कवाड-1,
चंडीगढ़,
पंजाब ।

श्री नमीब चन्द,
पुलिस निरीक्षक नं० 114/पी० ए० पी ;
खुफिया विभाग (आसूचना स्कंध),
चंडीगढ़,
पंजाब ।

श्री सतपाल,
पुलिस उप निरीक्षक नं० 85/एस० जी० आर,
कम्प्यूटराइजेशन,
चंडीगढ़,
पंजाब ।

श्री रघबीर सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक नं० 179/पी० ए० पी,
13वीं बटालियन, पंजाब सशस्त्र पुलिस,
जालंधर छावनी,
पंजाब ।

श्री ओंकार सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
अमृतसर,
पंजाब ।

श्री हरचरण सिंह सूरी,
पुलिस उप निरीक्षक,
एस० एच० ओ०, जंडियाला गुरु,
अमृतसर,
पंजाब ।

श्री महेश कुमार,
हेड कांस्टेबल,
पंजाब ।

श्री गरिन्दर पाल सिंह,
कांस्टेबल,
पंजाब ।

श्री भोपाल सिंह,
पुलिस अपर अधीक्षक,
राजस्थान पुलिस अकामी,
जयपुर,
राजस्थान ।

श्री नटवर लाल शर्मा,
पुलिस उपाधीक्षक,
राजसंमद,
जिला उदयपुर,
राजस्थान ।

श्री प्रेमनाथ सोनी,
पुलिस उपाधीक्षक,
जिला नागौर,
राजस्थान ।

श्री हरीश चन्द्र शर्मा,
पुलिस उप निरीक्षक,
पुलिस थाना सोदाला, जयपुर शहर,
राजस्थान ।

श्री मोहम्मद उस्मान खान,
हेड कांस्टेबल नं० 60 (ए० पी०),
जिला मुंसुनु,
राजस्थान ।

श्री किशन लाल मीना,
हेड कांस्टेबल नं० 2548,
पुलिस थाना कोनवाली, जयपुर शहर,
राजस्थान ।

श्री किशन सिंह,
लांस हेड कांस्टेबल नं० 1184,
अपरराध शाखा, उदयपुर,
राजस्थान ।

श्री वी० के० राजगोपाल,
पुलिस उप महानिरीक्षक एवं निदेशक,
अग्निशमन सेवाएं, मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री एंटोनी जयसीलन जेवियर अलैक्जेंडर,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
इन्फोर्समेंट, मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री थंगाएलम विवेकनन्दराज,
पुलिस उपाधीक्षक (सुरक्षा),
विशेष शाखा, खुफिया विभाग,
मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री डेविड मनोहरन,
पुलिस उपाधीक्षक, अन्वेषण अधिकरण,
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोध,
मद्रास ।
तमिलनाडु ।

श्री मदुरै पोन्नप्पन पांडियान,
पुलिस निरीक्षक,
मद्यनिषेध आसूचना ब्यूरो,
मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री गोपालन गोविन्दन,
पुलिस निरीक्षक,
रेजिमेंटल सेन्टर, अवाडी,
तमिलनाडु ।

श्री के० नटेशन,
पुलिस निरीक्षक,
तमिलनाडु विशेष पुलिस 11 बटालियन,
अवाडी,
तमिलनाडु ।

श्री एम० सादुल हमीद,
पुलिस उप निरीक्षक,
नागरिक आपूर्ति, खुफिया विभाग,
मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री एम० थ्यागराजन,
हेड कांस्टेबल नं० 3397,
मेलपोर यातायात पुलिस थाना,
मद्रास शहर,
तमिलनाडु ।

श्री एम० मुखोसैन,
कांस्टेबल नं० 678, (ग्रेड-II),
इरोडे नियंत्रण कक्ष पुलिस थाना,
जिला पेरियार,
तमिलनाडु ।

श्री पराग बरण दत्ता,
पुलिस उपाधीक्षक (केन्द्रीय),
अगरतला,
त्रिपुरा ।

श्री पी० एम० वी० प्रसाद,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
राष्ट्रप्रदायिक आसूचना,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री राम चन्द्र शर्मा,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
खुफिया विभाग, लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री रघुवीर सिंह,
पुलिस उपाधीक्षक, (सहायक कमांडेंट),
VIII बटालियन, पी०ए०सी०,
बरेली,
उत्तर प्रदेश ।

श्री श्याम राम सिंह,
पुलिस उपाधीक्षक,
राज्य बिजली बोर्ड,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री गंगा बाल सिंह,
पुलिस उपाधीक्षक,
गोंडा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री रमेश पाल सिंह,
पुलिस उपाधीक्षक,
मथुरा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री सुरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव,
कार्यालय अधीक्षक,
पी०ए०सी, मुख्यालय, लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री महेश नारायण सिंह,
पुलिस निरीक्षक,
शाहजहाँपुर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री भगवान सिंह,
मुख्य ड्रिल निरीक्षक,
पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय-१,
मुरादाबाद,
उत्तर प्रदेश ।

श्री हरि हर सिंह,
कम्पनी कमांडर,
३५वीं बटालियन, पी०ए०सी०,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता,
पुलिस उपनिरीक्षक (एम),
उत्तर प्रदेश सतर्कता स्थापना,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री राम नारायण सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक (एम),
पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय,
कानपुर क्षेत्र, कानपुर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री केशव दत्त पन्त,
प्लाटून कमांडर,
१५वीं बटालियन, पी०ए०सी०,
आगरा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री जगन्नाथ चौबे,
प्लाटून कमांडर,
२६वीं बटालियन, पी० ए० सी०,
गोरखपुर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री रतन सिंह,
प्लाटून कमांडर,
३५वीं बटालियन, पी०ए०सी०,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री जंग बहादुर सिंह,
पुलिस उप निरीक्षक,
एम० टी०, ग्रामसूचना विभाग,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री मोमई राम,
हैड कांस्टेबल,
२८वीं बटालियन, पी० ए० सी०,
इटावा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री संत राम,
हैड कांस्टेबल,
२१-सशस्त्र पुलिस, पुलिस लाईन,
एटा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री चन्द्र पाल सिंह,
हैड कांस्टेबल, सशस्त्र पुलिस,
पुलिस महानिदेशक मुख्यालय,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री रामचन्द्र,
कांस्टेबल,
६२, सशस्त्र पुलिस,
बदायूं,
उत्तर प्रदेश ।

श्री राम राज उपाध्याय,
कांस्टेबल, नं० १६४, सिविल पुलिस,
जिला गोंडा,
उत्तर प्रदेश ।

श्री सैयद इफ्तिखार मुल्लान अहमद,
पुलिस अधीक्षक,
दक्षिण २४-परगना,
पश्चिम बंगाल ।

श्री प्रकाश चन्द्र भट्टाचार्य,
पुलिस निरीक्षक,
ग्रामसूचना शाखा,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री दिलीप कुमार कुंड़,
पुलिस निरीक्षक,
खुफिया विभाग, सिलीगुड़ी,
पश्चिम बंगाल ।

श्री अरविन्द रे,
पुलिस निरीक्षक,
विशेष सैल, यातायात विभाग,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री लक्ष्मी नारायण बनर्जी,
पुलिस निरीक्षक,
दूमरी बटालियन,
कलकत्ता सशस्त्र पुलिस,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री परितोष विश्वास,
पुलिस उप निरीक्षक,
पुलिस थाना चोपरा, पश्चिम दीनाजपुर,
पश्चिम बंगाल ।

श्री रविन्द्र नाथ चक्रवर्ती,
पुलिस उप निरीक्षक,
प्रवर्तन शाखा,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री कुमारेश चौधरी,
सार्जेंट,
मुख्यालय बल,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री धीरेन्द्र नाथ डे,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
डिटैकिट विभाग,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री सुशील चन्द्र राय मलिक,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
सुरक्षा नियंत्रण संगठन,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री पतित पावन चटर्जी,
हेड कांस्टेबल,
दक्षिण प्रभाग, कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री विष्णु प्रसाद नेवार,
हवलदार नं० 10914,
चौथी बटालियन, कलकत्ता सशस्त्र पुलिस,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री जानकी प्रसाद नैथाणी,
कांस्टेबल,
पुलिस थाना मयूरेश्वर,
जिला बीरभूम,
पश्चिम बंगाल ।

श्री मोहम्मद असलम खान,
सिपाही नं० 17519,
चौथी बटालियन, कलकत्ता सशस्त्र पुलिस,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री राम रतन शर्मा,
पुलिस उपाधीक्षक,
चण्डीगढ़,
चण्डीगढ़ प्रशासन ।

श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल,
पुलिस निरीक्षक,
नं० सी० एच० जी०/9,
चण्डीगढ़ प्रशासन ।

श्री हनुमान राम भोसले,
हेड कांस्टेबल (सशस्त्र),
पुलिस मुख्यालय, सिलवासा,
दावरा और नगर हवेली ।

श्री बालात बालन,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
अमीनी,
लक्षद्वीप ।

श्री चन्द्रोष अबूबाकर,
पुलिस अधीक्षक (यातायात),
पांडिचेरी ।

श्री मैक्सवेल एफ० जे० परेरा,
पुलिस उपायुक्त,
दक्षिण जिला, नई दिल्ली,
दिल्ली प्रशासन ।

श्री प्रभाती लाल,
पुलिस सहायक आयुक्त,
केन्द्रीय जिला, पहाड़ गंज,
दिल्ली प्रशासन ।

श्री बाल किशन तंवर,
पुलिस सहायक आयुक्त,
अपराध शाखा, दिल्ली,
दिल्ली प्रशासन ।

श्री बनावगी दाम,
पुलिस निरीक्षक नं० डी-1/10,
तीमरी बटालियन, दिल्ली राणस्व पुलिस, दिल्ली,
दिल्ली प्रणामन,

श्री हर्बंश सिंह, पुलिस उप निरीक्षक नं० डी/208,
दक्षिण जिला, नई दिल्ली,
दिल्ली प्रणामन।

श्री मेहर चन्द्र,
हेड कांस्टेबल नं० 29/अपराध,
कार्मिक अनुभाग सी० पी०,
नई दिल्ली,
दिल्ली प्रणामन।

श्री बची राम,
कांस्टेबल नं० 71/एम० बी०,
विशेष शाखा, दिल्ली,
दिल्ली प्रणामन।

श्री यतीन्द्र सिंह जाफा,
उप महानिरीक्षक,
श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर)
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मत्तपाल साहनी (आई० आर० एल० ए० नं० 0686)
अपर उप महानिरीक्षक,
सीमा मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल, जम्मू,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री रूप सिंह जसरोतिया,
अपर उप महानिरीक्षक/उप निदेशक,
सीमा सुरक्षा बल अकादमी, टेकपुर,
सीमा सुरक्षा बल।

डा० शरद कुमार झा,
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
सीमा सुरक्षा बल बेस अस्पताल,
जानंधर छावनी,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री उमैद सिंह,
कमांडेंट/सहायक निदेशक (मुख्यालय),
मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मंजीत सिंह (आई० आर० एल० ए० नं० 667),
उप कमांडेंट,
29वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री भगत सिंह,
उप कमांडेंट,
30वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मुदर्शन कुमार भाटिया,
संयुक्त सहायक निदेशक (संचार),
मुख्यालय महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल,
जोधपुर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री रामेल चन्द कटोच (आई० आर० एल० ए० नं० 1469)

उप कमांडेंट, प्रशिक्षण केन्द्र और विद्यालय
हजारी बाग,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री कृष्ण कुमार शर्मा,
विधि अधिकारी,
मुख्यालय, नई दिल्ली,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री केहर सिंह हिल्लों,
सूबेदार मेजर,
91वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल चाँकी,
नया कूच त्रिहार, उत्तर बंगाल,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री चमन बाल,
निरीक्षक नं० 674220139,
43वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
बरेली,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री कृष्ण बहादुर सर्की,
निरीक्षक नं० 6675507,
72वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
तेलियामुरा (त्रिपुरा),
सीमा सुरक्षा बल।

श्री जगमाल सिंह,
उप निरीक्षक नं० 66276047,
27वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
जैमलमेर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री लक्ष्मण सिंह,
उप निरीक्षक नं० 691320047,
सी० एम० डब्ल्यू० टी०, सीमा सुरक्षा बल, इन्दौर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मत्तपाल पराशर,
उप निरीक्षक नं० 684110974,
सीमा सुरक्षा बल मिंगनल रेजीमेंट,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री रोशन लाल,
हेड कांस्टेबल नं० 67488033,
44वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री एस० विगदुरै,
हेड कांस्टेबल नं० 671020501,
103वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल पानबार्ही,
जिल्हा धुबरी (असम),
सीमा सुरक्षा बल।

श्री जसवंत सिंह,
हेड कांस्टेबल नं० 781050146,
7 पी० जी० ए० यूनिट, सीमा सुरक्षा बल,
वीकानेर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री रणवीर सिंह बोहरा,
कमांडेंट (एस० जी०),
31 वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री कुलवीर सिंह,
कमांडेंट,
64वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
मिजोरम,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री परमजीत सिंह मंधू,
सहायक कमांडेंट,
चौथी सिग्नल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री नारायण सिंह शेखावत,
सहायक कमांडेंट,
ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
दीमापुर (नागालैण्ड),
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री तेजिन्दर सिंह डिल्लों,
सहायक कमांडेंट,
71वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

श्री शंभुनाथ ओझा,
पुलिस उपाधीक्षक,
81वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
दार्जिलिंग,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

श्री हर नारायण सिंह,
पुलिस उप-अग्रधीक्षक/कम्पनी कमांडर,
9वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री देबू राम,
इन्स्पेक्टर नं० 570062775,
8 वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री बी० जी देशमुख,
निरीक्षक,
आई० एम० ए०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
माऊंट आबू,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री घनश्याम दाम मचदेवा,
सूबेदार मेजर नं० 562061024(एम),
पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय,
एम/111, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री लाल चन्द,
उप-निरीक्षक,
66वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
आइजोल,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

श्री दर्शन राम,
हेड कांस्टेबल नं० 560020860,
महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

श्री तारा सिंह,
हेड कांस्टेबल नं० 520320014,
58वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
लुगलेई (मिजोरम),
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री धर्म सिंह,
नायक (झाड़वर),
34वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
जेमावाक (मिजोरम),
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री रण बहादुर गुरुंग,
कांस्टेबल नं० 560030194
तीसरी बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
अमृतसर,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,

श्री दीवान सिंह,
कांस्टेबल नं० 680382808,
38वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
दम दम एयर पोर्ट, कश्मीर,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री वृर सिंह
कांस्टेबल नं० 680401577,
67वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।
बुधियाना

श्री प्रियमल रंजन भट्टाचार्य,
कमांडेंट,
प्रथम बटालियन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,
श्रीनगर,
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

श्री कर्णसिंह यादव,
कमांडेंट,
स्पोर्ट बटालियन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,
जिला शिवपुरी (मध्य प्रदेश),
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

श्री तोखू राम,
मुखदार,
बी० टी० सी०, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,
कुल्लू (हिमाचल प्रदेश),
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

श्री मिकू राम,
हेड कांस्टेबल,
कोमबैंट विंग,
हेड्स अकादमी, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस,
मसूरी,
भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ।

श्री वकील मुग्ली धरन,
प्रिंसिपल,
के० आर० सु० बल, भर्ती प्रशिक्षण स्कूल,
देवली (राजस्थान),
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ।

श्री बटुकेश्वर चक्रवर्ती,
सहायक कमांडेंट,
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आयल इंडिया लिमिटेड,
दुनियाजान (अरम),
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ।

श्री पुरुषोत्तम लाल,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
चण्डीगढ़,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री कल्याण कुमार मण्डल,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
सी० बी० आई०, कलकत्ता जोन,
कलकत्ता,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री राम मेहर सिंह,
पुलिस अधीक्षक,
केन्द्रीय जांच यूनिट (पी),
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री अरुण वामनराव देगवेकर,
पुलिस अधीक्षक,
विशेष जांच सैल (पी),
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री मुग्ली धर सिंह,
पुलिस उप अधीक्षक,
केन्द्रीय जांच यूनिट (III),
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री श्रीराम अग्रवाल,
पुलिस उप अधीक्षक,
केन्द्रीय जांच यूनिट (वी),
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री राम देव पांडे,
पुलिस उप अधीक्षक,
विशेष जांच सैल (पी),
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री हृदयानन्द दास,
पुलिस निरीक्षक,
सी० बी० आई०, राउरकेला यूनिट,
भुवनेश्वर,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री भतूपथू गणपति सुब्रमण्यन मुन्धरम्,
पुलिस उप निरीक्षक,
सी० बी० आई०,
सामान्य अपराध स्कन्ध,
मद्रास,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री अवरोध विनिल दामोदर नास्त्रिया,
पुलिस उप निरीक्षक,
कोचीन,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री देव करण,
हेड कांस्टेबल,
सी० बी० आई०,
विशेष यूनिट
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री मोहम्मद खेरात अली,
हेड कांस्टेबल,
हैदराबाद,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

श्री बलवन्त सिंह,
कांस्टेबल,
हेड आफिस, नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

श्री सुधीर कुमार,
उप निदेशक,
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री मैथ्यू जान,
उप निदेशक,
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री रामाश्रय तिवारी,
सहायक निदेशक,
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री के. कृष्णमाचारी,
केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
विजयवाड़ा,
आसूचना ब्यूरो।

श्री सुनील कुमार भट्टाचार्य,
सहायक निदेशक,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
जयपुर,
आसूचना ब्यूरो।

श्री श्रीनिवास वेंकटेश पोतदार,
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
बम्बई,
आसूचना ब्यूरो।

श्री मुखर्जन चन्द्रवाली,
उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
आसूचना ब्यूरो, मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री गंगा सिंह,
उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
जयपुर,
आसूचना ब्यूरो।

श्री देवप्रत मुखर्जी,
उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
कलकत्ता,
आसूचना ब्यूरो।

श्री विचित्र सिंह तोमर,
उप केंद्रीय आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
भोपाल,
आसूचना ब्यूरो।

श्री शिव लोचन प्रकाश,
उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री पृथ्वीराजी रंगास्वामी वेंकट राजू,
तकनीकी अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
मद्रास,
आसूचना ब्यूरो।

श्री कृष्ण भूषण देव राय,
सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
कलकत्ता,
आसूचना ब्यूरो।

श्री मावारे सिंह,
सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
आसूचना ब्यूरो मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री वासुदेव प्रसाद त्रिपाठी,
सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना अधिकारी,
भोपाल,
आसूचना ब्यूरो।

श्री कांशीराकट्ट मुकुन्दन,
कनिष्ठ आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना ब्यूरो,
मद्रास,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री नरेन्द्र प्रकाश गुप्ता,
सहायक निदेशक,
पुलिस अनुसंधान व विकास ब्यूरो

श्री नारायण सिंह सोलंकी,
पुलिस उप निरीक्षक,
मोटर यानायात,
एस० बी० पी०, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी,
हैदराबाद ।

श्री मान बहादुर तंमगु,
हेड कांस्टेबल (एस० टी०),
उममा बारापानी,
उत्तरगुर्वी पुलिस अकादमी ।

श्री माधु राम,
पुलिस उप निरीक्षक,
विशेष जांच दल,
नई दिल्ली,
गृह मंत्रालय ।

श्री रुद्र पाल सिंह,
स्कवाड्रन कमांडर,
प्रशिक्षण केंद्र, गुडगांव,
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,
गृह मंत्रालय ।

श्री केवल कृष्ण लूथरा,
पुलिस उप अधीक्षक/टीम कमांडर,
मुख्यालय, नई दिल्ली,
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड,
गृह मंत्रालय ।

श्री स्प्रांट हर्बर्ट मोहन,
उप निदेशक (कम्पयूटर्स),
राष्ट्रीय आपराधिक रिकार्ड ब्यूरो, नई दिल्ली,
गृह मंत्रालय ।

श्री कृष्णन यशोधरन,
उप निरीक्षक,
राष्ट्रीय आपराधिक रिकार्ड ब्यूरो,
नई दिल्ली,
गृह मंत्रालय ।

श्री धर्मवीर मेहता,
अपर महानिरीक्षक,
रेलवे संरक्षण बल,
पश्चिमी रेलवे, बम्बई,
रेल मंत्रालय ।

श्री कुमार विश्वनाथ सिंह,
वरिष्ठ कमांडेंट (मुख्यालय),
पूर्वोत्तर रेलवे,
रेलवे संरक्षण बल,
गोरखपुर,
रेल मंत्रालय ।

श्री मुन्ताहिनादार रंगाराज,
सहायक कमांडेंट-ब-प्रिंसिपल,
रेलवे संरक्षण बल,
प्रशिक्षण केंद्र, तिरुच्चिरापल्ली,
रेल मंत्रालय ।

श्री मानवीर प्रसाद सिंह,
सहायक कमांडेंट,
रेलवे संरक्षण बल,
पूर्वी रेलवे मुख्यालय,
कलकत्ता,
रेल मंत्रालय ।

श्री मनमोहन सिंह सोही,
सहायक कमांडेंट,
6 बटालियन,
रेलवे संरक्षण विशेष बल, दिल्ली,
रेल मंत्रालय ।

श्री राजवीर सिंह,
हेड कांस्टेबल,
रेलवे सुरक्षा बल,
उत्तरी रेलवे मुख्यालय,
नई दिल्ली,
रेल मंत्रालय ।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम (4) 11 के अर्न्तगत दिये जा रहे हैं।

मु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति का उप सचिव

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 जनवरी 1987

सं० 4/5 आर० सी० सी०-85—अध्यक्ष महोदय ने श्री कल्पनाथ राय को राज्य सभा के सदस्य के रूप में 4 जुलाई 1986 को उनका कार्यकाल पूरा होने पर निवृत्त होने के कारण रिक्त हुए स्थान पर रेलवे उपक्रम द्वारा सामान्य राजस्व को देय लाभांश की दर तथा रेल बित्त और सामान्य बित्त से संबंधित अन्य अनुषंगी मामलों की पुनरीक्षा करने सम्बन्धी समिति का सदस्य नाम निर्देशित किया है।

सं० 4/5 आर० सी० सी०-85—अध्यक्ष महोदय ने श्री कैलाश यादव को श्री बंसी लाल के स्थान पर, जो अब लोक सभा के सदस्य नहीं रहे हैं, रेलवे उपक्रम द्वारा सामान्य राजस्व को देय लाभांश की दर तथा रेल बित्त और सामान्य बित्त से संबंधित अन्य अनुषंगी मामलों की पुनरीक्षा करने सम्बन्धी समिति का सदस्य नाम निर्देशित किया है।

कुलपति सिंह
वरिष्ठ वित्तीय समिति अधिकारी

वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1987

सकल्प

क्र० सं० 11011/21/85-हि० का० क०—आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग तथा बीमा सहित) की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन से संबंधित इस विभाग के दिनांक 31 जनवरी, 1986 के सकल्प संख्या 11011/21/85-हि० का० क० में आंशिक संशोधन करते हुए संघीय राजभाषा समिति द्वारा श्री बी० बी० देसाई, (संघीय सदस्य राज्य सभा) के स्थान पर डा० रत्नाकर पांडेय, संघीय सदस्य (राज्य सभा) को आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग तथा बीमा सहित) की हिन्दी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, लेखा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व समिति के सभी सदस्यों और भारत के सभी मंत्रालयों और विभागों को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश है कि सर्व साधारण की सूचनार्थ इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जे० एल० ब्रजाज, संयुक्त सचिव

उद्योग मंत्रालय

(रसायन और पेट्रो रसायन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1986

सकल्प

सं० एल-52019/10/86-डी-6—औषध तथा भेषज उद्योग के अभिनवीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण तथा वृद्धि के लिए हाल ही में घोषित किए गए उपायों के अनुसरण में, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय का रसायन और पेट्रो रसायन विभाग भेषज क्षेत्र में स्वास्थ्य नीतियों तथा औद्योगिकी नीतियों के बीच बेहतर एकीकरण के लिए एक अन्तः मंत्रालय समन्वय समिति गठित करता है :—

समिति का गठन निम्न प्रकार होगा :—

1. सचिव, रसायन और पेट्रो रसायन विभाग अध्यक्ष
2. अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सदस्य
3. औषध नियंत्रक, भारत "
4. उप महानिदेशक तकनीकी विकास ,
5. संयुक्त सचिव, औद्योगिक विकास विभाग (एस० आई० ए० के० प्रभारी) "
6. संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय "
7. संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय "
8. सलाहकार, विज्ञान और औद्योगिकी विभाग "
9. संयुक्त सचिव (औषध) रसायन और पेट्रो रसायन विभाग सदस्य सचिव

समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे:—

- (1) नये उपायों के कार्यान्वयन पर निगरानी रखना तथा कार्यान्वयन में की गई प्रगति का आवधिक रूप में पुनरीक्षण तथा मानीटर करना।
- (2) इन उपायों के कार्यान्वयन में आने वाली बाधा, यदि कोई हो, को दूर करना।
- (3) इन उपायों के कार्यान्वयन में सम्बन्ध विभिन्न विभागों के बीच सम्बन्ध स्थापित करना।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ क्षेत्र प्रशासनों, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालयों, भारत सरकार के मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

आर० एम० माथुर, संयुक्त सचिव

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 दिसम्बर 1986

संकल्प

स० ई-11015/12/84-हिन्दी—भारत सरकार डा० एच० सी० बर्मो का इस मंत्रालय के संकल्प संख्या ई-11015/12/84-हिन्दी, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985 द्वारा गठित इस मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति की सदस्यता में त्यागपत्र तत्काल स्वीकार करती है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक, लेखा नियंत्रक, खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एच० डी० बर्मल, संयुक्त सचिव

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण वन और वन्य-जीव विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1987

नियम

सं० 17011/4/86-आई० एफ एम०-II—भारतीय वन सेवा में रिक्तियों को भरने के लिए 1987 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा, ली गई जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं:—

1. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गये नोटिस में निर्दिष्ट की जायेगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किये जायेंगे।

2. इस परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को जो अन्यथा पात्र हो तीन बार परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जायेगी। यह प्रतिबंध 1984 में हुई परीक्षा से लागू है।

परन्तु अवसरों की संख्या से सम्बन्ध यह प्रतिबंध अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अन्यथा पात्र उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा।

टिप्पणी 1 : यदि उम्मीदवार परीक्षा के किसी एक या अधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता है तो यह समझ लिया जाएगा कि उसने एक अवसर प्राप्त कर लिया है।

टिप्पणी 2 : अयोग्यता/उम्मीदवारी के रह जाने के बावजूद उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थिति का तथ्य एक प्रश्न गिना जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 निर्धारित ढंग में लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार या तो :

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की उच्च शा. या

(ग) भूटान की उच्च शा. या

(घ) ऐसा निम्नलिखित शरणाधीन हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो या

(ङ) ऐसा भारत मूलक व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्री लंका, कीनिया उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व, टंगानिका तथा जंजीबार) जांझिबा, मलावी, जेरे, इथियोपिया के पूर्वी-अफ्रीका देशों और वियतनाम से आया हो।

परन्तु उपरोक्त (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उनके सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जुलाई, 1987 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो, किन्तु 26 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जुलाई 1961 से पहले और 1 जुलाई, 1966 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) उपर निर्धारित, अधिकतम आयु में निम्नलिखित स्थितियों में छूट दी जा सकती है:—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो, और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन, कर आया हुआ हो, अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति का हो तो वह, 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971, के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान, (अब बंगला देश) से प्रजनन, कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष में।
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर 1964 के भारत श्री लंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्री लंका के मूल रूप से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष में।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो, और साथ ही, अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1984 को या उसके बाद श्रीलंका से प्रत्यावर्तित होकर आया है अथवा हुआ था आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (vi) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 को या उसके बाद बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष में
- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून 1963 को या उसके बाद बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर

भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

- (viii) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उनके परिणाम स्वरूप, निर्मुक्त हुए;
- (ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त, क्षेत्र में फौजी, कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उनके परिणामस्वरूप, निर्मुक्त हुए हों, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं।
- (x) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति, (जिसे पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल, का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम में जुलाई, 1975, से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (xi) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो, और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो, (जिसे पास भारतीय पारपत्र हो), और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो, वियतनाम से जुलाई 1975, के बाद भारत आया हो, तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।
- (xii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो, और उनमें कोनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार), संयुक्त, गणराज्य से प्रजनन किया हो, या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (xiii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कोनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवांशित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक
- (xiv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधि-कारियों (आपात कालीन, कमीशन प्राप्त अधि-कारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधि-कारियों सहित) ने 1 जुलाई, 1987 को कम

से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है (यद्यपि वे और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जुलाई, 1987 से छः महीने के अन्तर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता, या (iii) अक्षमता के कारण कार्य मुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।

(xv) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) में 1 जुलाई, 1987 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जुलाई, 1987 से छः महीनों के अन्तर पूरा होना है (ii) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अप्रगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्य मुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक।

(xvi) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जुलाई, 1987 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष।

(xv) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिन्होंने 1 जुलाई, 1987 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष।

(xviii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रवेश कर चुका था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(xix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की अवधि के दौरान भारत प्रवेश कर चुका था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xx) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(xxi) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो तो, अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे उपयुक्त नियमावली के नियम (5) (ख) (xiv) और 5 (ख) (xv) के अधीन सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं उपयुक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय से या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्था से प्राप्त वनस्पति विज्ञान रसायन विज्ञान भू-विज्ञान, गणित, भौतिकी और प्राणि विज्ञान में एक विषय के साथ स्नातक डिग्री अवश्य होनी चाहिए अथवा कृषि विज्ञान या इंजीनियरी की स्नातक डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी:—कोई भी ऐसी परीक्षा दे बी है, जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने का शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसे उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयु की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्त कि

उस उम्मीदवार ने अन्य सस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास कर ली हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसकी परीक्षा में प्रवेश देने के लिए आवेदन करने उचित समझे।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के दौरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे या जो लोक उद्यमों के अन्तर्गत सेवा कर रहे हैं उन्हें परीक्षण (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी पाया हो या दोषी घोषित कर दिया गया हो कि उसने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे व्यक्तिगत विवरण दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (8) उत्तर-पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में अभद्र आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य किसी प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(11) परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार को जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन या

(12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या कराने के लिए उकसाने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अनर्हक ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विनिर्दिष्ट अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निर्दिष्ट करें तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकें तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यताक्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। ये नियुक्तियां जितनी आरक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों जो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर चाहे परीक्षा के योग्यताक्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी बशर्ते कि यह उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हो।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में पास हो जाने पर नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार की आवश्यक जांच के बाद सतुष्टि न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्वव्रत की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

16. उम्मीदवार को आवेदन प्रपत्र के कालम 25 में यह स्पष्ट करना होगा कि भारतीय वन सेवा में नियुक्त किए जाने की स्थिति में किया वह अपने संबंधित राज्य में नियुक्त किया जाना पसंद करेगा/करेगी।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिनमें वह संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सकें। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा कराई जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिए चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

नोट: कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर पर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए इसके ब्योरे इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। रक्षा सेनाओं के भूतपूर्व विकलांग सैनिकों की सेवाओं की आवश्यकताओं के और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

पुरुष उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलने की और महिला उम्मीदवारों के लिए 4 घंटे में 14 किलोमीटर चलने की स्वास्थ्य की दृष्टि से समता की शर्त की ओर विशेषतः ध्यान आकर्षित किया जाता है।

18. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री

(क) जिसने किसी ऐसे स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जिसकी पत्नी/पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो।

उक्त सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय, सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो उन पर लागू व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा किया जा सकता हो और ऐसा करने के अन्य आसार हों तो उस उम्मीदवार को इस नियम में छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

20. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त ब्योरा परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

एम० बी० केशवन, उप सचिव

परिशिष्ट—1

खंड—1

परीक्षा की रूपरेखा

भारतीय वन सेवा के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित है:—

(क) लिखित परीक्षा:—

(1) दो अनिवार्य विषय अर्थात् सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान (नीचे खंड 2 का उपखंड (क) देखें।) पूर्णांक 300

(2) निम्नलिखित खंड-2 के उपखंड (क) में दिए गए वैकल्पिक विषयों में से चुने गए विषय। इस उपखंड की व्यवस्था के अधीन उम्मीदवार उनमें से कोई दो विषय लें। पूर्णांक 400

(ख) ऐसे उम्मीदवारों का, जो आयोग द्वारा साक्षात्कार के लिए (इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग ख के अनुसार) बुलाए जाएंगे का व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार।

पूर्णांक

150

खण्ड-2

परीक्षा के विषय :—

(अ) अनिवार्य विषय [ऊपर खण्ड-1 के उप खण्ड

(क) (i) के अनुसार :—

विषय	कोड सं०	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	21	150
(2) सामान्य ज्ञान	22	150

(ख) वैकल्पिक विषय [ऊपर खण्ड-1 के उपखण्ड (क) (ii) के अनुसार] :—

विषय	कोड संख्या	पूर्णांक
कृषि विज्ञान	01	200
वनस्पति विज्ञान	02	200
रसायन विज्ञान	03	200
सिविल इंजीनियरी	04	200
भू-विज्ञान	05	200
कृषि-इंजीनियरी	06	200
रसायन इंजीनियरी	07	200
गणित	09	200
यांत्रिकी इंजीनियरी	10	200
भौतिकी	11	200
प्राणि विज्ञान	13	200

परन्तु उपर्युक्त विषयों पर निम्नलिखित पाबन्दियां लागू होंगी :—

- (1) कोई भी उम्मीदवार कोड 01 तथा 06 वाले विषयों को एक साथ नहीं ले सकेगा,
- (2) कोई भी उम्मीदवार कोड 03 तथा 07 वाले विषयों को एक साथ नहीं ले सकेगा ।

नोट—ऊपर लिखे विषयों का स्तर और पाठ्यविवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है ।

खण्ड-3

सामान्य

1. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में ही होंगे ।

2. उपर्युक्त खण्ड-2 के उपखण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 3 घण्टे का समय दिया जाएगा ।

3. उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं होगी ।

4. प्रायोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालीफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

5. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट दिए जाएंगे ।

6. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।

7. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में, कमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग की ओर सही हो ।

8. प्रश्न-पत्र में आवश्यक होने पर केवल प्रश्नों में तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

9. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

10. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबन्ध) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बैटरी से चलने वाले पाकेट कलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है । परीक्षा भवन में किसी से कलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है ।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तु-परक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते । अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लाएं ।

अनुसूची

भाग-क

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों का स्तर ऐसा होना जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के विद्यालय या इंजीनियरी ग्रेजुएट में भाषा की आनी है ।

प्रश्न-पत्रों में प्रश्न-पत्रों का स्तर अथवा भारतीय विश्वविद्यालयों की स्नातक उपाधि (पास) के स्तर पर होगा ।

किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं ली जाएगी ।

सामान्य अंग्रेजी (कोड-21)

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी में निबन्ध लिखना होगा । अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे उसके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जांच हो सके ।

सामान्य ज्ञान (कोड-22)

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा प्रतिदिन के प्रेक्ष्य और अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी ऐसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो । इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए ।

नोट:— सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में केवल अस्तु-परक प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित व्यौरों के लिए कृपया आयोग के नोटिस के अनुबन्ध 2 में उम्मीदवारों के लिए सूचना विवरणिका देखें।

कृषि विज्ञान (कोड-01)

उम्मीदवारों को नीचे खण्ड (क) और (ख) या खंड (क) और (ग) में दिए हुए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(क) कृषि-अर्थशास्त्र

कृषि अर्थशास्त्र का अर्थ तथा क्षेत्र, अध्ययन का महत्व तथा अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध, भारतीय आर्थिक स्थिति में कृषि का महत्व, राष्ट्रीय आय में उसकी देन, अन्य देशों से तुलना, भारतीय कृषि उत्पादन, विपणन, श्रम, उधार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का अध्ययन।

फार्म प्रबन्ध के अध्ययन के तरीके, इसका अर्थ तथा क्षेत्र, अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध, फार्म प्रबन्ध की अवधारणाएं और मूल सिद्धांत। फार्म के निर्धारण के प्रकार और तरीके, भूमि, जल, श्रम और उपस्कर के लाभकारी प्रयोग का आयोजन, फार्म की क्षमता को मापने के तरीके, फार्म के हिसाब-किताब के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अभिलेख तथा लेख, वित्त लेखा-विधि उद्यम-लेखाविधि पूर्ण तथा लागत लेखा-विधि।

(ख) सस्य विज्ञान

फसल उत्पादन—खरीफ की फसलों—धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंगफली तिल, कपास, सनई, मूंग, उड़द का विस्तृत अध्ययन जो उनके प्रारम्भ, वितरण, बीज डालने योग्य भूमि तैयार करने सुधरी किस्म, बुवाई तथा बीजों के मिश्रण की मात्रा, कटाई, भंडारण, फसलों के भौतिक निवेश के संवर्धन में हों।

रबी की महत्वपूर्ण फसलों, गेहूँ जो, चना, सरसों, ईख, तम्बाकू, बरसीम का विस्तृत अध्ययन, जो उनके उद्गम इतिवृत्त बटन भूमि तथा जलवायु की आवश्यकताएं, बीज की क्यारियों की तैयारी, सुधरी प्रकार की किस्में बोना, और बीज की मिश्रण, कटाई, भंडारण में रखने, फसलों के भौतिक निवेश के संदर्भ में हों।

घास-पात और घास-पात नियन्त्रण—घास-पात का वर्गीकरण, भारत की प्रमुख घास-पात के प्राकृतिक घास तथा विशेषताएं घास-पात के कुप्रभाव तथा उसके द्वारा पहुंचाई जाने वाली हानियाँ घास-पात के बोरों की प्रमुख एजेंसियों और घास-पात पर संवर्धन, जैविक और रासायनिक नियन्त्रण।

सिंचाई और जल निकास के सिद्धान्त—सिंचाई जल की आवश्यकता और स्रोत, फसलों को जल की आवश्यकता की मात्रा, साधारण जल की लिफ्टें, जल, मान, सिंचाई के जल को व्यर्थ जाने से रोकना, सिंचाई के तरीके और ढंग, प्रत्येक ढंग के लाभ और सीमायें। सिंचाई के जल की माप, पृथ्वी की नमी, पृथ्वी की नमी के विभिन्न प्रकार और उनका महत्व, जल

निकास और इसकी आवश्यकता जल की अधिकता के कारण क्षति पहुंचना, जल निकास के ढंग।

मृदा-विज्ञान और मृदा-संरक्षण

मृदा (सोयल) की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, मृदा, प्रोफाइल मृदा खनिज कोलाइड्स, घनायन विनियम क्षमता आधार संतुष्टि प्रतिशत आयन विनियम, पौधे की बढ़ोतरी के लिए आवश्यक पोषक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पौधे के पोषण में उनका कार्य, मृदा जैव पदार्थ, इसका गलना और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव। एसिड और क्षारिय, मिट्टी, उनकी बनावट और भूमि उद्धार। भूमि गुणों पर प्राकृतिक खादों, हरी खादों और उर्वरकों का प्रभाव। साधारण नाइट्रोजन, फास्फाटिक, और पोटेशियम उर्वरकों के गुण।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रचना, भूमि रन्धान्तर, भूमि संरचना, भूमि जल, भूमि जल के प्रकार, इसके रुकने की क्रिया, भूमि जल का सुलभ होना तथा भूमि जल की माप। भूमि का तापमान, भूमि, वायु तथा इसका महत्व, भूमि संरचना इसके प्रकार तथा भूमि के भौतिक रसायनिक गुणों पर उनका प्रभाव।

भूमि आकारिकी और भूमि का सर्वेक्षण—भूमि का टूटना, मृदा बनाने वाली चट्टानें और खनिज, मृदा बनाने में उनका घटन और महत्व। चट्टानों तथा खनिजों का अपक्षेय; मृदा बनाने के कारण और प्रक्रम, संसार के बड़े मृदा समूह तथा उनका कृषि संबंधी महत्व। भारतीय मृदायों का अध्ययन। मृदा का सर्वेक्षण तथा वर्गीकरण।

भूमि संरक्षण के सिद्धान्त—मृदा के अपरदन, अपरदन के कारण, भूमि संरक्षण, शास्य तथा इंजीनियरी तरीकों से संबंधित मृदा के गुण, कृषि भूमियों के लिए भूमि से जल निकास की आवश्यकता तथा प्रचलित तरीके, भूमि प्रयोग का वर्गीकरण, भूमि संरक्षण, योजना तथा कार्यक्रम।

वनस्पति विज्ञान (कोड—02)

1. पादप जगत का सर्वेक्षण—पशुओं तथा पादपों में अन्तर; जीवित प्राणियों के गुण; एक सैल तथा अधिक सैल वाले प्राणी; वाइरस पादप जगत के विभाजन का आधार।

2. आकारिकी—(1) एक सैल वाले पादप-सैल, इसकी बनावट तथा अंग, सैलों का विभाजन तथा गुणन।

(2) अधिक सैल वाले पादप—संवहनी और संवहनी रहित पादपों के तनों में विभिन्नता, संवहनी पादपों की बाहरी तथा भीतरी आकारिकी।

3. जीवन वृत्त, नीचे दिए गए पादपों में कम से कम एक प्रकार के पादप का अध्ययन—जीवाणु, साइनाफाईसी, क्लोरो-फाईसी, फियोफाईसी, रोडोफाईसी, फाइकोम्फीइड्स, एस-कोमीसाइड्स, बेसीडोइया, मोसाइड्स, लिक्वोर्टेस, काइया, टेरियोडोफाइट्स, जिमिनोस्पर्मस और एंजीयोस्पर्मस।

4. वर्गी—वर्गीकरण के सिद्धान्त—एजीयोस्पर्स के वर्गीकरण के प्रमुख ढंग : निम्नलिखित प्रजातियों के भिन्न-भिन्न लक्षण तथा आर्थिक महत्व—मेमीनिया, साइटोमिनाए, पामेसिआए, लिलीएसाई, आरकोडसीआइ, मोरासीआए, लोरान्यासियाए, मगनोलियासीआए, लोराइसी, क्यूसीफरिए, रोसासीएइ, लेगूमासाई, रुटासीज, मालवा सीएई यूफारेबियासेई, एनाक डिआई, मालवा सीएई, अपोसीनेसेई, एसलेडीसेई, डिप्टेरोकार्पेसेई, मिरटेसेई, ब्रम्बलीफरेलाबिएटई, सोलेनाइसी, रुबियासिआई, कुकरवाईटोसाई बरबानासेई और कम्पोजिटोई ।

5. पादप-शरीर-क्रिया-विज्ञान :—स्वपोषण, परपोषण, जल तथा पोषकों को भीतर लेना, वाष्पोत्सर्जन, फोटोसिन्थेसिस, खनिजपोषण, श्वसन, वृद्धि पुनर्जन्म, पादप/पशु संबंध, सिम्बलसिस, परजीविता, एंजाइम, आक्सीमस हार्मोन्स, फोटोपेरियोडिज्म ।

6. पादप रोग विज्ञान :—पादप रोगों के कारण तथा उपचार, रोगी भ्रम, वाईरस हीनताजन्य रोग, रोग से बचाव ।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान :—भारतीय पेड़-पौधों तथा भारतीय वनस्पति क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में परिस्थिति तथा पादप भूगोल से सम्बद्ध बुनियादी सिद्धान्त ।

8. सामान्य जीव विज्ञान :—कोशिकाविज्ञान, आनु-वंशिकी, पादप प्रजनन, मण्डेलिज्म, संकर भोज, उत्परिवर्तन विकास ।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान :—मानव कल्याण की दृष्टि से पादपों विशेषकर पुष्प पादपों के आर्थिक प्रयोग जो विशेषतया इन वनस्पति उत्पादों के संदर्भ में हों, खाद्यान्न, दाल, फल, धीनी, तथा स्टार्च, तिलहन मसाले, पेय, तन्तु, लकड़ी, रबड़ की दवाईयां, और आवश्यक तेल ।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास :—वनस्पति विज्ञान से सम्बन्धित ज्ञान के विकास की जानकारी ।

रसायन विज्ञान (कोड 03)

1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास, आफ-बाऊ सिद्धान्त, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण । परमाणु क्रमांक । संक्रमण तत्व और उनके लक्षण में परमाणु और आयनिक त्रिआणु, आयनन विभव । इलेक्ट्रॉन, बंधुता और विद्युत ऋणत्वमत्ता ।

प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनामिकता । नाभिकीय विखण्डन और संलयन ।

संयोजकता का इलेक्ट्रॉनिक सिद्धान्त, सिग्मा और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसंयोजी आबन्ध की संकरण और दिशिक प्रकृति ।

धारतेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त, उपयनिष्ट, धातु कर्मिय तथा विशलप्य प्रचालनों में निहित सम्मिश्रणों का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास ।

आक्सीकरण स्थितियां और आक्सीकरण संख्या । सामान्य उपचायक तथा अपचायक आक्सीकृतक । आयनिक समीकरण । ल्यूइस और ब्रस्टेड के अम्ल और क्षारसिद्धान्त ।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आमिश्र जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अभिक्रिया की गयी हो । निष्कर्षण के सिद्धान्त महत्वपूर्ण तत्वों का वियोजन (और धातुकी) ।

हाइड्रोजन परआक्साइड की संरचना डाईबोरेन, ऐलु-मिनियम लोराइड तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण आक्सीरेसिड ।

अक्रिय गैस : वियोजन तथा रसायन ।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धान्त

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम, हाइड्रोक्साइड, अमोनिया, नाइट्रिक अम्ल, गन्धकीय अम्ल, सीमेंट, ग्लास और कृत्रिम उर्वरकों के निर्माण की रूपरेखा ।

2. कार्बनिक रसायन विज्ञान

सहसंयोजी आबन्धन की आधुनिक संकल्पनाएं, इलेक्ट्रॉन, विस्थापन, प्रेरणिक मैसोमरी और अति संयुग्मन प्रभाव । अनुनाद और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग । वियोजन स्थिरांक (डिसी-सिएशन कास्टेंट) पर संरचना का प्रभाव ।

एल्केन, एल्कीन और एल्काइन । कार्बनिक मिश्रण के स्रोत के रूप में पेट्रोलियम । एलिफटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न । एल्कोहल, एल्डीहाइडस, कीटोन, अम्ल, हैलाइड एस्टर्स, ईथर, अम्ल, एनाइड्स क्लोराईड और अमिड । एकक्षारकीय हाइड्रोक्सी कीटनी और एमीनी अम्ल । कार्ब-धारित्वक मिश्रण और एसीटीएसीटिक एस्टर । टाडरिक सिट्रिक, मेलिक और फूर्मेरिक अम्ल । कार्बोहाइड्रेट वर्गीकरण और सामान्य अभिक्रिया ग्लूकोस, फल सर्करा और इधु सर्करा ।

त्रिविम रसायन : प्रकाशकीय और ज्यामितीय समावयता । संरूपण की संकल्पना ।

एल्केल, एल्कीन और एल्काइन । कार्बनिक मिश्रण के स्रोत हैलाइड नाइट्रो और एमीनी मिश्रण । बैन्जोइक सैलिसिक सिनेमिक मैडेलिक और सल्फोनिक अम्ल । एरोमेटिक एलिडहाइड और कीटोन । डाइऐथो, एजो और हाइड्रोजो मिश्रण । एरोमेटिक प्रतिस्थान । नेपथलीन पिरिडीन और क्यूनोलिन ।

3. भौतिक रसायन

गैसों और नियमों का गतिक सिद्धान्त । मैक्सवेल का वेग वितरण नियम । वन देखाल का समीकरण । संगत अवस्थाओं का नियम । गैसों का द्रावण । गैसों को विशेष ऊष्मा । सी० पी०/सी० बी० का अनुपात ।

ऊष्मागतिकी

ऊष्मागतिकी का पहला नियम । समतापी और द्रवधीष्म प्रसार । पूर्ण ऊष्मा । ऊष्मा धारिता । ऊष्मा रसायन—अभिक्रिया ऊष्मा विरचन, विलयन और दहन । आबध ऊर्जा की गणना । किरसोफ समीकरण ।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानदण्ड। ऊष्मा गतिकी का दूसरी नियम। एण्ट्रापी मुक्त ऊर्जा। रसायनिक संतुलन का मानदण्ड।

घोल पारासरण दाब वाष्प नाब को कम करना। वाष्पहिमांक अवनयन क्वथनांक बढ़ाना। घोल में अणुभार निश्चित करना। विलयों का संगणन और वियोजन।

रासायनिक संतुलन। द्रव्यमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विषमांगी संतुलन। ला-शात लिये नियम। रसायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव।

विद्युतरसायन : फैराड विद्युत अघटन नियम विद्युत अघटन की चालकता में लुप्त्युत्पादकी चालकता और तनता में उसका परिवर्तन; अल्प विलेय लवणों की विलेयता; विद्युत अघटनी वियोजन। मोस्टबाल्ड तनता नियम, प्रबल विद्युत अघटकों की असंगति, विलेयता गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अघटन; हाइड्रोजन आयन की सांद्रता, उभय प्रतिरोधन क्रिया (बफर क्रिया) सूचक सिद्धांत।

उत्क्रमणीय सेल। मानक हाइड्रोजन और कलोमेन इलक्ट्रोड और रेडॉक्स विभव। सान्द्रता सेल। पी० एच० का निर्धारण। अभिगमनांक पानी का आयनी गुणनफल। विभव मूलक अनुमान।

रासायनिक बलगतिविज्ञान। अणुसंख्या और अभिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया। तापमान अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया। तापमानत अभिक्रिया। कोटि का निर्धारण अभिक्रिया। तापमानत अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण संघट्ट सिद्धांत। सक्रिय संकुल सिद्धांत।

प्रावस्था नियम : इसकी सम्भावितियों की व्याख्या। एक और दो घटक तन्त्र का अनुप्रयोग; चित्रण विषय।

कोलाइड : कोलाइड विलयन का सम्पूर्ण स्वरूप और उनका वर्गीकरण, कोलाइड के विरचन और गुणों की सामान्य रीति। स्कन्दन। रक्षक क्रिया और स्वर्णक। अधिशोषण।

उत्प्रेरण : समांग और विषमांग उत्प्रेरण, विषाक्तन वर्धक। प्रकाश रसायन प्रकाश रसायन के नियम। सरल संख्यात्मक।

सिविल इंजीनियरी : (कोड 04)

1. भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण तथा सामर्थ्य

भवन निर्माण कार्य सामग्री—हमारी लकड़ी, पत्थर, ईंट, चूना, टाइल, सेण्ड, सुरखी मोटार तथा कंक्रीट, धातु तथा कांच इंजीनियरी प्रैक्टिस में प्रयुक्त होने वाली धातुओं और अयस्कों के गुण।

स्ट्रेस तथा क का सिद्धांत-बैडिंग। टारगन तथा ग्राइरेक्ट स्ट्रेस शहतीरों के मुड़ने का इलास्टिक सिद्धांत, केन्द्रीय रूप से बोझा पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव। बैडिंग मूर्त और शियर कोर्स के डायग्राम तथा स्थिर और चलायमान दबाव के घड़ीय शहतीरों का विषय।

2. भवन निर्माण, जल प्रदाय और सफाई से संबंधित इंजीनियरी

निर्माण—ईंट तथा पत्थर की चिनाई—दिवार, फर्श, तथा छत, जीने, लकड़ी के दरवाजों पर नक्काशी, छतें, दरवाजे खिड़कियां तैयार करना। प्लास्टर, प्लाईविंग, पेन्ट तथा वारनिश आदि संबंधित अन्तिम कार्य।

मृदा यांत्रिकी (सोइल मेकेनिक्स) मृदा और उससे संबंधित, खोज, भारवाहन क्षमता और भवनों तथा निर्माण की बुनियादी डिजाइन बनाने के सिद्धांत।

भवन निर्माण सम्बन्धी अनुमान तैयार करना—ताप की सिद्धांत ईकाइयां, भवनों के लिए उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण मदों के विवरण तैयार करना।

जल प्रदाय—पानी के स्रोत विशुद्धता के मानक शुद्ध करने की प्रणालियां, जल प्रदाय के ढंग, पम्प तथा बुस्टर आदि की रूप रेखा तैयार करना।

सफाई—गंदी नालियां, तूफान से बड़े हुए पानी के लिए और मकानों के लिए अपेक्षित नालियों की आवश्यकताएं जांचना, सैप्टिक टैंक ऊज्जोफ टैंक, कचरे को रखने के लिए खाइयां तैयार करना—एक्टीवेटेड स्लाज पद्धति।

3. सड़क तथा पुल

सर्वेक्षण तथा संरक्षण (अलाइनमेंट)—राजमार्ग के लिए अपेक्षित सामग्री तथा उनके विनियोग, डिजाइन के सिद्धान्त, नींव तथा पटरियों की चौड़ाई, कम्बर, ग्रीड मोड़ और सुपर एलिवेशन, रिटेंगिंग वाल्स।

निर्माण—कच्ची सड़कें, स्थिर तथा पानी के बने हुए मेकडम सड़कें, बिटुमिन्स, लचीलासी तथा कंक्रीट सड़कें, सड़कों पर गालियर, पुल—उनके प्रकार, इकोनॉमिक स्पेन, पार्श्वधारण सीटिंग डिवाइसिंग, छोटे पुलों के ऊपरी भागों के डिजाइन बनाने, पुलों के पावर तथा नुथं की दीव के डिजाइन तैयार करने के सिद्धांत तैयार करना।

सड़कों और चहल के लिए मिट्टी के काम का प्राक्कलन।

4. संरचना इंजीनियरी

इस्थात के ढांचे—अनुमत ढांचे, साधारण शहतीरें तथा तैयार किए गए स्तंभ और साधारण छत के दूरी और गाइरों के डिजाइन तैयार करना, स्तंभों के आधार तथा चारों ओर से बीच से दबाव पड़ने वाले स्तंभों के लिए ढांचे बनाना—चिटकनी लगे, रिपट लगे हुए और वेल्ड किए हुए जोड़।

भार० सी० सी० स्ट्रक्चर (ढांचे)—युक्त सामान का विवरण—अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग आबंटन करना। डिजाइन डोइस के लिए भारतीय मानक संस्थान के मानक/भार० सी० सी० के पदार्थों में अनुमत स्ट्रेस जोड़, सीधी बडिंग स्ट्रेस के अनुसार हो। साधारण रूप से सड़ारे के साथ लटकते हुए कैंटीलीवर लट्ट, चोकोर तथा टी० शकल के लट्टे जो फर्शों, छतों और लिटल में प्रयुक्त होते हों—चारों ओर से दबाव सहायने वाले स्तंभ तथा उनके आधार।

भू-विज्ञान : (कोड 05)**1. सामान्य भू-विज्ञान**

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल और आंतरिक भाग, विभिन्न भू-वैज्ञानिक एजेंसियाँ और स्थलाकृति, अपक्षय और अपरदन (रोजन) पर उनका प्रभाव, मृदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मृदा समूह, भारत के भू-प्राकृति उप-भाग, वनस्थिति और स्थलाकृति ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्वत पटल विरूपण।

2. संरचनात्मक भू-विज्ञान

आग्नेय, अवसादी और कायान्तरित, चट्टानें, नति, नति लम्ब और ढलान बलन, भ्रंश और विषम विन्यास और ब्रह्मांशों पर उनका प्रभाव, भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और मान-चित्रण की विधियों के संबंध में प्रारम्भिक जानकारी।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान

क्रिस्टल समिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी, क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल की प्रकृति और भ्रमलन (ट्रिवनिंग)। मूलभूत खनिजों, महत्वपूर्ण शाल रचना, रासायनिक संघटन, भौतिक गुण, प्रकाशिक गुण धर्म परिवर्तन और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी अध्ययन।

4. आर्थिक भू-विज्ञान

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन। अयस्क निक्षेपों का उद्भव और वर्गीकरण।

5. शैल विज्ञान

आग्नेय, अवसादी और कायान्तरित चट्टानों तथा उनके उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक ज्ञान। चट्टानों के सामान्य प्रकारों की अध्ययन।

6. स्तर क्रम-विज्ञान

स्तर क्रम-विज्ञान के नियम, भू-विज्ञान अभिलेखों का प्रश्न, वैज्ञानिक और कालानुक्रम उप-विभाजन। भारतीय स्तर क्रम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं।

7. जीवाश्म विज्ञान

जीवाश्म विज्ञान सम्बन्धी आधार सामग्री का विकास से संबंध। जीवाश्म (फॉसिल) उनका स्वरूप और उनके परीक्षण की विधि। प्राणि जीवाश्मों और पाषाण जीवाश्मों की निरूपण आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी।

कृषि इंजीनियरी (कोड—06)

1. मृदा तथा जल संरक्षण : मृदा संरक्षण की व्याख्या तथा उसका क्षेत्र, भू-रक्षण के प्रकार तथा जल विज्ञान, उनके कारण, जल विज्ञान सम्बन्धी चक्र, वर्षा तथा जलवाह ऊपर प्रभाव डालने वाले तत्व तथा उनके प्रकार, कट्टीम गाजिंग, वर्षा के जलवाह का मूल्यांकन, भू-रक्षण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजीनियरी।

मूलभूत खुले हुए जलमार्गों को बनाना। मृदा संरक्षण सम्बन्धी ढाँचों, ट्रेस बांध, नालियों तथा घास उगाते हुए पानी के निकास के भागों का डिजाइन बनाना, बाढ़ नियंत्रण के सिद्धांत। बाढ़ के पानी की निकासी के लिए मार्ग बनाना, फार्म के लिए तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना, नदी के किनारों पर भू-रक्षण तथा उसका नियंत्रण, वायु जनित भू-रक्षण तथा उस पर नियंत्रण। जल संचरण की देखभाल के सिद्धांत।

नदी घाटी परियोजनाओं से सम्बन्धित जांच तथा योजनाओं को तैयार करना।

2. सिंचाई तथा ड्रेनेज

मृदा, जल पौधों के पारस्परिक संबंध, सिंचाई के स्रोत तथा प्रकार। लघु सिंचाई परियोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करना, मिट्टी की नमी का पता लगाने की तकनीक।

जल के उपयोग। फसलों के लिए जल की आवश्यकता। सिंचाई का परिमाण तथा उसका व्यय। रंधों, नालों तथा नालियों द्वारा जल प्रभाव नापने की प्रणाली। सिंचाई प्रणालियों की रूपरेखाएं बनाना। नहरी क्षेत्रों की नालियों, पाइप लाइनों, हैण्ड ग्रेट्स, डाइवर्जेंट बाक्स स्ट्रक्चर तथा रोड क्रॉसिंग के डिजाइन बनाना तथा उनका निष्पत्ति करना। भू-जल प्राप्ति। कुओं की द्रव इंजीनियरी, कुओं के प्रकार, उनके निर्माण तथा उनकी खुदाई की प्रणाली, कुओं के विकास। कुओं को टेस्ट करना।

ड्रेनेज—परिभाषा—जलाशयों के कारण। ड्रेनेज के ढंग। सिंचाई की जाने वाली भूमि में नालियों को बनाना। जल तथा भूमि से नीचे नालियां बनाने के डिजाइन तैयार करना।

3. निर्माण सामग्री—निर्माण सामग्री के प्रकार—उनके गुण धर्म : टिम्बर, शिक, बक्स तथा ग्रा. सी. कंस्ट्रक्शन, शहरीयों, छतों के जोड़ तथा स्तम्भों के डिजाइन तैयार करना। फार्म स्टेण्ड की योजना बनाना, फार्म हाउसेज, पशुशाला तथा भंडार के लिए ढाँचों का डिजाइन बनाना। ग्रामीण जल प्रदाय तथा सफाई की व्यवस्था।

4. फार्म विद्युत तथा मशीनरी

भिन्न-भिन्न प्रकार के आंतरिक दहन इंजिन लगाना। आंतरिक दहन इंजिनों का वातानुकूलन तथा नियंत्रण तथा उनमें तेल डालना और उनके लिए वहन की सामग्री उपलब्ध करना। ट्रैक्टरों के चेसिस, ट्रांसमिशन और स्टीयरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकार। प्रारम्भिक तथा माध्यमिक जुताई के लिए कृषि की मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गुड़ाई के औजार आदि। पौधों के संरक्षण का सामान। फसलों की कटाई, अनाज गाहने के औजार, भूमि विकास के लिए, मशीनरी, पम्प मशीनरी।

5. बिजली तथा ग्रामों में बिजली उपलब्ध करना

बिजली तैयार करना तथा उसका वितरण, ए. सी. तथा डी. सी. सर्किट।

फार्मों में बिजली ऊर्जा के उपयोग। कृषि में प्रयोग होने वाले बिजली के मोटर, उनके प्रकार सम्बन्धी जगान, उन्हें लगाना तथा उनकी देख-रेख।

रासायन इंजीनियरी : (कोड-07)

1. परिवहन की घटनाएं (स्थिर स्थिति के अधीन) :

(क) मोमेंटम ट्रांसफर।

- (1) बहाव के विभिन्न ढंग तथा उनके मापवण्ड।
- (2) बैलोसिटी प्रोफाइल।
- (3) फिल्ट्रेशन, सेडीमेंटेशन, सेंटीफ्यूज।
- (4) तरल पदार्थों में ठोस पदार्थों का बहाव।

(ख) ऊष्मा स्थानांतरण : ऊष्मा स्थानान्तरण के विभिन्न डाइमेंशन ढंग, चपेट, बेलनाकार, बर्गाकार, एक-मात्र तथा मिश्रित शीशों की तहों के लिए गति मापना।

कन्वेक्शन—फोर्स और फ्री कन्वेक्शन में प्रयुक्त विभिन्न डाइमेंशन रहित ग्रुप।

अलग तथा पूर्ण रूप से स्थानान्तरण का रूप निर्धारित करना।

वाष्पीकरण—विकीकरण—स्टेफन, बोल्जमैन का नियम—एमिसिविटी तथा एक्जेपिटिविटी ज्यूमेट्रिकल शेप फैक्टर भट्टियों में ऊष्मा के बहाव का हिसाब लगाना।

(ग) सहित स्थानान्तरणीय गैसों तथा तरल पदार्थों का विसरण। एबजोर्प्शन, (डिपोर्शन), ह्युमिडीफिकेशन, डोह्यामिडीफिकेशन डाइंग तथा डिस्टिलेशन। मोमेंटम हीट तथा भाप और ट्रांसफर के भेद।

2. ऊष्मा गतिकी :

(क) ऊष्मा गतिकी के प्रथम और तृतीय नियम।

(ख) एन्टरनल एनर्जी, एन्ट्रॉपी एन्थालपी और स्वतन्त्र ऊर्जा निर्धारण। सजातीय तथा विजातीय सिद्धांतों के लिए फैमिकल इन्वलिब्रियम कांस्टेंट निर्धारित करना। दहन डिस्टिलेशन तथा ऊष्मा स्थानान्तरण में ऊष्मा गतिकी का उपयोग तरल पदार्थों—ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के सिद्धांत तथा मैकेनिज्म।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरी

(1) बलगतिकी संजातीय और विजातीय प्रतिक्रियाएं, प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रक्रियाएं, बच तथा फिलो-रिएक्टर तथा उनके डिजाइन।

(2) केटलेसिस—केटलेसिस का चुनाव तैयारी। मैकेनिज्म पर आधारित केटलेसिस का मिनेनिक रूप।

4. ट्रांसपोर्टेशन

सामग्री विशेषतः पाउडरों, रेजिन, उड़ जाने वाले तथा न उड़ने वाले पदार्थ, एमल्शन और डिसपेंशन, पम्पों, कम्प्रेशरों तथा बलोअस एकत्रित करना तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना। मिक्सर-ड्रव-ड्रव; घनद्रव, घन-

घन के लिए विभिन्न मिक्सरों को मिलाने की प्रक्रिया तथा सिद्धांत।

5. सामग्री

वे मामले जिनसे रासायनिक उद्योग में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है। धातु और एलाय, चीनी मिट्टी, प्लास्टिक तथा रबर, इमारती लकड़ी तथा उससे बनी चीजों, प्लाईवुड लमिनेट।

वाट और बैरल फिल्टर प्रेसेज आदि के निर्माण के लिए उपस्कर तैयार करना।

6. यंत्रीकरण तथा प्रक्रिया नियंत्रण

यांत्रिक हाइड्रोलिक न्यूमेटिक, थरडल, ऑप्टिकल, गैनेटिक, इलेक्ट्रिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक औजार नियंत्रण तथा नियंत्रण के ढंग, ऑटोमेशन।

गणित (कोड-09)

भाग—'क'

बीज गणित : समुच्चय (सेट्स)—बीज गणित, सम्बन्ध तथा फलन (फंक्शन) फलन का प्रति-लोम, मिश्रित फलन, तुल्यता सम्बन्ध। संख्या : पूर्ण संख्या, परिमेय संख्या, वास्तविक संख्या, (गुणधर्मों के विवरण) सम्मिश्र संख्या, सम्मिश्रण का संख्याओं का बीज-गणित।

समूह : उप समूह, प्रसामान्य उप समूह, चक्रीय तथा क्रमचय समूह, सागरेंज की प्रमेय, आइसोमोर्फिज्म। परिमेय, इन्डेक्स की डी-मोइवरस प्रमेय तथा इसके साधारण प्रयोग।

समीकरण के सिद्धांत—बहुपदीय समीकरण, समीकरण का रूपान्तरण, बहुपदीय समीकरणों के मूलों तथा गुणकों के बीच संबंध, सिद्धांत तथा चतुर्थांश समीकरणों के मूल। समिति फलन, मूलों का स्थान निर्धारण तथा मूल निकालने का न्यूटन का सिद्धांत।

आव्यूह, (मेट्रीसेज), आव्यूहों—सारणिकों का बीजगणित, सारणिकों का साधारण गुण धर्म, सारणिकों का गुणनफल, सह खण्डज आव्यूह, आव्यूहों का प्रतिलोमन, आव्यूहों की जाति, रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिए आव्यूहों का प्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में)।

असमताएं : गणित तथा ज्यामितीय माध्य, कोशी, स्वार्ज, असमत (केवल परिमित संख्याओं के लिए)।

द्विविम और त्रिविम की विश्लेषक ज्यामिति

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति—सीधी रेखाएं, युगल सरल रेखाएं, वृत्त, निकाय, दीर्घवृत्त, परवलय अप्रतिपरवलय (मन्याक्ष के नाम से निर्दिष्ट)। द्वितीय अंश के समीकरण का मानक रूप तक लघुकरण। त्रिज्याएं तथा अविलम्ब।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति

समतल सीधी रेखाएं तथा गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)। कलन और विभिन्न समीकरण।

कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण

अवकल गणित—सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतन्य और अवकलनीयता, मानक फलन का अवकलन उत्तरोत्तर अवकलन। रोल का प्रमेय। मध्यमान-प्रमेय, मकलारिन और टलर सीरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग, परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपद-प्रसारण, चरघातांकी प्रसरण, लघुगुणतीय त्रिकोणमितीय और अति परवल्यिक फलन। अनिर्धारित रूप, एकल टर फल का उच्चिष्ठ और अल्पिष्ठ, स्पर्श रेखा, अभिलम्ब, अधःस्पर्शी, अधोलम्ब, अनन्तस्पर्शी वक्रता (केवल कार्तीय, निर्देशांक) जैसे ज्यामितिय अनुप्रयोग। एन डेलप आंशिक अवकलन। सामांगी फलनों से सम्बन्धित आयलर प्रमेय।

समाकलन—गणित इंटीग्रल (कैलकुलस)

समाकलन की मानक प्रणाली, सतत फलन के निश्चित समाकलन की रोमान परिभाषा। समाकलन गणित के मूल सिद्धांत परिशोधन, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण घनाकृति का पृष्ठीय का क्षेत्रफल। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्सन का नियम।

अनुक्रम और सीरीज का अभिसरण, वन संख्याओं के साथ सीरीज अभिसरण का परीक्षण। अनुपात, मूल और गस परीक्षण। एकांतर श्रेणी।

अवकलन समीकरण—प्रथम कोटि के मानक अवकलन समीकरण का हल निकालना। नियत गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि का रेखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग। सरल आवर्त गति, सरल, लोलक तथा उसके समदिशा।

भाग 'ख'यांत्रिकी (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विज्ञान—बल का निरूपण, बल समानान्तर चतुर्भुज, बल संयोजन और बल वियोजन और समतलीय तथा समांगी बलवे की साम्यावस्था की स्थिति बल त्रिभुज। जातीय और विजातीय समान्तर-बल। आधूर्न। बल युग्म समतलीय, बलों का साम्यावस्था की सामान्य स्थिति। साधारण तत्त्वों के गुह्य केन्द्र। स्थैतिक घर्षण। साम्य घर्षण और सीमांत घर्षण। घर्षण कोण। रुक्ष आनत सम-तल पर के कण की साम्यावस्था। सरल निभेय। साधारण मशीन (उत्तोलक घिरनी की निर्देश पद्धति गियर) कल्पिक कार्य (दो आयामों में)।

गति विज्ञान शुद्ध गति विज्ञान—कण का त्वरण, वेग चाल और वस्थापन, आपेक्षिक वेग। निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा गति न्यूटन के गति संबंधी सिद्धांत। संकेन्द्र कक्षा सरल प्रसवदा गति (निर्बात में) गुह्यवस्था में गति। आवेक कार्य और ऊर्जा। रेखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। एक समान बल गति।

खगोल विज्ञान

गोलीय त्रिकोण मिति—ज्या एवं कोटिज्या फार्मूला। समकोण गोलीय त्रिकोणों के गुण।

गोलीय त्रिकोण मिति—ज्या एवं कोटिज्या फार्मूला। और उसका रूपान्तरण दैनिक गति नक्षत्र समय, सौर समय, स्थानीय और मानक समय, समय समीकार। सूर्य और नक्षत्रों का उदय और अस्त, क्षितिज गति। खगोल अपवर्तन। सांध्य प्रकाश, लक्स अपरेण, पुरस्मरण और विदोलन। केपलर के नियम। ग्रह कक्षा और स्तब्ध बिन्दु। चन्द्रमा की दृष्टि गति, चन्द्रमा की अवस्थाएं। खगोलीय यंत्रसासटेन प्रेषण यंत्र।

सांख्यिकी

प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन सिद्धांत, सप्रतिबंध प्रायिकता यादृच्छिक चर (विविक्त और अविरत), यन्त्र फलन, गणितीय प्रताशा।

मानक वितरण—द्विपद-परिभाषा माध्य और प्रसरण वैषम्य सीमान्त रूप, सरल अनुप्रयोग। ज्वासो—परिभाषा माध्यम और प्रसरण योज्यता उपलब्ध आंकड़ों में ज्वासो बंटन का समंजन सामान्य—सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग उपलब्ध आंकड़ों के सामान्य और प्रसामान्य बंटन का समंजन।

द्विचर वितरण—सह संबंध, दो चरों का रेखिक समी-श्रमण, सीधी रेखा का समंजन, परवल्यिक और चल घातांकी, वक्र सह संबंधित गुणांक के गुणक।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण :

यादृच्छिक प्रतिदर्श, सांख्यिकी, प्रतिदर्श वितरण और मानक सुटि। अर्थव्यवस्था के परीक्षण में प्रसामान्य, टी०, काई वर्ग (χ^2) और एफ० वितरणों का सरल अनुप्रयोग।

नोट :—

उम्मीदवारों को पाठ्य विवरण के भाग "क" में से तीन विषयों में से नामतः (1) बीज गणित (2) द्विविम और त्रिविम विश्लेषिक ज्यामिति तथा (3) कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण प्रत्येक पर, एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। पाठ्य विवरण के भाग "ख" में से तीन विषयों में से नामतः (1) यांत्रिकी, (2) खगोल विज्ञान और (3) सांख्यिकी, किसी एक पर कम से कम प्रश्न का उत्तर देना, अनिवार्य होगा।

मेकेनिकल इंजीनियरी : (कोड-10)1. पदार्थों की शक्ति :

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन—हुक का नियम तथा इलास्टिक कांस्टेंटस के बीच के संबंध—टेंशन व कम्प्रेशन वार्ज तथा तापमान में परिवर्तन के कारण हुए स्ट्रेस।

साधारण लघान के लिए सामान्य सहारों के साथ लटकते हुए और कन्टीलीबर बीम्स के बंकन आपूर्ण, अपरूपक बल और विक्षेपण।

राउन्ड बाज में टार्शन—

शैब्ट्स द्वारा बिजली पारेषण—स्प्रिन्स ।

सम्मिलित बंकन और सीधे प्रतिबल तथा सम्मिलित व टार्शन के सामान्य मामले ।

फ्लयोर की इलास्टिक थ्योरी—स्फस कन्सेन्ट्रेशन तथा फेडींग ।

मशीनों और मशीन डिजाइनों का सिद्धांत :

मशीनों में पुर्जों की सापेक्ष वेलोमिटी तथा गणना करके दिखाना ।

इंजनों के क्रक एफर्ट डायग्राम—फ्लाई व्हील्स की गति विविधता । गवर्नर्स । वेस्ट ब्राइव द्वारा पारेषित बिजली जनरल तथा हास्ट वियरिंग बाल तथा रोलर वियरिंग की फ्रिक्शन तथा लुब्रिकेशन । फासनिंग और लाकिंग डिवाइस के डिजाईन बनाना—रिबट लगाए हुए बोल्ट और वेल्ड किए हुए जोड़ों और फासनिंग के लिए मात्राएं ।

3. प्रयुक्त ऊष्मा गतिकी :

ईंधन दहन—वायु पूर्ति—ईंधन तथा निष्कास गैस का विश्लेषण ।

क्वायलर्स, सुपर हीटर्स तथा इकोनोमाइजर्स—क्वायलर माउल्टिंग वाष्प के भौतिक गुण धर्म ।

वाष्प सारणियां और उनके उपयोग ।

ऊष्मा गतिकी के नियम—गैस नियम—गैसों का विस्तार तथा संपीड़न वायु सम्पीडक ।

आदर्श और वास्तविक ईंधन क्रम ।

तापमान का उपयोग—एन्ट्रापी, ताप—एन्ट्रापी तथा प्रेस्चर वाल्यूम चार्ट और डायग्राम ।

साधारण वाष्प इंजन और अतिरिक्त दहन वाले इंजन ।

सूचक और सूचक डायग्राम—यांत्रिक । तापीय, वायु मानक और वास्तविक दक्षताएं—सामान्य निर्माण—इंजन ड्रायल और ताप संतुलन ।

4. प्रोडक्शन इंजीनियरी :

ग्राम मशीन औजार—स्लेथ, शोपर्स, प्लेन से ड्रिलिंग मशीनों के प्रचलन सिद्धांत—मिलिंग मशीन, ग्राइंडिंग मशीनें—जिग तथा फिक्सचर । धातु काटने वाले औजार—औजार सामग्री—औजार ज्यामिति ।

कटिंग फोर्सज—अपघर्षी व्हील्स ।

वेल्डिंग—संधनीयता और विभिन्न वेल्डिंग प्रक्रियाएं—वेल्डों का टेस्ट करना ।

फासिंग प्रासेस—धातुओं का मोल्डिंग, कास्टिंग, फोर्जिंग, रोलिंग तथा ड्राइंग ।

मापिकी—लाइनियर तथा एंगुलर परिमाण—सीमाएं तथा आक्षेप । स्क्रू और गियर का परिमाण—स्फस फिनिश—प्रकाशकीय यंत्र ।

औद्योगिक इंजीनियरी—प्रणाली अध्ययन और कार्य मापन—गति समय संबंधी तथ्य कार्य नमूना—कार्य मूल्यांकन,

मजदूरी और प्रोत्साहन आयोजन, नियंत्रण, सयंत्र की रूप-रेखा ।

तरल यांत्रिकी और पन बिजली :

वरनीली का समीकरण—मूर्धग प्लेट तथा ब्रैन्स—पम्प और टरबाइन । अभिकल्पन नियम, प्रयोग और विशिष्ट वक्र समानता के सिद्धांत, गर्बनिक जलीय संचायक और तीव्र—ब्रेन और लिफ्ट सजें टैंक और रिजर्वायर्स ।

भौतिकी : (कोड-11)

पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी :

यनिटें और विपाएं, स्केलर और वैक्टर मात्राएं, जड़त्व अपूर्ण कार्य ऊर्जा और संवेग/यांत्रिकी के मूल नियम, बर्णी, गति, गुरुत्वाकर्षण, सरल आवत, गति, सरल और असरल लोलक, कंटर लोलक, प्रत्यास्थता—पृष्ठ तनाव, द्रव का श्यानता, रोटरी पम्प, मकलियोड गज ।

2. ध्वनि :

अवमधित, प्रणोदित और मुक्त कंपन, तरंग गति डाप्लर प्रभाव ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब, तापमान, आद्रता का प्रभाव, डोरियों, छड़ों, प्लेटों और गैस स्तम्भों का कंपन, अनुनाद, विस्पद, स्थिर तरंग, ध्वनि का तापमान और उसका मापन: तापीय प्रसार; गैसों में समातापी पराश्रव्य के मूल तत्व, ग्रामोफोन और लाऊड-स्पीकरों के प्रारंभिक सिद्धांत ।

3. ऊष्मा और ऊष्मा गति विज्ञान :

तापमान और उसका मापन: तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा दबाव (ऐडियाबेटिक) परिवर्तन/विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा जालकता, द्रव्य के श्रणुमति सिद्धांत में तत्व बोल्ट्समन के वितरण नियम का भौतिक बोझ; बांडर बाल की अवस्था समीकरण; जौल थाम्पसन प्रभाव; गैसों का द्रवण, ऊष्मा इंजन; कारनाटका प्रमेय, ऊष्मा गति विज्ञान के नियम और उनके सरल अनुप्रयोग, कृष्णिका विकिरण ।

4. प्रकाश :

ज्यामितीय प्रकाशकी, प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में दोष और उनका निवारण; नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र का तरंग सिद्धांत; व्यतिकरण सरल व्यतिकरण मापी विवर्तन: विवर्तन, ग्रेटिंग प्रकाश का ध्रुवण । स्पेक्ट्रस विज्ञान के तत्व ।

5. विद्युत और चुम्बकत्व :

सरल मामलों में विद्युत क्षेत्र तीव्रता और विभव का परिकलन, गाउस प्रमेय और उसके सरल अनुप्रयोग; विद्युत मापी, विद्युत क्षेत्र के कारण ऊर्जा द्रव्य के विद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिल्टेरेपिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्त धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र मूविंग मैग्नेट एण्ड मूविंग, क्वायल गल्वेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्किट एलिमेन्ट्स के गण धर्म और

उनका निर्धारण तापविद्युत प्रभाव; विद्युत चुम्बकीय प्रेरण—
प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन, ट्रांसफार्मर और मोटर।
इलेक्ट्रॉनिक बाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग।

घोर के परमाणु सिद्धांत के तत्त्व इलेक्ट्रॉन; कॅथोड-रे
और एक्स-रे इलेक्ट्रॉनिक चार्ज और द्रव्यमान का मापन।

प्राणि विज्ञान : (कोड 13)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण; विभिन्न
वर्गों के विशिष्ट लक्षण।

रज्जु रहित (नान-काब्रेट) किस्म के प्राणियों की बनावट,
प्राचुर्य और जीवन-वृत्त।

अभीवा, मलेरिया—पर जीवी। स्पज, लिबरजीलू, फीता
कृमि; गोल कृमि, कंचुआ, जोंक, तिल चट्टा; गृह मक्खी,
मच्छर, बिच्छू, ताजे पानी का मसल, ताल धोखा, टार फिश
(केवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का आर्थिक महत्व। निम्नलिखित कीटों की
परिस्थिति और जीवन वृत्त :

दीमक, टिड्डी, शहद की मक्खी और रेशम का कीड़ा।
रज्जु की—क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट
और तुलनात्मक शरीर—

अकिगोस्टोमा; स्कलिओडान; मेढक; यूरोमेस्टिक्स या
कोई अन्य छिपकली (वरनस का अस्थिपंजर); कबूतर
(कुक्कुट का अस्थिपंजर); और खरगोश, चूहा या गिलहरी।

मेढक और खरगोश के संदर्भ में जन्तुकाय के विभिन्न
अंगों उत्तक विज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान की प्रारंभिक
जानकारी अन्तःसादी ग्रंथियां और उनका कार्य।

मेढक और चर्जेज के विकास की रूप-रेखा, स्तनी जन्तुओं
की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता, आनुवंशिकता,
अनुकूलन पुनरावर्तन परिकल्पना; मंडलीय आनुवंशिकता
आंगिक जनन और लिंग जनन की विधियां, अनिषक जनन,
पाच्य नोजेनिसिस, कार्यावरण पीढ़ी एकतरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संदर्भ में जन्तुओं
का परिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के अन्य प्राणी जिसमें विषैले और विषहीन संप
भी शामिल हैं; शिकार पक्षी।

भाग 'ख'

व्यक्तित्व परीक्षण :

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों
के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का
सर्वांगीण जीवन वृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह
है कि इस सेवा के लिये व्यक्तियों की दृष्टि से उम्मीदवार
उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी
कि वे केवल विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझ-बूझ के
साथ रुचि न लेते हों अपितु उन घटनाओं में भी रुचि

लेते हों जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर
और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और
नई उन खोजों में रुचि लें जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति
में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

2. साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है, अपितु
स्वाभाविक निदेशन प्रयोजनयुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है,
जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं
को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है, बोर्ड द्वारा
उम्मीदवारों की मानसिक सतकता, आलोचनात्मक ग्रहणशक्ति,
संतुलित निणय और मानसिक सतकता, सामाजिक संगठन
की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और
अमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट-II

(देखिए नियम 20)

भारतीय वन सेवा संबंधी संक्षिप्त श्रेणी (देखिए 20):

(क) नियुक्तियां परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी
जिसकी अवधि तीन वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी
जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि
में भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर
और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित
परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन
अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे
देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो
सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यथा-
स्थिति उस स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है
जिस पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है या होगा बशर्ते कि
उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के
अन्तर्गत पुनर्ग्रहण अधिकार निष्प्रभाव न कर दिया गया
हो।

(ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार
अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या
यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोष-
जनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर
सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को जितना उचित
हो, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी
शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी
ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की
किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय वन सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय
सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश
में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ सकती है।

(च) वेतनमान : २० 700-40-900-६० रो०-
कनिष्ठ वेतनमान 40-1100-50-1300 (15
वर्ष)।

वरिष्ठ वेतनमान :

(क) समय वेतनमान

₹ 1100 (छठे वर्ष या उससे पहले) -
₹ 50-1600 (16 वर्ष)।

(ख) चयन ग्रेड ₹ 1650-75-1800

वन संरक्षक ₹ 1800-100-2000

उप-मुख्य वन संरक्षक ₹ 2000-125/2-2250

(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है)।

अपर मुख्य वन संरक्षक ₹ 2250-125/2-2500

(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है)

मुख्य वन संरक्षक ₹ 2500-125/2-2750

उप वन महानिरीक्षक ₹ 2000-125/2-2250 तथा साथ
में ₹ 300/- प्र० मा० विशेष वेतन।

प्रतिरिक्त वनमहा-

निरीक्षक ₹ 2500-100-3000

वन महानिरीक्षक ₹ 3000-100-3500

समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार मंहगाई।

परिवीक्षाधीन अधिकारी की सेवा कनिष्ठ वेतनमान में प्रारम्भ होगी और उसे परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में अवकाश, पेंशन या वेतन वृद्धि के लिए गिनने की अनुमति होगी।

टिप्पणी : चतुर्थ केन्द्रीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा वर्तमान वेतनमान परिशोधित करने की संभावना है।

(छ) भविष्य निधि—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियमावली 1955 से शासित होते हैं।

(ज) अवकाश—भारतीय वन सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (अवकाश) नियमावली 1955 से शासित होते हैं।

(झ) डाक्टरी परिचर्या—भारतीय वन सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली 1954 के अन्तर्गत प्राप्त डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(ञ) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए भारतीय वन सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु वन सेवा निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

परिशिष्ट-

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(देखिए नियम 17)

[ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे

अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।]

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. चलने की परीक्षा :—पुरुष उम्मीदवारों को चार घण्टे में पूर्ण होने वाली 25 किलोमीटर और महिला उम्मीदवार को 4 घण्टे में पूर्ण होने वाली 14 किलोमीटर चलने की परीक्षा में सफलता प्राप्त करनी होगी। वन महानिरीक्षक, भारत सरकार द्वारा इस परीक्षा की व्यवस्था इस प्रकार की जाएगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड के साथ-साथ हो सके।

3. (क) भारतीय (एंग्लो इण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एकसरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) कद और छाती के घेर के लिए कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :—

कद	छाती का घेर (पूरा फुलाकर)	फुलाव
163 सें०मी०	84 सें०मी०	5 सें० मी० (पुरुषों के लिए)
150 सें०मी०	79 सें० मी०	5 सें० मी० (महिलाओं के लिए)

अनुसूचित जनजातियों तथा गोरखों, नेपालियों, असमियों, मेघालय, जन जातियों, लड़ाखियों, सिक्किमियों, भूटानियों, गढ़वालियों, कुमाऊंनियों, नागाओं तथा अरुणाचल प्रदेश के उम्मीदवारों के मामले में, जिनका औसत कद विशिष्टतया कम होता है, कद में छूट देने के लिए कम से कम निर्धारित मानक निम्नलिखित है :—

पुरुष	152.5 सें०मी०
महिला	145.0 सें०मी०

4. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उस मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिण्ड-लियां, नितम्ब और कंधों मापदण्ड के साथ लगें होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (स्टक्स आफ हैड लेबल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आए। कद सेंटीमीटर और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

5. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका निम्न प्रकार है :—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे और उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्कीरियर एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल—(हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दोबारा नापने चाहिए।

6. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

7. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल)—किसी रोग या असामान्यता (एबनार्मलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को भेगापन या आंखों, पलकों अथवा साथ लगती संरचनाओं (कंटीगुअस स्ट्रक्चर्स) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके अयोग्य होने की संभावना हो तो उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिए दो बार जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग से परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनीमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

भारतीय वन सेवा एक तकनीकी सेवा है।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
(टीक की दूरी आंख)		(टीक की दूरी आंख)	
6/6	6/12	जे० I/जे०	
	या		
6/6	6/9		

टिप्पणी :

(1) फंडस परीक्षा—मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

मायोपिया का कुल परिणाम (फिनेन्डर महित) 4.00 डी० से नहीं बढ़ेगा। हाइपरमेट्रोपिया (फिनेन्डर महित) + 4.00 डी० से नहीं बढ़ेगा।

शर्त यह है कि उम्मीदवार भारी निकट दृष्टि के कारण अयोग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशिष्ट बोर्ड को भेज दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि निकट दृष्टि रोगात्मक है या नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा, बशर्ते वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी अपेक्षाएं पूरी करें।

(2) कलर विजन, (i) रंगों के सन्देश में नजर की जांच आवश्यक होगी।

(i) नीचे दी हुई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेशों में होना चाहिए जो लैटन के द्वारक (एपचर) के आकार पर निर्भर हो।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का ग्रेड
1. लम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकण्ड

(3) ताल सकत, हरे रंग के और संकेत रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना सन्तोषजनक कलर विजन है। इतिहास की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन को नैटन जैसी उपयुक्त लैन्टर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विषयमयी समझा जाएगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई याता-यात से सम्बन्धित सेवाओं के लिए लैन्टर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीके से जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)—सभी सेवाओं के लिए गम्भीर विधि (कन्फेन्डेंशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को परामामी (पैरा मीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रतौधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतौधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौधी का अन्धेरे में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई नियत स्टैण्डर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अन्धेरे कमरे में ले जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के अपने कथनों पर कभी भी विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आय्यूजर कन्डीशन) :

(क) आंख की इस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन कुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोह (ट्रकोमा)—यदि कोई जटिल न हो तो ये आमतौर से अयोग्यता का कारण नहीं होंगे।

(ग) भेंगापन—डिनेवी—(वाहनाकुलर) दृष्टि का होना लाजमी है। नियत स्टैण्डर्ड की दृष्टि की तीक्ष्णता होने पर भी भेंगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए एक आंख वाले व्यक्तियों की अनुमति नहीं की जाती।

8. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100—आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाए। यह तरीका बिल्कुल सन्तोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान कीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर को 90 से ऊपर के डायस्टोलिक प्रेशर की संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि बबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई काथिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय के एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पारे वाले दाबमापी (मर्करी मनोमीटर); किस्म का आला इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या बबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बठा या लेठा हो बशर्त कि वह और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल हो और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पाखंड पर से कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हटा निकाल कर बीच की रबड़ की भुजा के अन्दर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पिट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (बैकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है। जो कफ के साथ न लगे। कफ लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रम, ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं निम्न स्तर

पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस "साइलेंट गप" से रीबिंग में गलती हो सकती है।)

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेय (डायबिटीज) के शोथक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो यह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज में अप्रयमेही (नान-डायबीटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिकल के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेन्स टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा। जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

10. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड आरोग्यता का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थ परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हिर्यरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन दूसरा कान सामान्य बहुरापन 30 डेसिबल होगा। तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।

(2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हिर्यरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र।

(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैबिटी से सबनामल श्रवण।

(5) बढ़ते रहने वाला कान आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला।

यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच व फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।

(i) एक कान सामान्य के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है। (ii) दोनों कानों मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों सेन्ट्रल क्रिया होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनामल श्रवण वाले कान/मस्टायड कैबिटी होने पर, तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड कैबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधारकर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के कामों के लिए योग्य।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

- (6) नासापट की हड्डी सम्बन्धी/विस्फिनाग्रों (बोनी डिफा-मिटी) गहिन अथवा उभमे रहित नाक की जीर्ण प्र-हक/एलजिक दशा।
- (7) टांसिल्स और/अथवा स्वर यंत्र लेन्सि की जीर्ण प्रदाहक दशा।
- (8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दभ द्युमर।
- (9) आस्टोक्लिरोसिस।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।
- (11) नेजलपोली।
- (1) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।
- (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अकथरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (1) टांसिल और अथवा स्तर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।
- (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (1) हल्का द्युमर—अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (2) दुर्दभ द्युमर—अयोग्य।
- श्रवण नन्त की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य।
- (1) यदि कामकाज में बाधक न हो तो योग्य।
- (2) भारी मात्रा; हकलाहट हो तो अयोग्य।
- अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह खाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़ा ठीक है या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रपचर है या नहीं।
- (छ) उसे हाइड्रोसील बड़ी हुई बग्गोसिल बोरिसाजशिरा (वेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

- (ण) कोई जन्मजात कुचन या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संवारी (कम्युनिकेशन) रोग है या नहीं।

12. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से उपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की सम्भावना है या नहीं।

सरकारी सेवाओं के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय लिए जाने के पश्चात् पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है जैसे किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विषयन (एवरेणन) से पीड़ित होने का सन्देह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विगनी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

टिप्पणी :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की सम्भावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील को इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार की प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए धरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की सम्भावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा, जबकि इस सम्बन्धित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जानी है :—

(1) शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाने वाले स्टेण्डर्ड से सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अप्वाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की सम्भावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बन्धित है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अर्धगियों को रोकना है । साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की सम्भावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं । किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता ।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए । नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है । यदि कोई उम्मीदवार अस्पाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए । निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के

लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में प्रथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा अन्तिम रूप दे दिया जाना चाहिए ।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा पर हस्ताक्षर करने चाहिए । नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए ।

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

(2) (क) क्या आप अनुसूचित जनजाति या ऐसी जाति जैसे गोरखा, नेपाली, असमिया, मेघालय आदिवासी, लद्दाखी, सिक्किमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊंजी, नागा और अरुणाचल प्रदेशीय जातियों से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है । उत्तर हां या नहीं में लिखें और यदि उत्तर 'हां' है तो उस जनजाति/जाति का नाम लिखें ।

3. (क) क्या आपकी कभी चेचक रक-रक कर होने वाली या कोई दूसरा बुखार थियो (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूछा के बीरे, क्मेडिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिनके कारण श्रैय्या पर लेटे रहना पड़ा है, और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ।

4. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है ?

5. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरे दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है । मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--	---

यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--	--

क. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हां हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी बोर्ड परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर-----

मेरे सामने हस्ताक्षर किए-----

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर-----

टिप्पणी :— उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान बूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्ति हो भी जाए तो वार्षिक निवृत्ति भत्ता (सुपर-एनुएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेच्यूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ----- (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट-----

1. सामान्य विकास—अच्छा बीज का कम पोषण: पसला औसत माप कद (जूते उतारकर) वजन अत्युत्तम (वजन कब था) वजन कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन तापमान : छाती का घेर (1) पूरा सांस खींचने पर (2) पूरा सांस निकालने पर

2. त्वचा—कोई शालिश बीमारी

3. नेत्र—

- (1) कोई बीमारी
- (2) रतौंधी
- (3) कलर विजन का दोष
- (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)
- (5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एम्बिटी)

(ग) कंडस की जाँच

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे बिना चश्मे से चश्मे की पावर

गोल सांस एक्सिस

दूर की नजर
दा० ने०
बा० ने०
पास की नजर
दा० ने०
बा० ने०
हाईपरमेट्रोपिया
(दृग्गत)
दा० ने०
बा० ने०

4. कान : निरीक्षण ----- सुनना बायाँ कान ----- बायाँ कान -----

5. ग्रंथियाँ ----- थाइराइड -----

6. दोनों की हालत -----

7. श्वसन तंत्र (रिस्पिरेटरी सिस्टम)-----क्या शारीरिक परीक्षण करने पर मांस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरा दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलिटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन)----- गति (रेट) : खड़े होने पर

कुदाए जाने के बाद -----

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद -----

(ख) ब्लड प्रेशर ----- सिस्टोलिक ----- डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) घेर ----- सहायता (टेंडरनेस) हार्निया -----

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर ----- तिल्ली ----- गुर्वे ----- ट्यूमर -----

(ख) रक्तार्ण भ्रगंदर

10. तंत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तंत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत :

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) की असमानता-----

12. जनन मूत्र तंत्र (जनिटो यूरिनरी सिस्टम)----- हाइड्रोसेल, बेरिकासील आदि का कोई संकेत

मूल परीक्षा—

- (क) कैसा दिखाई पड़ता है
- (ख) अपेक्षित भुतत्व स्पेसिफिक (शेडिटी)
- (ग) एल्बुमन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्ट
- (च) कोशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्सरे परीक्षा रिपोर्टें

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह भारतीय वन सेवा की इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए प्रयोग्य हो सकता है।

टिप्पणी :— यदि उम्मीदवार कोई महिला है और यदि वह 1 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 10 के अनुसार अस्थायी रूप से प्रयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. क्या वह भारतीय वन सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर इयूटी निभाने के लिए सभी तरह से योग्य पाया गया है।

टिप्पणी :—बोर्ड को अपना परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :

- (1) योग्य (फिट)
- (2) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण—
- (3) अस्थायी आधार पर अयोग्य जिसका कारण—

स्थान _____

तारीख _____

प्रमुख _____
सदस्य _____
सदस्य _____

(पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली 110003, दिनांक 31 दिसम्बर 1986

संकल्प

विषय :—वानिकी अनुसंधान, शिक्षा तथा प्रशिक्षण का पुनर्गठन

सं० 15-48/86-प्रार० टी०—वानिकी के नए लक्ष्यों का उद्देश्य देश में वन क्षेत्रों में वृद्धि करना, वायोमास के उत्पादन में सुधार करना और देश में ईंधन की लकड़ी और इमारती लकड़ी की आवश्यकताओं को पूरा करना है। इनमें प्राकृतिक वनों के संरक्षण, वनरोपण और परतीभूमि, विकास की गति में तेजी लाने सम्बन्धी मिश्रित कार्य शामिल हैं। नए लक्ष्यों की ओर हमारी मौजूदा वन अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण पद्धतियों को पुनः अनुकूल बनाने के उद्देश्य से इन कार्यों को काफी वैज्ञानिक

तथा तकनीकी निवेशों की आवश्यकता है। अनुसंधान, जो मानव तथा वित्तीय संसाधनों दोनों मायनों में खर्चीला है, को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है ताकि इन प्रयोजनों का अधिकतम उपयोग हो सके। शिक्षा के लिए व्यापक आधार की आवश्यकता है। प्रशिक्षण पर नए उद्देश्यों के अनुकूल बल दिए जाने की आवश्यकता है। इन कार्यों को करने के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यवसायिक योग्यता प्राप्त वन संवर्ग तैयार किए जाने हैं।

2. देश में इन ढांचे और अनुसंधान, शिक्षा तथा प्रशिक्षण में उपर्युक्त परिवर्तन लाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक व्यापक पुनरीक्षा के अनुसरण में निम्नलिखित निर्णय किए हैं :—

- (i) वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय, देहरादून के वर्तमान ढांचों को अनुसंधान कार्यक्रमों की उपयुक्त आयोजना, निष्पादन तथा प्रवर्धन को सुनिश्चित करने के लिए पुनर्गठित किए जाने की आवश्यकता है।
- (ii) वानिकी शिक्षा को न केवल सेवाकालीन प्रशिक्षण के एक उपाय के रूप में सुलभ किया जाना चाहिए बल्कि वानिकी में अध्ययनों के आगे बढ़ाने के इच्छुक सभी व्यक्तियों को दी जानी चाहिए।
- (iii) वन सेवाओं के लिए चुने गए व्यक्तियों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण को पुनर्गठित किया जाना चाहिए और प्राकृतिक वनों के प्रबन्ध और सामाजिक वानिकी कार्यक्रमों के विस्तार के लिए प्रशिक्षित व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसकी पुनः संरचना की जानी चाहिए।

3. वानिकी शिक्षा

3.1 वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय, देहरादून, अनुसंधान के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केन्द्र होगा। विशिष्ट क्षेत्र आधार पर पांच अन्य संस्थानों की स्थापना की जायेगी, प्रत्येक क्षेत्र के लिए अभिनिर्धारित प्राथमिकता वाले अनुसंधान क्षेत्रों में जिनमें वे स्थित हैं, अपने आपको दक्ष बना सकें।

3.2 अनुसंधान कार्य को बुनियादी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और प्रयोग के रूप में वर्गीकृत किया जायेगा। संस्थान की विषयवार संरचना की जायेगी। एक शाखा या सम्बद्ध शाखाओं के एक समूह को एक प्रभाग में गठित किया जायेगा। सम्बन्धित अनुसंधान परियोजनाओं को अनुसंधान में बहु-विषयक नीति सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न शाखाओं से वैज्ञानिक लिए जायेंगे। कम्प्यूटर, इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप आदि को प्रत्येक अनुसंधान संस्थान में ग्राम सुविधाओं के रूप में प्रदान किया जायेगा।

4. अनुसंधान के उद्देश्य

वन उत्पादों के मांग और आपूर्ति के बीच अन्तर को कम करने के लिए और विद्यमान वनों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता पर आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों पर अधिक जोर दिया जायेगा। तदनुसार, अनुसंधान गतिविधियां अभिनिर्धारित अनुसंधान अष्ट क्षेत्रों के सव्यवह होगी जिसकी एक निदेशक सूची अनुबन्ध—1 पर है।

5. काष्ठ उत्पादन विकास संस्थान, देहरादून जिसकी स्थापना वानिकी कार्मिकों तथा मजदूरों को कटाई तकनीकियों तथा औजारों के विकास में प्रशिक्षण देना है, को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में मिला दिया जायेगा। लाख विकास निदेशालय, रांची जिसकी स्थापना लाख पैदा करने वाले राज्यों में विस्तार कार्य करने के उद्देश्य से की गयी थी, को भी वन अनुसंधान संस्थान में पुर्नगठित ढाँचे में मिला दिया जायेगा।

6. वानिकी शिक्षा

6.1 वानिकी शिक्षा में द्वितीय पाठ्यक्रम उच्च कृषि विश्व-विद्यालयों में शुरू किए जाएंगे जिनमें इस प्रयोजन में के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं। अन्य विश्व विद्यालयों द्वारा भी बी० एस० सी० (वानिकी) पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति दी जायेगी। वन अनुसंधान संस्थानों, कृषि तथा अन्य विश्वविद्यालयों में वानिकी में स्नातकोत्तर और डाक्टरी अनुसंधान कार्य की अनुमति दी जायेगी। वानिकी शिक्षा कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय के लिए वानिकी शिक्षा के सम्बन्ध में एक पैरल गठित किया जायेगा।

6.2 वानिकी शिक्षा देने वाले विश्वविद्यालयों में अध्यापन संकायों हेतु प्रशिक्षण सुविधाएं वन अनुसंधान संस्थान तथा वन प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रदान की जायेगी। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और वन अनुसंधान संस्थाओं के बीच पारस्परिक कार्य वन अनुसंधान संस्थानों में विश्वविद्यालयों से अनुसंधान छात्रों के लिए सुविधाएं देकर आगे बढ़ाया जायेगा।

6.3 अन्य विज्ञान स्नानकों की तरह वन सेवाओं में विभिन्न पदों के लिए चयन हेतु वानिकी स्नातकों को पात्र बनाया जायेगा। वानिकी में स्नातकोत्तरों को सम्बद्ध विषयों से अन्यो के साथ अनुसंधान और अध्यापक पदों के लिए चयन हेतु पात्र बनाया जायेगा।

7. वानिकी सेवाकालीन प्रशिक्षण

7.1 केन्द्र सरकार केवल भारतीय वन सेवा तथा राज्य वन सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व अपने पास रखेगी तथा कि वन रेंजर्स के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को सौंपा जायेगा। तथापि, पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग, वन रेंजर प्रशिक्षण का निरीक्षण करेगा ताकि प्रशिक्षण के उचित भागक सुनिश्चित हो सके। उप-रेंजर्स/वन रक्षकों तथा वन गाइडों के प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व पूर्ण की भांति राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों का रहेगा। सामाजिक वानिकी कार्मिकों के प्रशिक्षण का प्रबन्ध प्रशिक्षण संस्थानों में भी किया जायेगा।

7.2 भारतीय वन सेवा तथा राज्य वन सेवा के अधिकारियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व वन और वन्यजीव विभाग का होगा तथा वैज्ञानिक इस समय है प्रशिक्षण संस्थानों का प्रबन्ध सीधे विभाग द्वारा किया जायेगा। अधिकारियों के शिक्षण के लिए निम्नलिखित संस्थाएं होगी :—

7.2.1 राष्ट्रीय वन अकादमी

राष्ट्रीय वन महाविद्यालय, देहरादून को राष्ट्रीय वन अकादमी के रूप में पुनः नामित किया जायेगा। इसमें प्राध्यापक वर्ग की व्यवस्था होगी जो मुख्य रूप से स्थायी सदस्य होंगे इनमें कुछ अधिकारी वन सेवाओं से लिए जायेंगे और पदावधि आधार पर नियुक्त किए जायेंगे। वानिकी प्रबन्ध की परिवर्तनशील आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महाविद्यालय के पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाया जायेगा।

7.2.2 राज्य वन सेवा महाविद्यालय

कोयम्बटूर और बरनीहाट में स्थित मौजूदा वन सेवा महाविद्यालय इन स्थानों पर कार्य करते रहेंगे। राज्य वन सेवा महाविद्यालय, देहरादून को जबलपुर में स्थानान्तरित किया जायेगा। राष्ट्रीय वन अकादमी की तरह राज्य वन सेवा महाविद्यालयों के लिए प्राध्यापक वर्ग में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति कुछ वन अधिकारियों सहित, अधिकांश स्थायी सदस्य होंगे। इन महाविद्यालयों के लिए पाठ्यक्रम को भी अद्यतन बनाया जायेगा।

7.3 इन क्षेत्रों में होने वाली तकनीकी तथा सामाजिक प्रगति के अनुरूप वानिकी पद्धतियों का लगातार समायोजन सुनिश्चित करने की दृष्टि से वन अनुसंधान संस्थानों और वन प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सेवारत अधिकारियों के लिए पुनर्धर्ष तथा पुनः दिक्सूचक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जायेगी।

8. भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

8.1 केन्द्रीय क्षेत्र में अनुसंधान के लिए भूमि उत्तरदायित्व भारतीय वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद जिसकी इस परियोजना के लिए स्थापना की जायेगी, को सौंपे जायेंगे। यह परिषद संस्थानों/विश्वविद्यालयों, भारतीय वन्यप्राणी संस्थान, देहरादून तथा वन आधारित उद्योगों की अनुसंधान गतिविधियों का समन्वय कार्य करेगी। विश्वविद्यालयों को अपने सम्बन्धित क्षेत्रों में स्थान विशिष्ट अनुसंधान आरम्भ करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

8.2 परिषद देहरादून में स्थित होगी तथा अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद के रूप में पदनामित किया जायेगा। वह पर्यावरण और वन मंत्रालय में भारत सरकार को वानिकी संबंधी मामलों के बारे में वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यों को भी करेंगे।

9. कार्मिक नीतियां

9.1 अनुसंधान कार्मिक

9.1.1 अनुसंधान कर्मचारियों में विभिन्न विषयों के वैज्ञानिक और वन व्यावसायिक शामिल होंगे जिन्होंने अनुसंधान के किसी शाखा में विशिष्टता हासिल की हो। वन अधिकारियों को वन अनुसंधान संवर्ग में सम्मिलित होने के विकल्प के साथ आवधिक आधार पर नियुक्त किया जायेगा।

9.1.2 वन अनुसंधान संस्थान में अनुसंधान वैज्ञानिकों का एक संवर्ग तैयार किया जायेगा। इस नई सेवा में सर्वोत्तम प्रतिभा को आकर्षित करने के लिए अनुसंधान वैज्ञानिकों के वेतन और सेवा शर्तें अन्य तुलनीय वैज्ञानिकी संस्थानों के वेतन और सेवा शर्तों के समान होंगी। उच्चतम स्तर तक सम्पूर्ण लचीले संपूरक की व्यवस्था की जायेगी। अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के लिए उसकी पात्रता के निर्धारण के लिए प्रत्येक व्यक्तिगत वैज्ञानिक की सावधिक परख की जाएगी। समान वैज्ञानिक संगठनों में प्रचलित प्रणालियों के अनुसार अनुसंधान वैज्ञानिकों के संवर्ग को विनियमित किया जायेगा।

9.2 शिक्षा

कृषि विश्वविद्यालयों में वानिकी पढ़ाने में लगे संकाय सदस्यों की सेवा शर्तें सम्बन्धित कृषि विश्वविद्यालयों के नियमों एवं विनियमों से नियन्त्रित होंगी।

9.3 प्रशिक्षण

प्रशिक्षण संस्थान में लगे हुए स्थायी संकाय सदस्यों की सेवा शर्तें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों और विनियमों से विनियंत्रित होंगी। भारतीय वन सेवा के अधिकारी उन पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार वेतन लेंगे। यदि भारतीय वन सेवा का कोई सदस्य संकाय में समावेशित होने की इच्छा करता है तो उसे यह अवसर प्रदान किया जायेगा।

10. अनुसंधान संस्थानों के क्षेत्र में विलीन प्रवाह को सुविधाजनक बनाने के लिए एक व्यवस्था भी तैयार की जायेगी और इस उद्देश्य के लिए वैज्ञानिकों का भारतीय वन सेवा में पारिष्क प्रवेश की व्यवस्था पर विचार किया जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धित को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

लि० ना० शेषन सचिव

अनुबन्ध—I

भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के
अनुसंधान उद्देश्य

मूल अनुसंधान :

- (i) मृदा विज्ञान, जलविज्ञान, पादप शरीरविज्ञान, वनवर्धन वन रोगविज्ञान, कीटविज्ञान।
- (ii) आनुवंशिक विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी।
- (iii) जैव-अलवायु विज्ञान एवं वन प्रभाव।
- (iv) वन पारितंत्र में ऊर्जा गति विज्ञान।
- (v) वन उत्पादों का रसायन विज्ञान।
- (vi) वन्यजीव प्रजातियों का स्वपारिस्थितिकीय अध्ययन।

प्रौद्योगिकी :

- (i) उत्सक संवर्धन सहित पादप प्रवर्धन तकनीकी।
- (ii) बीजाकुरूप, नर्सरी और पौधरोपण तकनीकी।
- (iii) कृषि-वन पशुचारण तकनीक।
- (iv) (क) प्राकृतिक रूप से पुनरुत्पादित फसल और (ख) पौधरोपण के लिए वन-वर्धन प्रणालियां।
- (v) परिचर्या, विरलन और छटाई तकनीक।
- (vi) पारिस्थितिकीय संरक्षण एवं जलसंभार प्रबन्ध।
- (vii) मृदा क्रिया, जल प्रबन्ध और उर्वरक उपयोग।
- (viii) जीवभार उत्पादन एवं उपयोगिता का इष्टमीकरण।
- (ix) नाशक जीवों और बीमारियों पर नियंत्रण।
- (x) जीव-सांख्यिकी विज्ञान, वन तालिका, संवृद्धि और उत्पादन अनुसंधान।
- (xi) काष्ठ पकाई, काष्ठ संरक्षण, लुगदी एवं कागज उद्योग तकनीकी, इमारती लकड़ी अभियांत्रिकी, मिश्रित काष्ठ सहित काष्ठ उपयोगिता तकनीक।
- (xii) गौण वन उत्पादों का निष्कर्षण एवं
- (xiii) जैव सौन्दर्य बोध एवं वानिकी पुनरुत्पादन।
- (xiv) प्रौद्योगिकी का प्रलेखन हस्तान्तरण।

उपयोग

- (i) मृदा विश्लेषण, अन्तर्गोच्यकारी उत्पादकता के लिए उद्भिज मानचित्रण एवं स्थल क्षमता वर्गीकरण।
- (ii) प्राकृतिक वनों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्रबन्ध प्रणालियां।
- (iii) अप्राकृतिक रूप से पुनरुत्पादित फसलों के लिए प्रबन्ध प्रणालियां।
- (iv) खनिज आवर्तन एवं पोषक बजेटिंग।
- (v) सामाजिक आर्थिक आवश्यकताओं का उचित ध्यान रखते हुए उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि वन-पशुचारण तकनीक।
- (vi) वन उत्पादों की कटाई एवं संसाधन।
- (vii) इमारती लकड़ी एवं गौण वन उत्पादों का व्यापक उपयोग।
- (viii) काष्ठ और काष्ठ उत्पादों के लिए विकल्पों की पहचान।

(ix) डाटा एवं इसके प्रसार का संग्रहण, संघटन एवं विश्लेषण ।

(x) काष्ठ आधारित उद्योगों को काष्ठ प्रतिप्राप्ति के प्रयोग में दक्षता ।

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1987

संशोधन

विषय :—भारत के राजपत्र, भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित संकल्प सं० 21-10/84-एल० डी० टी० दिनांक 29 सितम्बर, 1986 ।

सं० 21-10/84-एल० डी० टी०—इस मंत्रालय के उपर्युक्त संकल्प के अनुक्रम में भारत सरकार ने उपर्युक्त राजपत्र अधिसूचना में निम्न प्रकार से संशोधन करने का निर्णय किया है :—

2. गोसम्बर्द्धन सलाहकार परिषद के अध्यक्ष ने निम्न-लिखित सदस्यों को परिषद का सदस्य नामित किया है :—

1. श्री साधूराम पटेल,
गांव व डाकघर सुताव,
तालुका, पेटलाद, जिला—खेडा, गुजरात
2. श्री मोहनभाई गोकलभाई पटेल,
सदस्य, पेटलाद तालुका पंचायत
दास मोहल्ला,
गांव व डाकघर सोजित्वा,
तालुका पेटलाद, जिला खेडा, गुजरात
3. श्री जेठालाल शास्त्री,
सरपंच,
गांव देवाताज, डाकघर सोजित्वा,
तालुका पेटलाद, जिला खेडा, गुजरात
4. श्री रजनीश गोयंका, बी० कॉम० ग्रानर्स, एल० एल० बी०
बेनूका,
दी माल,
अमृतसर, पंजाब
5. श्री गोपाल शर्मा,
डी-174, धीया भवन, धीया मार्ग,
बेनी पार्क, जयपुर, राजस्थान
6. श्री करम सिंह उप्पल,
स्वतन्त्रता सेनानी, बस्ती टोकन वाली,
फिरोजपुर शहर, पंजाब
7. डा० (श्रीमती) श्रीवास्तव,
प्रधानाचार्य,
देव समाज महाविद्यालय, फिरोजपुर (पंजाब)

3. संकल्प दिनांक 29 सितम्बर, 1984 के क्र० सं० 7-10 (दोनों को मिला कर) पर नामित सरकारी सदस्य ग्राम्य प्रदेश, अपन, पड़ीमा और पंजाब राज्यों में पशुपालन निदेशकों द्वारा प्रतिस्थापित किए गए हैं ।

यह सलाहकार परिषद निम्नलिखित कार्य करेगी :—

- (1) समय-समय पर मवेशियों के संरक्षण, विकास प्रजनन, पोषण तथा विपणन से सम्बन्धित योजनाओं की समीक्षा करना,
- (2) संन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा उनके भेजे गए उपरोक्त किसी भी मामले पर उनको सलाह देना,
- (3) पशुधन के विकास से सम्बन्धित मामलों विशेषकर गोशालाओं के उचित विकास से संबंधित मामलों पशुधन के विकास से सम्बन्धित विभिन्न सरकारी तथा गैर-सरकारी संस्थानों के, जैसे राज्यों की गोसंवर्द्धन परिषद, गोशाला संघ तथा पिंजरापोल, कार्यकलापों की समीक्षा करना तथा उनका समन्वय करना ।
- (4) मवेशियों के विकास के लिए विशेषकर उन स्थानों पर जहां गैर-सरकारी संस्थानों का सहयोग अपेक्षित है, संवर्द्धनत्मक कार्यकलाप शुरू करना, तथा
- (5) देश के किसी भी क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा पशु-धन के विकास के लिए अपेक्षित कोई भी अन्य कार्य शुरू करना ।

परिषद, अध्यक्ष द्वारा निर्धारित समय तथा स्थान पर आवधिक तौर पर अपनी बैठकें करेगी ।

आदेश

1. आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों के विभागों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय और अन्य संबंधित संगठनों को भेजी जाए ।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को ग्राम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

बी० बी० महाजन, अपर सचिव

कल्याण मंत्रालय

पी० आर० ई० एम० (अनुसंधान) प्रभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1987

शुद्धि-पत्र

फा० सं० 1-56/85—(आर) पी० आर० ई० एम०—
भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित, समाज

कल्याण अनुसंधान सलाहकार समिति की दिनांक 8-5-1986 की अधिसूचना संख्या 1-56/85(आर०) पी० आर० ई० एम० के अनुक्रम में अब क्रम संख्या 20 के सामने, निदेशक (पी० आर० ई० एम०) के स्थान पर संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) की अध्यक्षता-पद (पदेन) के रूप में रखने का निर्णय किया गया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह शुद्ध-पत्र भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए ।

एम० सी० नरसिम्हन, संयुक्त सचिव

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1986

संकल्प

सं० ई-11017/11/83-हिन्दी शहरी विकास मंत्रालय (भूतपूर्व निर्माण और आवास मंत्रालय) के दिनांक 30 अगस्त, 1985 के समान संख्यक संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए, अब यह निर्णय लिया गया है कि "निर्माण और आवास साहित्य पुरस्कार" वो वित्तीय वर्षों में एक बार देने की बजाए, जैसा कि पहले प्रकाशित किया गया था, अब प्रत्येक वर्ष (वित्तीय वर्ष) दिए जायेंगे । संकल्प की अन्य शर्तें वही रहेंगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि जम साधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

विनोद लाल,
निदेशक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1987

संकल्प

सं० ए०-16025/3/82-एल० डब्ल्यू० खण्ड-II—केन्द्रीय सरकार, श्रम मंत्रालय, के तारीख 16/17 जुलाई, 1985 के संकल्प संख्या ए०-16025/3/82-एल० डब्ल्यू० खण्ड-II का अधिक्रमण करते हुए, भारतीय रेलों के लोको शेडों में कोयला और राख हैंडलिंग कार्य में ठेका श्रम पद्धति को समाप्त करने के प्रश्न पर विचार करने के लिए कुमारी उमिला शर्मा के स्थान पर श्री गोपाल चतुर्वेदी को समिति के सदस्य के रूप

में नामित करता है तथा निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

2. उक्त संकल्प में क्रम संख्या 1 के सामने "कुमारी उमिला शर्मा, संयुक्त निदेशक, वित्त (स्थापना), रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली," शब्दों और अक्षरों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

4. श्री गोपाल चतुर्वेदी सदस्य
संयुक्त निदेशक,
वित्त (स्थापना),
रेल मंत्रालय,
(रेलवे बोर्ड)
नई दिल्ली ।

आदेश

संकल्प की प्रतियां निम्नलिखित को भेजी जायें :—

1. केन्द्रीय ठेका श्रम सलाहकार बोर्ड के सभी सदस्य ।
2. श्री जे० सी० दाम,
सदस्य-संयोजक और प्रादेशिक श्रमायुक्त (केन्द्रीय),
मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, नई दिल्ली ।
3. श्री गोपाल चतुर्वेदी,
संयुक्त निदेशक, वित्त (स्थापना),
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), नई दिल्ली ।
4. श्री ए० के० मन्याल,
कार्यकारी प्रजीडेंट,
इण्डियन माइन्स वर्कर्स फेडरेशन,
बोरनाला, नागपुर-13 ।
5. श्री ए० दाम गुप्ता,
जनरल सेक्रेटरी,
इण्डियन नेशनल माइन्स वर्कर्स फेडरेशन,
राजेन्द्र पथ—धनबाद ।
6. श्री ए० के० खुराना,
संयुक्त निदेशक,
मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ईंधन),
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), नई दिल्ली ।
7. श्री टी० एन० विज, संयुक्त निदेशक, स्थापना (एल० एल०)
रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), नई दिल्ली-110001
को, एक अनुरिक्त प्रति गृहित (कुमारी उमिला शर्मा को भेजने के लिए) उनके तारीख 4-12-1986 के का० जा० सं० ई० (एल० एल०) 83 ए० टी०/सी० एन० आर०/1-5 (पार्ट) के संक्षेप में ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र, भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित किया जाये ।

ए० के० श्रीवास्तव,
महानिदेशक (श्रम कल्याण)/
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 16th January 1987

No. 5-Pres./87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Andhra Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri P. Venkat Reddy,
Head Constable, District Armed Reserve,
Karimnagar, (AP).

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th October, 1985, when Shri V. Mohan Reddy, Ex-MLA and others including gunman Shri P. Venkat Reddy, were going to Dummala Village in a car for canvassing for Shri Murali Mohan Rao, who was contesting for the Directorship of CESS from Yellareddipet Mandal. Their car was suddenly stopped by three underground extremists in front of a Hotel. The extremists were heavily armed. They asked the inmates of the car to come down from the car on the point of gun. They fired one shot threatening them to get down and one of the extremists caught hold of Shri Mohan Reddy. Another extremist aimed at Shri Mohan Reddy with his Tapancha. Seeing the life of Shri Reddy in danger, his gunman Shri P. V. Reddy took out his service revolver and fired at the extremist, who received a bullet injury on the chest and died instantaneously. Shri P. Venkat Reddy also fired another round on the two accused, who were trying to fire on him and the inmates of the car. As a result of this, one extremist died and two others managed to escape. One Tapancha loaded with 12 bore cartridge, one grenade, 12 bore cartridges tied to the waist and party literature in a bag, were recovered from the dead accused.

In this incident, Shri P. Venkat Reddy, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from 6th October, 1985.

No. 6-Pres./87.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Bishnu Pada Chakraborty,
Supdt. of Police,
Ghaziabad.

Shri Surendra Sharma,
Dy. Supdt. of Police,
Ghaziabad.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th Sept., 1984, a dacoity was committed in the Branch of State Bank of India, Partapur, Meerut and a sum of Rs. 1,47,000/- was looted after relieving the Bank's Guard of his licensed Gun and holding the Bank's employees at a point of gun. The dacoits escaped towards Modi Nagar, Ghaziabad. On getting the above information, Inspector, Police Station, Modi Nagar, alongwith available force, chased the dacoits and stopped them, escaping towards Muradnagar via Ganga Canal Road. A heavy exchange of fire took place between the Police and the dacoits and the dacoits were forced to abandon their car and take shelter in sugarcane field which afforded them cover. While the Inspector and party engaged the dacoits in the Sugarcane field, Constable Amar Chand rushed to Muradnagar for reinforcement. Immediately, the Sr. Supdt. of Police, Meerut and Shri Bishnu Pada Chakraborty, Superintendent of Police, Ghaziabad, rushed to the spot with two strong Police parties. On reaching the scene of occurrence the party led by Sr. Supdt. of Police, Meerut cordoned off the area from the side of Didoli village and the party led by Shri Chakraborty, Superintendent of Police, cordoned off the area of village Khekra. By that time Dy. Inspector General of Police, Meerut also reached the scene of occurrence and took over the control and coordination of the operations. On seeing the Police set up, the dacoits started moving through the dense sugarcane fields and succeeded in reaching towards the southern edge of village Khekra. Shri

Chakraborty asked his men to locate the movement of the dacoits and the gang was located in a Sugarcane field. The Police party combed the field. The dacoits were in a safe position but the Police had to expose itself to the fire from dacoits' side. The sugarcane field was full of water and was so dense that the members of the combing party could barely see each other. As they moved forward the dacoits opened fire which hit one Constable in his neck but he tried to crawl forward but lost consciousness. Suddenly Shri Chakraborty and Shri Surendra Sharma, Dy. Supdt. of Police, came face to face with the dacoits. Before they could do anything the dacoits fired at them from point blank range. Shri Chakraborty escaped but Shri Sharma was hit on the face causing him crippling injury. Yet this officer before falling managed to shoot down one of the dacoits who was later on identified as Tajendra. Similarly, with lightening speed Shri Chakraborty shoot down other dacoit identified as Virendra. By this time it has become sufficiently dark that gave the other two dacoits a chance to escape.

A .455 bore service revolver loaded with four cartridges and two live cartridges of .135 rifle and the looted SBBL gun of Partapur Bank Guard alongwith five live and eight empty cartridges in a belt were recovered.

In this encounter Shri Bishnu Pada Chakraborty, Supdt. of Police and Shri Surendra Sharma, Dy. Supdt. of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th September, 1984.

No. 7-Pres./87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the Officer

Shri Amar Chand,
Constable No. 349 (AP),
Ghaziabad (U.P.)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th September, 1984, a dacoity was committed in the Branch of State Bank of India, Partapur, Meerut and a sum of Rs. 1,47,000/- was looted after relieving the Bank's Guard of his licensed gun and holding the Bank's employees at a point of gun. The dacoits escaped towards Modi Nagar, Ghaziabad. On getting the above information, the Inspector, Police Station, Modi Nagar, alongwith available force, chased the dacoits and stopped them escaping towards Muradnagar via Ganga Canal Road. A heavy exchange of fire took place between the Police and the dacoits and the dacoits were forced to abandon their car and take shelter in sugarcane field which afforded them cover. While the Inspector and the party engaged the dacoits in the Sugarcane field, Constable Amar Chand was rushed to Muradnagar for reinforcement. Immediately, the Senior Superintendent of Police, Meerut and Shri B. P. Chakraborty, Superintendent of Police, Ghaziabad rushed to the spot with two strong Police Parties. On reaching the scene of occurrence the party led by Senior Superintendent of Police, Meerut, cordoned off the area from the side of Didoli village and the Party led by Shri Chakraborty, Superintendent of Police, cordoned off the area of village Khekra. By that time Deputy Inspector General of Police, Meerut, also reached the scene of occurrence and took over the control and co-ordination of the operations. On seeing the Police set up, the dacoits started moving through the dense sugarcane fields and succeeded in reaching towards the southern edge of village Khekra. Shri Chakraborty asked his men to locate the movement of the dacoits and the gang was located in a sugarcane field. The Police party including Shri Amar Chand, Constable, combed the field. The dacoits were in a safe position but the Police had to expose itself to the fire from dacoits' side. The sugarcane field was full of water and was so dense that the members of the combing party could barely see each other. As they moved forward the dacoits opened fire which hit Constable Amar Chand in his neck but he tried to crawl forward but lost consciousness. Suddenly Shri Chakraborty and Shri Surendra Sharma, Deputy Superintendent of Police, came face to face with the dacoits. Before they could do anything, the dacoits fired at them from point blank range. Shri Chakraborty escaped but Shri Sharma was hit on the face

causing him a crippling injury. Yet this officer, before falling, managed to shoot down one of the dacoits who was later identified as Tajendra. Similarly, with lightening speed Shri Chakraborty shoot down the other dacoit who was later identified as Virendra. By this time it had become sufficiently dark that gave the other two dacoits chance to escape. A .455 bore service revolver loaded with four cartridges and two live cartridges of .135 rifle and the looted SBBL gun of Partapur Bank Guard alongwith five live and eight empty cartridges in a belt were also recovered.

In this encounter, Shri Amar Chand, Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th September, 1984.

The 26th January 1987

No. 8-Pres./87.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1987, to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for Distinguished Service to the undermentioned officer :—

Shri Hoshiar Singh Yadav,
Divisional Commandant,
Madhya Pradesh.

2. This award is made under rule 3(ii) of the Rules governing the grant of President's Home Guards and Civil Defence Medal.

No. 9-Pres./87.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1987, to award the Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers :—

Shri Jitendra Nath Deka,
Principal, C.T.I.,
Assam.

Shri Jagdish Amratlal Mehta,
Second-in-Command (Honorary),
Gujarat.

Shri Sagar Ramanlal Rambhal,
Company Commander (Honorary),
Gujarat.

Shri Rahevar Jaswant Singh Mohbat Singh,
Platoon Commander (Honorary),
Gujarat.

Shri Jaisi Ram Sharma,
Commandant, Home Guards,
Himachal Pradesh.

Shri Balbir Singh,
Platoon Commander,
Himachal Pradesh.

Smt. Dulari Sharma,
Company Commander (Honorary),
Himachal Pradesh.

Shri Mian Singh,
Senior Platoon Commander (Honorary),
Himachal Pradesh.

Smt. Puni Devi,
Company Havildar Major (Honorary),
Himachal Pradesh.

Shri Daulat Ram,
Assistant Section Leader (Honorary),
Himachal Pradesh.

Shri Shivramkrishna Toraskar,
Divisional Commander (Honorary),
Maharashtra.

Shri Harish Chandra Bhikuwani,
Divisional Commander (Honorary),
Maharashtra.

Shri Kamlakar Rambhau Tajne,
Divisional Commandant (Honorary),
Maharashtra.

Shri Vinayak Vishnu Gaikwad,
Deputy Controller, Civil Defence,
Maharashtra.

Shri Victor George,
Officer Commanding (Fire)
State Mobile Civil Emergency Column,
Maharashtra.

Shri Jayaram Babaji Rewale,
Junior Staff Officer,
Maharashtra.

Shri Syd Hasan Asghar Husaini,
City Commandant (Home Guards),
Uttar Pradesh.

Shri Suraj Prasad,
Company Havildar Major (Volunteer),
Madhya Pradesh.

Shri Mangal Deen,
Company Havildar Major (Volunteer),
Madhya Pradesh.

Shri Ram Vishal,
Company Havildar Major (Volunteer),
Madhya Pradesh.

Shri V. Sankaranarayanan,
Assistant Platoon Commander (Volunteer),
Tamil Nadu.

Shri Thambi Rupp Padmanaban,
Area Commander (Honorary),
Tamil Nadu.

Shri Kisan Gajanand Chari,
Company Commander (Volunteer),
Goa, Daman & Diu.

Shri Irudayam Manuel Raj,
Assistant Platoon Commander (Honorary),
Pondicherry.

Shri Waryam Singh,
Farash, National Civil Defence College,
Nagpur.

2. These awards are made under rule 3(ii) of the rules governing the grant of the Home Guards and Civil Defence Medal.

No. 10-Pres./87.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1987, to award the Fire Services Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers :—

Shri Zadi Narayana,
Driver-Operator,
Andhra Pradesh.

Shri Vasam Setty Nookaraju,
Fireman,
Andhra Pradesh.

Shri Someswar Bora,
Station Officer,
Assam.

Shri Chellappan Pillai Sankara Pillai,
Assistant Station Officer,
Kerala.

Shri Gulab Narayan Kakade,
Sub Fire Officer,
Maharashtra.

Shri Sitaram Baburno Shinde,
Driver-Operator,
Maharashtra.

Shri Arun Kumar Das,
Station Officer,
Meghalaya.

Shri K. Appa Rao,
Driver-Havildar,
Orissa.

Shri K. Mayandi Thevar Ocha Thevar,
Station Fire Officer,
Tamil Nadu.

Shri Govinda Subramani,
Leading Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Kandasamy Dharmalingam,
Leading Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Pairag Chandra Mallick,
Divisional Fire Officer,
West Bengal.

Shri Manish Chandra Chakraborty,
Chief Mobilising Officer,
West Bengal.

Shri Parimal Kumar Saha,
Leader (LFO),
West Bengal.

Shri Gopal Singh,
Driver,
National Fire Service College,
Nagpur.

Shri Sarwan Ram,
Driver,
National Fire Service College,
Nagpur.

Shri Keshav Chintaman Gaiki,
Carpenter,
National Fire Service College,
Nagpur.

Shri Dilip Kumar Khasnavis,
Inspector (Fire),
Ministry of Railways.

Shri Anil Kumar Choudhury,
Lance Naik (Fire Deptt.),
Ministry of Steel and Mines.

2. These awards are made under rule 3(ii) of the rules governing the grant of the Fire Services Medal.

No. 11-Pres.-87.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1987, to award the President's Police Medal of Distinguished Service to the undermentioned Officers :—

Shri Srmbikal Chandrasekharan,
Director General and Inspector General of Police,
Administration, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Avula Doraiswamy Yeswanth Rao Naidu,
Deputy Director,
Anti-Corruption Bureau, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Sunkara Radha Krishna Murthy,
Deputy Supdt. of Police,
Intelligence, Guntur,
ANDHRA PRADESH.

Shri Sorakmayur Venkatarama Subramanian,
Inspector General of Police,
Guwahati,
ASSAM.

Shri Debi Charan Sinha,
Deputy Inspector General of Police/Principal,
Police Training College, Hazaribagh,
BIHAR.

Shri Ramanlal Ranchhodji Desai,
Commandant,
State Reserve Police Force, Group X, Ukai,
GUJARAT.

Shri Hans Raj Swan,
Director General and Inspector General of Prisons,
Manimajra (Chandigarh),
HARYANA.

Shri Ali Mohammad Watali,
Deputy Inspector General of Police,
Kashmir Range, Srinagar,
JAMMU AND KASHMIR.

Shri Ragi Bommanahalli Mariswamy Vasanth Kumar,
Deputy Inspector General of Police,
Lokavukta, Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Bhasgi Siddalingappa,
Supdt. of Police,
C.A. Squad, C.O.D., Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Ram Ratan,
Inspector General of Police/
Transport Commissioner, Gwalior,
MADHYA PRADESH.

Shri Brij Mohan Parashar,
Deputy Supdt. of Police,
State Bureau of Investigation,
Economic Offences, Jabalpur,
MADHYA PRADESH.

Shri Ramchandra Gulabchand Dayma,
Deputy Supdt. of Police,
C.I.D. (Crime), Pune,
MAHARASHTRA.

Shri Sankar Sen,
Deputy Inspector General of Police,
Vigilance, Cuttack,
ORISSA.

Shri C. Pal Singh,
Deputy Inspector General of Police,
Jalandhar Cantt.,
PUNJAB.

Shri Rajendra Kumar Baijal,
Special Inspector General of Police,
(Crime and Vigilance), Jaipur,
RAJASTHAN.

Shri Gopal Varadarajan,
Deputy Commissioner of Police,
Crime North, Madras City,
TAMIL NADU.

Shri Vankipuram Sundaravaradan,
Additional Supdt. of Police,
Prohibition Enforcement Wing,
Chengalpattu Fast District,
TAMIL NADU.

Shri Rajendra Narain Mathur,
Inspector General of Police,
Bareilly Zone, Bareilly,
UTTAR PRADESH.

Shri Jasodlal Ray,
Inspector of Police,
Headquarters Traffic Guard, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Prakash Singh,
Inspector General,
BSF Kashmir Frontier,
Srinagar,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Daya Kishore Arya,
Director,
BSF Academy Tekanpur, Gwalior,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Bevant Singh,
Deputy Inspector General/Commandant,
BSF CSWT, Indore,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri C. Subramaniam,
Inspector General of Police,
Sector-I, CRPF, Hyderabad,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Chandra Shekhar Dwivedi,
Inspector General of Police,
Sector-IV, CRPF, Shillong,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Mahan Singh,
Assistant Commandant,
Signal Group Centre, CRPF,
Neemuch (M.P.),
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Karnail Singh,
Company Commander,
III Battalion, ITBP,
Nahan (H.P.),
INDO-TIBETAN BORDER POLICE.

Shri Mahesh Dutta Sharma,
Deputy Inspector General of Police,
Border Wing, New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Baldevsingh Kapoorsingh Gill,
Supdt. of Police,
Ahmedabad,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Dinesh Chandra Pathak,
Joint Director,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Chandigarh,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Dhanesh Chandra Nath,
Joint Director,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Calcutta,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Vasant Janrao Deshmukh,
Central Intelligence Officer,
Nagpur,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Narinder Singh Yadav,
Deputy Inspector General,
Headquarter National Security Guard,
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

These awards are made under rule 4(ii) of the rules governing the grant of the President's Police Medal.

No. 12-Pres./87.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1987, to award the Police Medal for Meritorious Service to the undermentioned Officers :—

Shri Avutala Hanumantha Reddy,
Crime Branch, C.I.D., Hyderabad,
Supdt. of Police,
ANDHRA PRADESH.

Shri Peram Venkaiah,
Krishna, Machilipatnam,
Supdt. of Police,
ANDHRA PRADESH.

Shri K. Suvyanarayana Murthy,
Deputy Commissioner of Police,
South Zone, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Chinta Potha Reddy,
Deputy Supdt. of Police,
Narasipatnam Sub-Division,
Narasipatnam,
ANDHRA PRADESH.

Shri Nidadavolu Satyanarayana,
Deputy Supdt. of Police,
Gudivada Sub-Division,
Krishna District,
ANDHRA PRADESH.

Shri Chepur Venkat Seshgiri Rao,
Deputy Supdt. of Police,
Anti-Corruption Bureau, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Koppala Subbanna,
Deputy Supdt. of Police,
Central Investigating Unit,
Anti-Corruption Bureau, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Bhiman Rai,
Reserve Inspector of Police,
1st Battalion, A.P.S.P., Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Mohammed Abdul Rasheed,
Assistant Police Radio Supervisor,
Communications and Training, Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Taraprasad Chakravarty,
Supdt. of Police,
Special Branch, Guwahati,
ASSAM.

Shri Jadu Nath Dutta,
Deputy Supdt. of Police,
Special Branch, Guwahati,
ASSAM.

Shri Prabhat Singha Lahkar,
Inspector of Police,
Bureau of Investigation
(Economic Offences), Guwahati,
ASSAM.

Shri Ram Krishna Sharma,
Additional Supdt. of Police,
Special Branch, Patna,
BIHAR.

Shri Ranbir David Subarna,
Additional Supdt. of Police,
Patna,
BIHAR.

Shri Prem Ranjan Sharma,
Deputy Supdt. of Police,
Special Branch Headquarters, Patna,
BIHAR.

Shri Nageshwar,
Inspector of Police, Ranchi,
BIHAR.

Shri Raj Kishore Sahay,
Sub-Inspector of Police (II),
Special Branch, Patna,
BIHAR.

Shri Basudeo Mishra,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Special Branch, Darbhanga,
BIHAR.

Shri Deo Nath Singh,
Sepoy No. 353,
Bihar Military Police,
Battalion 6, Muzaffarpur,
BIHAR.

Shri Shankerrao Ramchandra Gaikwad,
Deputy Supdt. of Police (Armed),
S.R.P.F. GR. I, Baroda,
GUJARAT.

Shri Govind Ganpat Sawant,
Deputy Supdt. of Police (Armed),
S.R.P.F., GR. V, Godhra,
GUJARAT.

Shri Vithal Babaji Uttkar,
Sub-Inspector of Police (Armed),
S.R.P.F. GR. VIII, Gondal,
GUJARAT.

Shri Jagatsinh Amarsinh Jetawat,
Head Constable (1st Grade),
Anti-Corruption Bureau, Himatnagar,
GUJARAT.

Shri Bhailal Karsanji Borisagar,
Head Constable No. 1194 (Grade-II),
Rajkot Rural, Rajkot,
GUJARAT.

Shri Babubhai Budhiyabhai Patel,
Jamadar (1st Grade), B. No. 542,
Surat City Police Headquarters, Surat,
GUJARAT.

Shri Madhukar Laxman Kulkarni,
Jamadar (Armed I Grade), B. No. 399,
Surat City Police Headquarters, Surat,
GUJARAT.

Shri Rabinder Nath Vasudeva,
Supdt. of Police,
State Vigilance Bureau, Karnal,
HARYANA.

Shri Jai Narain,
Inspector of Police,
Fatehabad, District Hissar,
HARYANA.

Shri Uttam Singh,
Inspector of Police (Wireless),
Wireless Organisation, Shimla,
HIMACHAL PRADESH.

Shri Abdul Rahim,
Supdt. of Police,
Vigilance, Baramulla,
JAMMU AND KASHMIR.

Shri Abdul Rahim,
Inspector of Police,
Police Station Pacca Danga, Jammu,
JAMMU AND KASHMIR.

Shri Maqsood Hussain Shah,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Police Station Poonch, Srinagar,
JAMMU AND KASHMIR.

Shri Puli Kodandaramaiah,
Deputy Inspector General of Police,
Central Range, Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Mohamed Ibrahim Shariff,
Deputy Supdt. of Police,
Office of the Lokayukta, Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Krishnamurthy Subramanya Bayar,
Assistant Commissioner of Police,
Traffic, Bangalore City,
KARNATAKA.

Shri Shimoga Manjauah Ranganath Adiga,
Deputy Supdt. of Police,
C.O.D., Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Daso Banderao Desai,
Deputy Supdt. of Police,
Intelligence, Bellary,
KARNATAKA.

Shri C. Mohammad Iqbal,
Deputy Supdt. of Police,
District Karwar,
KARNATAKA.

Shri Rathyalappa Yellappa,
Inspector of Police,
Bangalore City,
KARNATAKA.

Shri Govindaiah Mudalaiah,
Inspector of Police,
Special Inquiries Squad,
C.O.D., Bangalore,
KARNATAKA.

Shri V. Joseph Thomas,
Deputy Inspector General of Police,
Central Range, Ernakulam,
KERALA.

Shri Pullonplavil Narayanan Surendranathan,
Deputy Commandant,
Armed Police Training Centre, Trichur,
KERALA.

Shri Krishna Pillai Surendran Nair,
Reserve Sub-Inspector of Police,
Police Training College, Trivandrum,
KERALA.

Shri Madhavan Balakrishnan,
Constable No. E-2185,
Crime Branch, Ernakulam City,
KERALA.

Shri Anand Kumar,
Deputy Inspector General of Police,
State Bureau of Investigation
(Economic Offences), Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Swaraj Kumar Puri,
Assistant Inspector General of Police,
PCR Cell, Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Sadaram Shambhuji Warwade,
Supdt. of Police, Khargone,
MADHYA PRADESH.

Shri Vijay C. David,
Supdt. of Police (Security),
Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Vijay Shankar Choubey,
Supdt. of Police, Durg,
MADHYA PRADESH.

Shri Puran Bahadur Thapa,
Assistant Commandant,
Armed Police Training College, Indore,
MADHYA PRADESH.

Shri Brij Lal Pandey,
Deputy Supdt. of Police,
State Bureau of Investigation
(Economic Offences), Raipur,
MADHYA PRADESH.

Shri Kailash Singh Pawar,
Inspector of Police (Radio),
Police Radio Headquarters, Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Uttam Rao Shinde,
Company Commander,
2nd Battalion, S.A.F., Gwalior,
MADHYA PRADESH.

Shri Shankar Martand Valuskar,
Inspector of Police (M),
Police Headquarters, Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Laxman Singh,
Platoon Commander,
9th Battalion, S.A.F., Rewa,
MADHYA PRADESH.

Shri Kamal Prasad Gurung,
Head Constable No. 510,
HQ. Coy. 18th Battalion, MP SAF (IR),
Tezpur (Assam),
MADHYA PRADESH.

Shri Munni Lal,
Head Constable (MT),
State Bureau of Investigation,
(Economic Offences), Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Shrikrishna,
Constable No. 60,
District Dhar,
MADHYA PRADESH.

Shri Sharchchandra Laxman Soman,
Assistant Commissioner of Police,
Tardeo Division, Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Dattatraya Yadavrao Bhosale,
Additional Deputy Commissioner,
C.I.D. (I.S.W.), Kolhapur,
MAHARASHTRA.

Shri Jayendra Anant Walavalkar,
Assistant Commissioner of Police,
Anti-Corruption Bureau, Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Shripad Dattatraya Karandikar,
Assistant Commissioner of Police (Wireless),
Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Pandurang Ramchandra Pasalkar,
Inspector of Police (Armed),
S.R.P.F., Gr. VIII, Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Dinkar Balkrishna Mujumdar,
Inspector of Police,
Prevention of Crime Branch, C.I.D.,
Greater Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Bhimrao Shripat Barde,
Sub-Inspector of Police (Armed),
S.R.P.F., Gr. III, Jalna,
MAHARASHTRA.

Shri Bhalchandra Dattatraya Sawant,
Senior Intelligence Officer,
C.I.D. (I.S.W.), Chiplun,
MAHARASHTRA.

Shri Rajaram Dagdu Thombre,
Assistant Sub-Inspector of Police (Armed),
Police Headquarters, Parbhani,
Assistant Sub-Inspector of Police B. No. 1107,
MAHARASHTRA.

Shri Wamanrao Narayanrao Bhakre,
Assistant Sub-Inspector of Police B. No. 1107,
Police Headquarters, Amravati,
MAHARASHTRA.

Shri Ramdeep Ganga Yadav,
Head Constable No. 12663/CB,
Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Sakharan Ramchandra Dukhande,
Head Constable B. No. 11580/CB,
C.I.D., Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Anant Dhanaji Salvi,
Head Constable,
Local Crime Branch, Ratnagiri,
MAHARASHTRA.

Shri Kondiba Appaji Khadtare,
Assistant Sub-Inspector (Head Constable),
C.I.D. (I.S.W.), Pune,
MAHARASHTRA.

Shri Namdeo Shrirang Bhoir,
Head Constable (Armed) B. No. 2/31,
District Satara,
MAHARASHTRA.

Shri Shamsunder Ranganath Punde,
Intelligence Officer,
C.I.D. (I.S.W.), Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Dattatraya Govind Shitole,
Head Constable B. No. 1775,
Anti-Corruption Bureau, Pune,
MAHARASHTRA.

Shri Vishnu Shridhar Ajgaonkar,
Head Constable B. No. 11753/ACB,
Anti-Corruption Bureau,
Greater Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Vinayak Ranganath Vaidya,
Head Constable,
C.I.D. (I.S.W.), Aurangabad,
MAHARASHTRA.

Shri Krishna Pal Singh,
Supdt. of Police/Joint Secretary (Home),
Imphal,
MANIPUR.

Shri Arambam Pradeep Singh,
Supdt. of Police,
C.I.D. (Special Branch), Imphal,
MANIPUR.

Shri Kshirode Sindhu Doss,
Inspector of Police,
Anti-Corruption Branch,
Shillong,
MEGHALAYA.

Shri Indrajeet Jee Jachuck,
Supdt. of Police,
Balasore,
ORISSA.

Shri Banamali Dash,
Deputy Supdt. of Police, Vigilance,
Sambalpur Division, Sambalpur,
ORISSA.

Shri Puti Narayan Swamy,
Inspector of Police, Vigilance,
Berhampur Division, Berhampur,
ORISSA.

Shri Prafulla Kumar Tripathy,
Driver Havildar,
Vigilance Directorate, Cuttack,
ORISSA.

Shri Daitari Nayak,
Constable,
C.I.D., Crime Branch, Cuttack,
ORISSA.

Shri Paramjit Singh Sandhu,
Senior Supdt. of Police,
Sangrur,
PUNJAB.

Shri Narendra Pal Singh,
Deputy Supdt. of Police,
Taran Taran,
PUNJAB.

Shri Sita Ram,
Inspector,
SHO, Taran Taran,
PUNJAB.

Shri Daya Singh,
Inspector,
CIA,
PUNJAB.

Shri Gurpal Singh,
Inspector of Police No. FR/61,
Police Station Sadar Batala,
Gurdaspur,
PUNJAB.

Shri Santokh Singh,
Inspector of Police No. 167/PR,
Vigilance Flying Squad-1,
Chandigarh,
PUNJAB.

Shri Nasib Chand,
Inspector of Police No. 114/PAP,
C.I.D. (Intelligence Wing),
Chandigarh,
PUNJAB.

Shri Sat Pal,
Sub-Inspector of Police No. 85/SGR,
Computerisation,
Chandigarh,
PUNJAB.

Shri Raghbir Singh,
Sub-Inspector of Police No. 179/PAP,
13th Battalion, PAP,
Jalandhar Cantt.,
PUNJAB.

Shri Onkar Singh,
Sub-Inspector of Police,
Amritsar,
PUNJAB.

Shri Harcharan Singh Suri,
Sub-Inspector of Police,
SHO, Jandiala Guru,
Amritsar,
PUNJAB.

Shri Mahesh Kumar,
Head Constable,
PUNJAB.

Shri Gurinder Pal Singh,
Constable,
PUNJAB.

Shri Bhopal Singh,
Additional Supdt. of Police,
Rajasthan Police Academy,
Jaipur,
RAJASTHAN.

Shri Natwar Lal Sharma,
Deputy Supdt. of Police,
Rajsamand,
District Udaipur,
RAJASTHAN.

Shri Prem Nath Soni,
Deputy Supdt. of Police,
District Nagaur,
RAJASTHAN.

Shri Harish Chandra Sharma,
Sub-Inspector of Police,
Police Station Sodala,
Jaipur City,
RAJASTHAN.

Shri Mohammed Usman Khan,
Head Constable No. 60 (AP),
District Jhunjhunu,
RAJASTHAN.

Shri Kishan Lal Meena,
Head Constable No. 2548,
Police Station Kotwall,
Jaipur City,
RAJASTHAN.

Shri Kishan Singh,
Lance Head Constable No. 1184,
Crime Branch, Udaipur,
RAJASTHAN.

Shri V. K. Rajagopal,
Deputy Inspector General of Police and
Director of Fire Services,
Madras,
TAMIL NADU.

Shri Antony Jeyaseelan Xavier Alexander,
Deputy Inspector General of Police,
Enforcement, Madras,
TAMIL NADU.

Shri Thangapalam Vivekanandara,
Deputy Supdt. of Police (Security),
Special Branch, C.I.D., Madras,
TAMIL NADU.

Shri David Manoharan,
Deputy Supdt. of Police,
Investigating Agency,
Vigilance and Anti-Corruption,
Madras,
TAMIL NADU.

Shri Madurai Ponnappan Pandian,
Inspector of Police,
Prohibition Intelligence Bureau, Madras,
TAMIL NADU.

Shri Gopalan Govindan,
Inspector of Police,
Regimental Centre, Avadi,
TAMIL NADU.

Shri K. Natesan,
Inspector of Police,
Tamil Nadu Special Police II Battalion,
Avadi,
TAMIL NADU.

Shri M. Sahul Hamid,
Sub-Inspector of Police,
Civil Supplies, Madras,
TAMIL NADU.

Shri M. Thivagarajan,
Head Constable No. 3397,
Mylapore Traffic Police Station,
Madras City,
TAMIL NADU.

Shri S. Murugesan,
Constable No. 678 (Grade II),
Erode Control Room P.S.,
Periyar District,
TAMIL NADU.

Shri Parag Baran Dutta,
Deputy Supdt. of Police (Central), Agartala,
TRIPURA.

Shri P. S. V. Prasad,
Deputy Inspector General of Police,
Communal, Intelligence, Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Ram Chandra Sharma,
Deputy Inspector General of Police,
C.I.D., Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Raghubir Singh,
Deputy Supdt. of Police,
(Assistant Commandant),
VIII Battalion, P.A.C., Bareilly,
UTTAR PRADESH.

Shri Sheo Ram Singh,
Deputy Supdt. of Police,
State Electricity Board, Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Ganga Bal Singh,
Deputy Supdt. of Police,
Gonda,
UTTAR PRADESH.

Shri Ramesh Pal Singh,
Deputy Supdt. of Police,
Mathura,
UTTAR PRADESH.

Shri Surendra Nath Srivastava,
Office Supdt.,
P.A.C. Headquarters, Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Mahesh Narain Singh,
Inspector of Police,
Shahjehanpur,
UTTAR PRADESH.

Shri Bhaawan Singh,
Head Drill Instructor,
Police Training College-I, Moradabad,
UTTAR PRADESH.

Shri Harihar Singh,
Company Commander,
35th Battalion, P.A.C., Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Suresh Chand Gupta,
Deputy Inspector of Police (M),
U. P. Vigilance Establishment, Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Ram Narain Singh,
Deputy Inspector of Police (M),
Office of the I.G.P.,
Kanour Zone, Kanpur,
UTTAR PRADESH.

Shri Kesheo Dutt Panth,
15th Battalion, P.A.C., Agra,
Platoon Commander,
UTTAR PRADESH.

Shri Jagannath Chaubey,
Platoon Commander,
26th Battalion, P.A.C., Gorakhpur,
UTTAR PRADESH.

Shri Ratan Singh,
Platoon Commander,
35th Battalion, P.A.C., Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Jang Bahadur Singh,
Sub-Inspector of Police,
M. T. Intelligence Department, Lucknow,
UTTAR PRADESH.

Shri Somai Ram,
Head Constable,
28th Battalion, P.A.C., Etawah,
UTTAR PRADESH,

Shri Sant Ram,
Head Constable,
21 Armed Police, Police Lines, Etah,
UTTAR PRADESH,

Shri Chandra Pal Singh,
Head Constable,
Armed Police,
Headquarters of Director General of Police, Lucknow,
UTTAR PRADESH,

Shri Ram Chandra,
Constable,
62 Armed Police, Budaun,
UTTAR PRADESH,

Shri Ram Raj Upadhyaya,
Constable 164,
Civil Police, District Gonda,
UTTAR PRADESH,

Shri Syed Iftikhar Sultan Ahmed,
South 24-Parganas,
WEST BENGAL.

Shri Prakash Chandra Bhattacharjee,
Inspector of Police,
Intelligence Branch, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Dilip Kumar Kundu,
Inspector of Police,
C.I.D. Siliguri,
WEST BENGAL.

Shri Arabinda Ray,
Inspector of Police,
Special Cell, Traffic Department, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Lakshmi Narayan Banerjee,
Inspector of Police,
2nd Battalion, Calcutta Armed Police,
Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Paritosh Biswas,
Sub-Inspector of Police,
Police Station Chopra,
West Dinajpur,
WEST BENGAL.

Shri Rabindra Nath Chakraborty,
Sub-Inspector of Police,
Enforcement Branch, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Kumares Chaudhuri,
Sergeant,
Headquarters Force, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Dharendra Nath Dey,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Detective Department, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Sushil Chandra Roy Maulik,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Security Control Organisation, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Patit Paban Chatterjee,
Head Constable,
South Division, Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Bishnu Prasad Newar,
Havildar No. 10914,
4th Battalion, Calcutta Armed Police,
Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Janaki Prasad Naithani,
Constable,
Police Station Mayureswar,
District Birbhum,
WEST BENGAL.

Shri Mohd. Aslam Khan,
Sepoy No. 17519,
4th Battalion, Calcutta Armed Police,
Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Ram Rattan Sharma,
Deputy Supdt. of Police,
Chandigarh,
CHANDIGARH ADMINISTRATION.

Shri Subhash Chander Abrol,
Inspector of Police, No. CHG/9,
CHANDIGARH ADMINISTRATION.

Shri Hanuman Rama Bhosle,
Head Constable (Armed),
Police Headquarter, Silvassa,
DADRA AND NAGAR HAVELI.

Shri Balath Balan,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Amini,
LAKSHADWEEP.

Shri Chandroth Aboobacker,
Supdt. of Police (Traffic),
PONDICHERRY.

Shri Maxwell F. J. Pereira,
Deputy Commissioner of Police,
South District, New Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Prabhat Lal,
Assistant Commissioner of Police,
Central District, Pahar Ganj,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Bal Krishan Tanwar,
Assistant Commissioner of Police,
Crime Branch, Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Banarsi Dasa,
Inspector of Police No. D-I/10,
III Battalion, D.A.P., Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Harbans Singh,
Sub-Inspector of Police No. D/208,
South District, New Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Mehar Chand,
Head Constable No. 29/Crime,
Personnel Section C.P., New Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Bachl Ram,
Constable No. 71/SB,
Special Branch, Delhi,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Yateendra Singh Jafa,
Deputy Inspector General,
Srinagar (J&K),
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Satpal Sawhney (IRLA No. 0686),
Additional Deputy Inspector General,
Frontier HO BSF, Jammu,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Roon Singh Jasrotia,
Additional Deputy Inspector General/Deputy Director,
BSF Academy, Tekanpur,
BORDER SECURITY FORCE.

Dr. Sharad Kumar Jha,
Senior Medical Officer,
BSF Base Hospital, Jalandhar Cantt.,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Umed Singh,
Commandant/Assistant Director (HQ),
Headquarter, BSF, New Delhi,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Manjit Singh (IRLA No. 667),
Deputy Commandant,
29 Battalion,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Bhagat Singh,
Deputy Commandant,
4 Battalion,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Sudarshan Kumar Bhatia,
Joint Assistant Director (Communication),
Headquarters, I.G. BSF, Jodhpur,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Romal Chand Katoch (IRLA NO. 1469),
Deputy Commandant,
Training Centre and School, Hazaribagh,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Krishan Kumar Sharma,
Law Officer,
Headquarter, New Delhi,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Kehar Singh Dhillon,
Subedar Major,
91, Battalion, BSF Post,
New Coochbehar, North Bengal,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Chamman Lal,
Inspector No. 674220139,
43 Battalion, BSF, Bareilly,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Krishna Bahadur Sarki
Inspector No. 66755078,
72 Battalion, BSF,
Teliana, (Tripura),
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Jagmal Singh,
Sub-Inspector No. 66276047,
27 Battalion BSF, Jaisalmer,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Laxman Singh,
Sub-Inspector No. 691320047,
CSWT BSF, Indore,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Satya Pall Parashar,
Sub-Inspector No. 684110974,
BSF Signal Regiment,

Shri Roshan Lal,
Head Constable No. 67488033,
44 Battalion, BSF,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri S. Linga Durai,
Head Constable No. 671020501
103 Battalion, BSF, Panbari
District Dhubri (Assam),
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Jaswant Singh,
Head Constable No. 781050146,
7 PGA Unit, BSF, Bikaner,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Ranvir Singh Vohra,
Commandant (SG),
31 Battalion, CRPF, New Delhi,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Kulbir Singh,
Commandant,
64 Battalion, CRPF, Mizoram,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Paramjit Singh Sandhu,
Assistant Commandant,
4 Signal Battalion, CRPF,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Narayan Singh Shekhawat,
Assistant Commandant,
Group Centre, CRPF,
Dimapur (Nagaland),
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Jejinder Singh Dhillon,
Assistant Commandant,
71 Battalion, CRPF, Delhi,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Shambhu Nath Ojha,
Deputy Supdt. of Police,
81 Battalion, CRPF, Darjeeling,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Har Narain Singh,
Deputy Supdt. of Police/Company Commander,
9th Battalion, CRPF, New Delhi,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Debu Ram,
Inspector No. 570062775,
8th Battalion, SRPF,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri V. G. Deshmukh,
Inspector,
ISA, CRPF, Mount Abu,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Ghanshyam Dass Sachdeva,
Subedar Major No. 562061024 (M),
Office of IGP, S/III, CRPF,
New Delhi
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Lal Chand,
Sub-Inspector,
66th Battalion, CRPF, Aizawl,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Darshan Ram,
Head Constable No. 560020860,
DG CRPF, New Delhi,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Tara Singh
Head Constable No. 520320014,
58 Battalion, CRPF,
Lunglei (Mizoram),
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Dharam Singh,
Naik (Driver),
34 Battalion, CRPF,
Zemabawk (Mizoram),
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Ram Bahadur Gurung,
Constable No. 560030194,
3 Battalion, CRPF, Amritsar,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Diwan Singh,
Constable No. 680382808,
38 Battalion, CRPF,
Dum Dum Airport, Calcutta,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Bur Singh,
Constable No. 680401577,
67 Battalion CRPF, Ludhiana,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Shyamal Ranjan Bhattacharjee,
Commandant,
1 Battalion, ITBP, Srinagar
INDO-TIBETAN BORDER POLICE.

Shri Karan Singh Yadav,
Commandant,
Support Battalion, ITBP,
District Shivpuri (MP),
INDO-TIBETAN BORDER POLICE.

Shri Nokhu Ram,
Subedar,
B.T.C., ITBP.,
Kulu (Himachal Pradesh),
INDO-TIBETAN BORDER POLICE.

Shri Miku Ram,
Head Constable,
Combat Wing, HADS Academy, ITBP,
Mussoorie,
INDO-TIBETAN BORDER POLICE.

Shri Vakeel Muralcedharan,
Principal,
CISF Recruits Training School,
Deoli (Rajasthan),
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE.

Shri Batukeshwar Chakraborty,
Assistant Commandant
CISF Unit, Oil India Ltd.,
Duliajan (Assam),
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE.

Shri Purshottam Lal
Deputy Inspector General of Police,
Chandigarh,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Kalvan Kumar Mandal,
Deputy Inspector General of Police,
CBI, Calcutta Zone, Calcutta,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Ram Mehar Singh,
Supdt. of Police,
Central Investigating Unit (P)
New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Arun Wamanrao Degwekar,
Supdt. of Police,
Special Investigation Cell (P)
New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Murlidhar Singh,
Deputy Supdt. of Police,
Central Investigating Unit (III),
New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Shree Ram Agrawal,
Deputy Supdt. of Police,
Central Investigating Unit (B),
New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Ram Deo Pandey,
Deputy Supdt. of Police,
Special Investigating Cell (P),
New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Hrudananda Das,
Inspector of Police
CBI, Rourkela Unit,
Bhubaneswar,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Sattupathu Ganapathi Subramanian Sundaram
Sub-Inspector of Police,
CBI, General Offences Wing, Madras,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Avaroth Veetil Damodharan Nambiar,
Sub-Inspector of Police, Cochin,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Dev Karan,
Head Constable,
CBI, Special Unit New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Mohd. Khairat Ali,
Head Constable,
Hyderabad,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Balwant Singh,
Constable,
Head Office New Delhi,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Sudhir Kumar,
Deputy Director,
Intelligence Bureau Headquarters,
New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Mathew John,
Deputy Director,
Intelligence Bureau Headquarters,
New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Ramasraya Tewari
Assistant Director,
Intelligence Bureau Headquarters,
New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri K. Krishnamachari
Central Intelligence Officer,
Vijayawada,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Sunit Kumar Bhattacharya,
Assistant Director,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Jaipur,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Shrinivas Venkatesh Potdar,
Senior Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau, Bombay,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Mukhven Chander Bali
Deputy Central Intelligence Officer,
I.B. Headquarters,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Ganga Singh,
Deputy Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Jaipur,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Debabrota Mukherjee,
Deputy Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Calcutta,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Vichitra Singh Tomar,
Deputy Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau, Bhopal,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Shiv Lochan Prakash,
Deputy Central Intelligence Officer,
I.B. Headquarters,
New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Pudukurichi Rangaswami Venkata Raju,
Technical Officer
Subsidiary Intelligence Bureau,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Phani Bhushan Deb Roy,
Assistant Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Calcutta
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Saware Singh,
Assistant Central Intelligence Officer,
I.B. Headquarters,
New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Vasudeo Prasad Tripathi,
Assistant Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau, Bhopal,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Kanjirakattu Mukundan,
Junior Intelligence Officer,
Madras,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Narendra Prakash Gupta,
Assistant Director,
BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT.

Shri Narayan Singh Solanki,
Sub-Inspector of Police,
Motor Transport
SVP NATIONAL POLICE ACADEMY,
HYDERABAD.

Shri Man Bahadur Tamang,
Head Constable (MT),
Umsaw Barapani,
NORTH EASTERN POLICE ACADEMY.

Shri Sadhu Ram,
Sub-Inspector of Police,
Special Investigation Team, New Delhi,
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

Shri Rudra Pal Singh,
Squadron Commander,
Training Centre, Gurgaon,
National Security Guard
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

Shri Kewal Krishan Luthra,
Deputy Supdt. of Police/Team Commander,
Headquarter, New Delhi,
National Security Guard
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

Shri Spratt Herbert Mohan,
Deputy Director (Computers),
National Crime Records Bureau,
New Delhi,
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

Shri Krishnan Yesodharan,
Sub-Inspector,
National Crime Records Bureau,
New Delhi,
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.

Shri Dharam Veer Mehta,
Additional Inspector General
Railway Protection Force,
Western Railway, Bombay,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Kumar Vishwanath Singh,
Senior Commandant (Headquarters)
North Eastern Railway, Railway Protection Force,
Gorakhpur,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Munnadinadar Rengaraj,
Assistant Commandant-Cum-Principal,
Railway Protection Force,
Training Centre, Thiruchchirappalli,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Manbir Prasad Singh
Assistant Commandant,
Railway Protection Force,
Eastern Railway Headquarters,
Calcutta,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Man Mohan Singh Sodhi
Assistant Commandant,
6 Battalion,
Railway Protection Special Force, Delhi,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Rajbir Singh,
Head Constable,
Railway Protection Force,
Northern Railway Headquarters,
New Delhi,
MINISTRY OF RAILWAYS.

These awards are made under rule 4(ii) of the rules governing the grant of the Police Medal.

S. NILAKANTAN,
Dy. Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-110001, the 1st January 1987

No. 4/5/RCC-85.—The Speaker has nominated Shri Kalpnath Rai to be a Member of the Committee to review the rate of dividend payable by Railway Undertaking to General Revenues as well as other ancillary matters in connection with the Railway Finance vis-a-vis the General Finance in the vacancy caused by his retirement from Rajya Sabha on the completion of his term of office as Member of Rajya Sabha on 4th July, 1986.

No. 4/5/RCC-85.—The Speaker has nominated Shri Kailash Yadav to be Member of the Committee to Review the Rate of Dividend Payable by Railway Undertaking to General Revenues as well as other Ancillary Matters in connection with the Railway Finance vis-a-vis the General Finance vice Shri Bansi Lal ceased to be a member of Lok Sabha.

KRISHNAPAL SINGH,
Senior Financial Committee Officer

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 2nd January 1987

RESOLUTION

No. 11011/21/85-HIC.—In partial modification of the Resolution No. 11011/21/85 HIC dated 31st January, 1986 regarding constitution of Hindi Salahkar Samiti of the Deptt. of Economic Affairs (Including Banking & Insurance), Committee of Parliament on Official Language has nominated Dr. Ratnakar Paundey, Member of Parliament (Rajya Sabha) in place of Shri B. V. Desai as a member of Hindi Salahkar Samiti of the Deptt. of Economic Affairs (Including Banking and Insurance).

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Director of Audit, Central Revenues, All Members of Hindi Salahkar Samiti and all Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for General information.

J. L. BAJAJ, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF CHEMICALS AND PETROCHEMICALS)

New Delhi, the 29th December 1986

RESOLUTION

No. L-52019/10/86-D.VI.—In pursuance of the measures announced recently for rationalisation, quality control and

growth of drugs and pharmaceutical industry, the Government of India in the Ministry of Industry, Department of Chemicals and Petrochemicals constitutes an inter-Ministerial Coordination Committee for better integration between the health policies and industrial policies in the Pharmaceutical Sector:

The composition of the Committee will be the following:—

Chairman

1. Secretary, Department of Chemicals & Petrochemicals

Member

2. Additional Secretary, Ministry of Health & Family Welfare
3. Drug Controller of India
4. Deputy Director General of Technical Development
5. Joint Secretary Deptt. of Industrial Development (Incharge of SIA)
6. Joint Secretary, Ministry of Commerce
7. Joint Secretary, Ministry of Finance
8. Adviser, Deptt. of Science & Technology

Member Secretary

9. Joint Secretary (Drugs), Deptt. of Chemicals & Petrochemicals

The following will be the terms of reference of the Committee:

- (i) To oversee the implementation of the new measures and to review and monitor periodically the progress made in the implementation.
- (ii) To remove the bottleneck, if any, in the implementation of these measures;
- (iii) To coordinate between various Departments concerned with the implementation of these measures.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats and the Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. S. MATHUR, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 26th December 1986

RESOLUTION

No. E-11015/12/84-Hindi.—Government of India have accepted the resignation of Dr. H. C. Verma from the membership of the Hindi Salahakar Samiti of this Ministry constituted vide this Ministry's Resolution No. E-11015/12/84-Hindi dated the 13th September, 1985, with immediate effect.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, all Ministries/Departments of the Government of India, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Controller of Accounts, Ministry of Food & Civil Supplies.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

H. D. BANSAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS

**AND WILD LIFE)
RULES**

New Delhi, the 31st January, 1987

No. 17011/4,86-IFS II.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1987 for the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

1. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

2. Every candidate appearing at the Examination, who is otherwise eligible, shall be permitted three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1984.

Provided that this restriction on the number of attempts will not apply in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates who are otherwise eligible.

NOTE 1.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 2.—Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or

(d) A Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate, belonging to categories (b) (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5(a) A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st July, 1987 i.e. he must have been born not earlier than 2nd July, 1961 and not later than 1st July 1966.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;

(x) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian Origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiv) up to a maximum of five years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within

six months from 1st July, 1987) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

- (xv) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st July, 1987) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment; who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

- (xvi) upto a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st July, 1987 and who assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

- (xvii) upto a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st July, 1987 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

- (xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

- (xix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe

and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

- (xx) up to a maximum of six years, if a Candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

- (xxi) up to maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE :—Ex-Servicemen who have already joined Government job on civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(b) (xiv) & 5 (b) (xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture or in Engineering of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also candidates who intend to appear at such a qualifying examination will *NOT* be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by the other insti-

tutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A Candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(c); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) Violating and of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

16. A CANDIDATE SHALL BE REQUIRED TO INDICATE IN COLUMN 25 OF THE APPLICATION FORM IF HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT TO THE STATE TO WHICH HE/SHE BELONGS IN CASE HE/SHE IS APPOINTED TO THE INDIAN FOREST SERVICE.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometers in 4 hours in the case of male candidates and 14 Kilometres in 4 hours for female candidates.

18. No. person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to Service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing; exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidate has to take after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix-II.

M. V. KESAVAN
Deputy Secretary

APPENDIX I

SECTION I

Plan of Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises :—

(A) Written examination in—

(i) two compulsory subjects viz., General English and General Knowledge [See Sub-Section (a) of Section II below]—Maximum marks : 300.

(ii) a selection from the optional subject set up in Sub-section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-Section candidates must take any two of those subjects—Maximum marks : 400.

(B) Interview for Personality Test (vide Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 150.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subject *vide* Sub-section A(i) of Section I above :—

	Code No.	Maximum marks
(1) General English	21	150
(2) General Knowledge	22	150

(b) Optional subjects *vide* Sub-section A (ii) of Section I above :—

Subject	Code No	Maximum Marks
Agriculture	01	200
Botany	02	200
Chemistry	03	200
Civil Engineering	04	200
Geology	05	200
Agricultural Engineering	06	200
Chemical Engineering	07	200
Mathematics	09	200
Mechanical Engineering	10	200
Physics	11	200
Zoology	13	200

Provided that the following restrictions shall apply to the above subjects :

- (i) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 01 and 06;
- (ii) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 03 and 07.

Note.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION II

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-sections (a) and (b) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

9—431GI/86

5. If a candidate's handwriting is not easily legible deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

8. In the question papers wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

9. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science or Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ENGLISH (Code 21)

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or précis.

GENERAL KNOWLEDGE (Code 22)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidate should be able to answer without special study.

NOTE.—The paper in General Knowledge will consist of objective type questions only. For details including sample questions, please see Candidate's Information Manual at Annexure II to the Commission's Notice.

AGRICULTURE—(Code—01)

Candidates will be required to answer questions from Sections (A) and (B) or Sections (A) and (C) below :

(A) *Agricultural Economics*

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production, marketing, labour credit etc.

Nature of study of farm management its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming-determining factors. Planning for profitable use of land, water, labour and equipment, methods of measuring farm efficiency, nature and purpose of farm book-keeping farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) *Agronomy*

Crop Production—Detailed study of KHARIF Crops; Paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sunhemp, Moong, Urd with reference to their introduction, distribution, seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate inter-culture, harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops; Wheat, Barley, Gram, Mustard, Sugarcane, Tobacco, Berseem, with reference to their origin, history, distribution, soil and climate requirements, seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate interculture, harvesting, storing, physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India. Injurious effects and losses caused by weeds chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principles of Irrigation and Drainage—Necessity and sources of irrigation water, water requirements of crops, common water lifts, duty of water, prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantage and limitations of each method. Measurement of

irrigation water. Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water, methods of drainage.

(C) *Soil Science & Soil Conservation*

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange capacity, base saturation percentage ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter, its decomposition and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation and reclamation. Effect of organic manures, green manures and fertilizers on soil properties, properties of common nitrogenous, phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space, soil structure, soil water, types of soil water, its retention, movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil air and its importance. Soil structure, its forms and their effect on the physio-chemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying—Earth's crust; soil forming rocks and minerals; their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals, factors, and processes of soil formation, great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation—Soil erosion, factors effecting erosion, soil conservation, soil properties in relation to agronomic and engineering practices, land drainage, needs and practices for agricultural lands, land use classification soil conservation, planning and programme.

BOTANY—(Code—02)

1. Survey of the Plant, Kingdom.—Difference between animals and plants : Characteristics of living organism : Unicellular and multicellular organism : Viruses, basis of the division of the plant kingdom.

2. Morphology—(i) Unicellular plants—Cell, its structure and contents : division and multiplication of cells.

(ii) Multicellular plants—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants; external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history*.—Of at least one member of the following Categories of plants; Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae, Rhodophyceae, Phycomycetes, Ascomycetes, Basidiomycetes, liver worts, Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy*.—Principles of classification : Principal systems of classification of angiosperms; distinctive features and economic importance of the following families Gramineae, Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae, Rutaceae, Malvaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malyaceae, Apocynaceae, Ascleidaceae, Diterocarpaceae, Myrtaceae, Umbeliferolibiateae, Solanaceae, Rubiceae, Cucumbitaceae, Verbanaceae and Compositae.

5. *Plant Physiology*.—Autotrophy, heterotrophy, intake of water and nutrients, transpirations, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth reproduction : Plant/animal relation; symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. *Plant Pathology*.—Cause and Cure of plant diseases; disease organisms, Viruses, deficiency disease; disease resistance.

7. *Plant Ecology*.—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology*.—Cytology, Genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour, Mutation, Evolution.

9. *Economic Botany*.—Economic use of plants esp. flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruit, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany*.—A general knowledge with the development of knowledge relating to the botanical science.

CHEMISTRY—(Code—03)

1. *Inorganic Chemistry*

Electronic configuration of elements, Aufbau principle, Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronic Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Werner's theory of coordination compounds, Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and Oxidation number. Common oxidising and reducing agents, Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification, Principles of extraction isolation (and metallurgy) of important elements.

Structures of hydrogen peroxide diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus-chlorine and sulphur.

Inert gases : Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of : Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilisers.

2. *Organic Chemistry*

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic Chemistry, Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes, petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds Alcohols, Aldehydes, ketones, acid halides Esters and acetoacetic esters. Tartaric citric, maleic and others, acid anhydrides chlorides and amides, Monobasic hydroxy, ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters, Tartaric citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates, classification and general reactions. Glucose fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical isomerism concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives : Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds, Benzoic, salicylic cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution, Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. *Physical Chemistry*

Kinetic theory of gases and gas laws, Maxwell's law of distribution of velocities. Vander Waal's equation. Law of corresponding states, Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of γ /Cv.

Thermodynamics : The first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities Thermochemistry—heats of reaction formation solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solution, Osmotic pressure, lowering of vapour pressure, depression of freezing point, elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association, dissociation of solutes.

Chemical equilibria, Law of mass action and its application to homogenous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis, conductivity of an electrolyte : equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts electrolytic dissociation. Ostward's dilution law; anomaly of strong electrolytes; Solubility product strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration buffer action; theory of indicators.

Reversible cells, Standard hydrogen and calomel electrodes. Electrode and red-ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number, Ionic product of water. Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics; Molecularity and order of a reaction First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates Activated complex theory.

Phase rule; Explanation of the terms involved. Application to one and two component system. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids Coagulation. Protective action gold number. Absorption.

Catalysis : Homogenous and heterogenous catalysis. Promotors. Poisoning.

Photochemistry : Laws of Photochemistry. Simple numerical problems.

CIVIL ENGINEERING— (Code—04)

1. Building material and Properties and strength of materials

Building materials—Timber, stone, brick, lime, tile, sand, surkhi, mortar and concrete, metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.
6—753UPSC/86

Stress and strains—Hook's law—Bending Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary Engineering—

Construction—Brick and stone masonry walls, floors and roofs, staircases, carpentry in wooden floors roofs ceiling, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and varnishing etc.).

Soil mechanics—Soils and their investigations, bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principle units of measurement : Taking out quantities for building and preparation of abstract of costs—specifications and data sheets for important items.

Water supply—Sources of Water, Standards of purity, methods of purification, layout of distribution system pumps and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenance, septic tanks. Imhoff tanks, sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges :

Survey and alignment—Highway materials and their placements, Principles of design—width of foundation and pavement, camber gradient curves and super-elevation-retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam roads, bituminous surfaces and concrete roads, draining of roads : Bridge—Types, economical spans, I.R.C. loading design superstructure of small span bridges—Principles of designing, foundation of abutments and piers of bridges, pile and well foundations.

Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering :

Steel structures—Permissible stress, Design of beams simple and built-up columns and simple roof trusses and girders column bases and grillages for axially and eccentrically loaded columns—Bolted; rivetted and welded connections.

R.C.C. structures—Specification of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads permissible stresses in R.C.C. members subject to direct and bending stresses—Design of simply supported overhanging and cantilever beams, rectangular and Tee beams in floors, roofs and lintels—axially loaded columns.

GEOLOGY—(Code—05)**1. General Geology :**

Origin, age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion ; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-divisions of India. Vegetation and topography; Volcanoes earthquakes, mountains diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structure of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds, faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard of their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology :

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy :

Principles of stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological records. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

AGRICULTURE ENGINEERING—(Code—06)

1. *Soil and Water Conservation*—Definition and scope of soil conservation; Mechanics and types of erosion, their causes Hydrologic cycle rainfall and runoff—factors affecting

them and their measurements, stream gauging—Evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulic. Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterways. Principles of flood control. Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream ang erosion and its control. Wind erosion and its control, Principles of watershed management.

Investigation and planning in River Valley projects.

2. *Irrigation and drainage*—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water-consumptive use. Water requirements of crops. Measurement and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, wires and flumes. Levelling and layout of irrigation systems. Design and construction of channels, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes structures and road crossing. Occurrence of ground water, Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development, Testing of wells.

Drainage—Definition—causes of water logging. Methods of drainage. Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. *Building materials*—kinds of building materials—their properties. Timber, brickwork and R.C. construction, design of columns, beams, roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm houses, animals, shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

Farm power and machinery—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating, cooling and governing systems of IC engines. Different types of tractors. Chassis transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery, interculture tools and machinery. Plant production equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. *Electricity and rural electrification*. Power generation and transmission ; Distribution of electricity for rural electrification : A.C. and D.C. circuits.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types, selection, installation and maintenance.

CHEMICAL ENGINEERING—(Code—07)

1. Transport phenomena : (Under steady state conditions);

(a) Momentum transfer :

- (i) Different patterns of flow and their criteria
- (ii) Velocity profile.
- (iii) Filtration; sedimentation : centrifuge.
- (iv) Flow of Solids through fluids.

(b) *Heat transfer* : Different modes of heat transfer; Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan Boltzman law.

Emissivity and absorptivity. Geometrical shape factor, Heat load of furnaces—calculation.

(c) *Mass transfer* : Diffusion in gases and liquids, Absorption, desorption, humidification, dehumidification, drying and distillation. Analogy between momentum heat and mass and transfer.

2. Thermodynamics :

(a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.

(b) Determination of internal energy, entropy, enthalpy and free energy—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory of mixing various mixers for liquid-liquid, solid-liquid and solid-solid.

3. Reaction engineering :

(i) Kinetics : Homogeneous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions.

Batch and flows—Reactors and their design.

(ii) Catalysis—Choice of catalyst; Preparation;

Mechanics of catalysis based upon mechanism.

4. Transportation—Storage and transport of materials and in particular, powders, resins, volatile and non-volatile liquids, emulsions and dispersions, pumps, compressors and

blowers Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid-liquid; solid-liquid; solid-solid.

5. Material—Factors that determine choice on materials of construction in chemical industries—Metals, and alloys, ceramics, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. Instrumentation and process control—Mechanical, hydraulic, pneumatic, thermal, optical, magnetic, electrical and electronic instruments. Controls and control systems. Automation.

MATHEMATICS—(Code—09)

PART A

Algebra :

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function, equivalence relation.

Numbers : integers rational numbers, real numbers (statement of properties), complex numbers, algebra of complex numbers.

Groups, sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups, Lagrange's theorem, isomorphism.

De-Moivre theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations : Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equation, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations, location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices : algebra of matrices; determinants—simple properties of determinants, product of determinants adjoint of a matrix, inversion of matrices rank of a matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities : arithmetic and geometric means. Cauchy Schwarz inequality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, Ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions.—Planes, straight lines and spheres (Cartesian Co-ordinates only).

Calculus and Differential Equation

Differential calculus: Concept of limit; continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Roll's theorem, Mean value theorem, Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms, Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian co-ordinates only). Envelopes, partial differentiation. Euler's theorem for homogenous functions.

Integral calculus: Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of Integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergence of sequence and series, test of convergence of series with positive terms. Ratio, root and Gauss tests. Alternating series.

Differential Equations: Solution of standard first order differential equation, Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple applications of problems on growth and decay, simple harmonic motion, Simple pendulum and the like.

PART B

Mechanics: (Vector Methods may be used)

Statics—Representation of a force, parallelogram of forces; composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Triangle of forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces, centre of gravity of simple bodies. Friction—static and limiting friction angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane, simple problems, simple machines (lever, system of Pulleys, gear). Virtual work (two dimensions).

Dynamics—Kinematics—displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central orbits. Simple harmonic motion, motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

Astronomy

Spherical Trigonometry—Sine and cosine formulae, properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy—Celestial sphere, Coordinate systems and their conversion, Diurnal motion. Sidereal and solar times, mean solar time, local and standard times equation of time. Rising and setting of the sun and stars, dip of the horizon. Astronomical refraction. Twilight. Parallax, aberration, precession and nutation. Kepler's laws, Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon phases of the moon. Astronomical Instruments—Sextant, transit instrument.

Statistics

Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial—definition, mean and variance, skewness, limiting form, simple applications; Poisson—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson distribution to given data; Normal—simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distributions and simple tests of hypothesis: Random sample, Statistic, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal t , χ^2 and F distributions for test of significance.

NOTE:—Candidates will be required to answer compulsorily from Part A of the syllabus one question on each of the three topics viz. (1) Algebra, (2) Analytic Geometry of two and three dimensions, and (3) Calculus and differential equation. From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer at least one question on any one of the three topics viz., (1) Mechanics, (2) Astronomy and (3) Statistics.

MECHANICAL ENGINEERING—(Code—10)

1. Strength of Materials

—Stresses and strains—Hooke's Law and relations between elastic constants—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment, shear force and deflection in simply supported overhanging and cantilever beam for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses, and combined bending and torsion.

Elastic theory of failure—Stress concentration and fatigue.

2. Theory of Machines and Machine Designs

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed variation of fly-wheels. Governors. Power transmitted, by belt drives—Friction and lubrication of journals and thrust bearings, ball and roller bearings. Designs of fastenings, and locking devices—Proportions for rivetted, bolted and welded joints and fastening.

3. Applied Thermodynamics

Fuels Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas Laws Expansion and compression of gases.—Air compressors.

Ideal and actual engine cycle—Use of temperature—entropy heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

Simple steam engines and Internal combustion engines.

Indicators and indicator Diagrams—Mechanical Thermal air standard and actual efficiencies—General construction—Engine trial and heat balance.

4. Production Engineering

Common machine tools—Working principle and designs features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—Milling machines—Grinding machines—Jigs and fixtures Metal cutting tools—Tools materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive Wheels.

Welding—Weldability and different welding processes—Testing of welds.

Forming process—moulding, casting, forging, rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits. Measurements of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion-time data—Work sampling—Job evaluation—Wages and incentives—Planning, control, Plant layout.

5. Fluid Mechanics and Wave Power

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Designs principles, application and characteristics curves; Principles of similarity; Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

PHYSICS—(Code—11)

1. General properties of matters and mechanics

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Moment of Inertia, work energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion; Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity; Surface tension. Viscosity of liquids, Rotary pumps McLeod gauge.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations; Wave motion. Doppler effect; Velocity of sound waves; effect of pressure, temperature humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars plates and gas columns; Resonance; Beats; Stationary waves; Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture; Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones, talkies and loudspeakers.

3. Heat Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzman's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect liquefaction of gases, Heat Engines; Carnot's theorem, Laws of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; Interference; simple interferometer; Diffraction; Diffraction Grating; Polarisation of light; Elements of spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases. Gauss theorem and simple applications; Electrometers, Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; measurement of current and resistance;

Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects. Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

ZOOLOGY—(Code—13)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure, habits, and life-history of the following non-chordate types;

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke, tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach housefly mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail and starfish (External characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects : termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types :

Branchiostoma; *Scolidon*; *frong*; *Uromastix* or any other lizard (Skeleton of *varanus*); *plgeon* (Skeleton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit, Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammallana placenta.

General principles of evaluation, variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis, Mendelian inheritance asexual and sexual modes of reproduction; pathenogenesis, metamorphosis, alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game Birds.

PART B

Personality Test.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service. The candidate will be expected to have taken an

intelligent interest not only in his subject of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country, as well as in modern currents of thoughts and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity critical powers of observation and assimilation, balance of judgement and alertness of mind initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion, mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out of way places.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Indian Forest Science (*vide* Rule 20).

(a) Appointment will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith, or, as the case may be, revert him to the permanent post on which he holds a lien, or would hold a lien had he not been suspended, under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clause (b) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(f) Scale of pay :

Junior Scale.—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (15 years).

Senior Scale :

(a) Time Scale.—Rs. 1100-(6th year or under)-50-1600 (16 years).

(b) Selection Grade.—Rs. 1650-75-1800.

Conservator of Forests.— Rs. 1800-100-8000.

Deputy Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists).—Rs. 2250-125/2-2500.

Additional Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists).—Rs. 2250-125/2-2500.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2500-125/2-2750.

Deputy Inspector General of Forests.—Rs. 2000-125/2-2250 plus a special pay of Rs. 300 p.m.

Additional Inspector General of Forests.—Rs. 2500-100-3000.

Inspector General of Forests.—Rs. 3000-100-3500.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

NOTE :—The scales now prevalent are likely to be revised by Govt. after taking into account the recommendations of the 4th Central Pay Commission.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Walking Test : The male candidates will be required to qualify in walking test of 25 kilometres to be completed in 4 hours and female candidates 14 kilometres to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Govt. of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The Minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Height	Chest (fully expanded)	Expansion
163 cms.	84 cms	5 cms (for men)
150 cms.	79 cms.	5 cms. (for women)

APPENDIX III

**REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL
EXAMINATION OF CANDIDATES**

(Vide Rule 17)

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability

The following minimum height standards may be allowed in the case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Nepalese, Assamese, Meghalaya, Tribal, Ladakhese, Sikkimese, Bhutanese, Garhwalis, Kumaonis, Nagas and Arunachal Pradesh candidates, whose average height is distinctly lower :—

Men	152.5 cms.
Women	145.0 cms

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimeters and parts of a centimeter to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as render, likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The Indian Forest Service is a technical service.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye
6/6	6/12	J. I	J. II
6/9	or 6/9		

NOTE :—

(1) *Fundus Examination*.—In every case of Myopia Fundus Examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate is found unfit on ground of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(2) *Colour Vision*.—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate .	16 feet
2. Size of aperture	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates shown in good light and suitable lantern like Edrige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

(3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) *Night Blindness*.—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) *Ocular conditions other than visual acuity*.—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*. As the presence of binocular vision is essential squint if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

8. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age of average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may dis-

appear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent gap' may cause error in reading).

9. The urine (Passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test the board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit" subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or Total deafness in one ear, other ear being normal Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.

Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.

(i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane percent Temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging ear operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.

- | | | |
|--|---|---|
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without body deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit. | (h) that his limbs, hand and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. | |
| (8) Benign or locally malignant Tumours of the ENT. | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
(ii) Malignant Tumours—unfit. | |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. | |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit. | |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. | |
- (b) that his/her speech is without impediment;
- (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well fitted teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well-formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicose veins or piles;
12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.
- When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere in the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.
- In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.
- NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence, produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.
- If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared Temporarily Unfit, the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the Maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily un-

fit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical examination and must sign the Declaration appended thereto. This attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

2. State your age and birth place

(a) Do you belong to Scheduled Tribes or to races such as Gorkhas, Nepalese, Assamese, Meghalaya Tribals, Ladakhees, Sikkimese, Bhutanese, Garhwalies, Kumaonis, Nagas and Arunachal Pradesh, whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the tribe/race.

3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever, enlargement or suppression of glands spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis.

or

(b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death

6. Have you been examined by a Medical Board before?

7. If answer to the above, is Yes please state what Service/Services you were examined for?

8. Who was the examining authority?

9. When and where was the Medical Board held?

10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known?

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's Signature

Signature of the Chairman of the Board

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General development : Good Fair
Poor
Nutrition Thin Average Obese
Height (without shoes) Weight
Best Weight When? Any recent change
in weight Temperature

2. Girth of Chest

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus Examinations

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses) Sph. Cyl. Axis
------------------	-----------	--------------	--

Distant vision

R.E.

L.E.

Near vision

R.E.

L.E.

Hypermetropia

(Manifest)

R.E.

L.E.

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions? Rate
Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness
Hernia

(a) Palpable Liver Spleen
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disability

11. Loco-Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele
Varicocele etc.

Urine Analysis

- (a) A physical appearance.....
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service?

NOTE.—In case of a female candidate; if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 10.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of duties in the Indian Forest Service.

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories?

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman

Member

Member

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS
(DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE)

New Delhi, the 31st December 1986

RESOLUTION

Subject:—Re-organisation of Forestry Research, Education and Training.

No. 15-48/86-RT.—The new goals in forestry aim at increasing the area under forests in the country, improving the production of biomass and meeting the requirements of fuel-wood and timber in the country. These involve complex tasks in conservation of natural forests, stepping up the pace of afforestation and wastelands development. These tasks require considerable scientific and technical inputs in order to reorient our existing forests research, education and training systems towards the new goals. Research which is expensive in terms of both human and financial resources needs to be re-organised to be able to subserve these purposes optimally. Education needs to be broadbased. The emphasis in training needs to conform to the new objectives. Professionally qualified forests cadres have to be built up at various levels to handle these tasks.

2. With a view to bringing about the above changes in the form and content of research, education and training in the country, Government of India had undertaken a comprehensive review. Pursuant to the review, the Government have taken the following decisions:—

- (i) The existing structure of the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, should be re-organised to ensure proper planning, execution and monitoring of research programmes.

- (ii) Forestry education should be provided not only as a measure of inservice training but to all persons desirous of prosecuting studies in forestry.
- (iii) Inservice training for those selected for forest services should be re-organised and restructured to meet the requirements of trained personnel for the management of natural forests and for the expanding programmes of social forestry.

3. Forestry Research:

3.1 The Forest Research Institute at Dehra Dun will be a centre of excellence in the field of research. Five other institutes will be set up on an area specific basis to address themselves to identified priority research areas relevant to each zone in which they are located.

3.2 Research work will be classified as basic research, technology and applications. The Institutes will be structured disciplinewise. A discipline or a group of allied disciplines will be constituted into a division. Coordinated research projects will draw scientists from various disciplines to ensure a multi-disciplinary approach. Costly service equipments such as research computers, electron microscopes etc. will be provided as common facilities in each research institute.

4. Research objectives:

Greater emphasis would be placed on need-based research programmes with a view to narrow the gap between the demand and supply of forest produce and to conserve the existing forests. Accordingly, the research activities would conform to identified research thrust areas, an indicative list which is at Annexure-1.

5. The Logging Development Institute, Dehra Dun, set up to train forestry personnel and workers in harvesting techniques and tools development, will be merged with the Forest Research Institute, Dehra Dun. The Directorate of Lac Development, Ranchi set up to undertake extension work in the lac growing States, would also be merged with Forest Research Institute in the re-organised set-up of research.

6. Forestry Education

6.1 Degree courses in forestry education will be started in agricultural universities having adequate facilities for this purpose. B.Sc. (For.) courses will also be allowed to be run by other Universities. Post-graduate and Doctoral research work in forestry will be permitted at forest research institutes, agricultural and other universities. A panel on forestry education will be constituted to oversee and coordinate forestry education programmes.

6.2 Training facilities for the teaching facilities in the Universities, undertaking forestry education, will be provided in Forest Research Institutes and Forest Training Colleges. Inter-action between State Agricultural Universities and Forest Research Institutes will be further developed by offering facilities to Research Scholars from the universities in Forest Research Institutes.

6.3 Forestry graduates will be made eligible for selection to different posts in the forest services as other science graduates. Post-graduates in forestry will be made eligible for selection to research and teaching posts along with others from allied disciplines.

7. Forestry Inservice training:

7.1 The Government of India will continue to arrange the training of officers of the IFS and SFS, but the responsibility for training of Forest Rangers would be entrusted to the States/Union Territories. The Department of Environment, Forests and Wildlife, will, however, oversee Forest Rangers Training in order to ensure proper standards. The responsibility for training Deputy Rangers/Forest Guards will continue to be entirely that of the States/Union Territories as hitherto. Arrangements for training of Social Forestry Personnel will also be made in the training institutes.

7.2 Institutes entrusted with the training of IFS and SFS officers shall be directly administered by the Department of Environment, Forests and Wildlife and these will be re-organised as under:—

7.2.1 The National Forest Academy:

The Indian Forest College, Dehra Dun, will be renamed as the National Forest Academy of India. It will be provided with a faculty, consisting mainly of permanent members.

with a small number of officers drawn from forest services and appointed on tenurial basis. The syllabus of the college would be updated to meet the changing requirements of forest management.

7.2.2 State Forest Service Colleges :

Existing State Forest Service Colleges at Coimbatore and Burnihat will continue to function at these places. The State Forest Service College at Dehra Dun will be shifted to Jabalpur. As in the case of the National Forest Academy, the faculty for State Forest Service Colleges will also consist mostly of permanent members, with a small number of forest officers appointed on deputation. The Syllabus of these colleges be updated.

7.3 Refresher and re-orientation courses will be arranged for serving officers in the Forest Research Institutes and Forest Training Colleges with a view to ensure that the forestry practices adjust continually to technical and social advances taking place in these fields.

8. The Indian Council of Forestry Research and Education :

8.1 The overall responsibility for research in the Central Sector would be entrusted to the Indian Council of Forestry Research and Education to be set up for this purpose. The Council would coordinate the research activities of the institutes/universities, the Wildlife Institute of India, Dehra Dun and forest-based industries. Universities would be encouraged to take up location-specific research within their respective areas.

8.2 The Council will be located at Dehra Dun and the President, Forest Research Institute and Colleges would be designated as Director General, Indian Council of Forestry Research and Education. He will also discharge the functions of Scientific Adviser on Forestry to the Government of India in the Ministry of Environment and Forests.

9. Personnel Policies :

9.1 Research Personnel

9.1.1 The research staff in institutes will consist of scientists in different disciplines and professional foresters who have specialised in any of the branches of research. Forest officers will be appointed on tenurial basis, with an option for absorption in the forest research cadre.

9.1.2 A cadre of Research Scientists will be created in the Forest Research Institutes. Their emoluments and other service conditions will be at par with other comparable scientific institutions in order to attract the best talent to this new service. Full flexible complementing shall be provided upto the highest level. Each individual scientist will be judged periodically for determining his eligibility for promotion to the next higher grade. The cadre of research scientists will be regulated as per practices applicable in similar scientific organisations.

9.2 Education

The service conditions of the faculty members engaged in teaching forestry in agricultural universities will be governed by the rules and regulations of the concerned agricultural universities.

9.3 Training

The service conditions of the permanent faculty members engaged in training institutes will be governed by the rules and regulations of the University Grants Commission. The officers of the Indian Forest Service will draw the emoluments as per rules applicable to them. Should a member of the Indian Forest Service desire absorption in the faculty, this opportunity will be provided to him.

10. A mechanism to facilitate a reverse flow from research institutes to the field will also be worked out and, for this purpose, the possibility of allowing lateral entry for scientists into the Indian Forest Service will be examined.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

T. N. SESHAN, Secy.

ANNEXE-I

Research Objectives of the Indian Council of Forestry Research and Education

Basic Research :

- (i) Research in soil sciences, hydrology, plant physiology, silviculture, forest pathology entomology.
- (ii) Genetics and biotechnology.
- (iii) Bio-climatology and forest influences.
- (iv) Energy dynamics in forest ecosystems.
- (v) Chemistry of forest products.
- (vi) Autecological studies of wildlife species.

Technology :

- (i) Plant propagation techniques including tissue culture.
- (ii) Seed germination, nursery and planting technology.
- (iii) Agri-silvipastoral techniques.
- (iv) Silvicultural systems for (a) naturally regenerated crops, and (b) Plantations.
- (v) Tending thinning and pruning techniques.
- (vi) Ecological conservation and watershed management.
- (vii) Soil working, water management and fertilizer application.
- (viii) Optimization of biomass production and utilisation.
- (ix) Control of pests and diseases.
- (x) Biometrics, forest inventory, increment and yield research.
- (xi) Wood utilisation techniques including wood seasoning, wood preservation, pulp and paper technology, timber engineering, composite wood.
- (xii) Extraction and utilisation of minor forest produce.
- (xiii) Bioaesthetics and regeneration forestry.
- (xiv) Documentation and transfer of technology.

Application :

- (i) Soil analysis, vegetative mapping and site capability classification for correlating productivity.
- (ii) Management practices for increasing productivity of natural forests.
- (iii) Management practices for artificially regenerated crops.
- (iv) Mineral cycling and nutrient budgeting.
- (v) Agri-silvi-pastoral techniques for maximising production with due consideration to the socio-economic needs.
- (vi) Harvesting and processing of forest products.
- (vii) Intensive utilisation of timber and minor forest products.
- (viii) Identification of substitutes for wood and its products.
- (ix) Collection, compilation and analysis of data and its dissemination.
- (x) Efficiency in use of wood recovery in wood-based industries.

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRI. & COOPERATION)

New Delhi, the 2nd January 1987

AMENDMENT

Subject : Resolution No. 21-10/84-LDT dated 29th September, 1986 published in the Gazette of India, Part-I, Section-I.

No. 21-10/84-LDT.—In continuation of this Ministry's aforesaid Resolution, the Govt. of India have decided to amend the above-mentioned Gazette Notification as follows :—

2. The Chairman of the Gosamvardhana Advisory Council has nominated the following members of the Council :—

1. Shri Sadharam Patel,
At & Post Sunav,
Ta : Petlad, Distt. Kheda, Gujarat.
2. Shri Mohanbhai Gokalbhai Patel,
Member, Petlad Taluka Panchayat,
Das Mohalla,
At & Post Sojitra,
Taluka Petlad, District Kheda, Gujarat.
3. Shri Jethalal Shastri,
Sarpanch,
Village Dewataj, Post Sojitra,
Ta. Potlad, Distt. Kheda, Gujarat.
4. Shri Rajnish Goenka, B.Com., Hon., L.L.B.,
Venuka,
The Mall,
Amritsar, Punjab.
5. Shri Gopal Sharma,
D-174, Ghiya Bhavan, Ghiya Marg, Beni Park,
Jaipur, Rajasthan.
6. Shri Karam Singh Uppal,
Freedom Fighter, Basti Tonkan Wali,
Ferozepur City, Punjab.
7. Dr. (Mrs.) Srivastava,
Principal,
Dev Samaj College,
Ferozepur (Punjab).

3. Official Member nominated at S. No. 7-10 (both inclusive) of the Resolution dated 29th September, 1984 are substituted by Directors of Animal Husbandry in the States of Andhra Pradesh, Assam, Orissa & Punjab.

The functions of the Advisory Council are as under :—

- (i) to review from time to time the schemes relating to the preservation, development, breeding, feeding and marketing of cattle;
- (ii) to advise the Central and State Governments on any of the above matter referred by them;
- (iii) to review and coordinate the activities of the various official and non-official institutions concerned with the development of cattle wealth such as States Council of Gosamvardhana, Federation of Guushalas and Pinjrapoles on matters relating to the development of Cattle Wealth particularly, development of Gaushalas on proper lines;
- (iv) to undertake promotional activities for the development of cattle especially where cooperation of the non-official institutions is required; and
- (v) to undertake any other functions as required by the Government of India for the development of cattle wealth in any area of the country.

The council will meet periodically at such time and place as may decided by the Chairman.

ORDER

1. Ordered that a copy of Resolution be communicated to all State Govts., Administrations of Union Territories and the Departments of Ministries of the Govt. of India Planning Commission, Cabinet Sectt., Prime Minister's Sectt., Lok Sabha Sectt. and Rajya Sabha Sectt. and other concerned organisations.
2. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. B. MAHAJAN, Addl. Secy.

MINISTRY OF WELFARE

PREM (Research) Division

New Delhi-110 066, the 7th January 1987

CORRIGENDUM

F. No. 1-56/85(R)PREM.—In continuation of Government Notification No. 1-56/85 (R)PREM dated 8-5-1986 constituting the Advisory Committee on Social Welfare Research published in Part-I, Section-I of the Gazette of India, it has now

been decided to substitute Director (PREM) by Joint Director (Research) against Sl. No. 20 as Member Secretary (Ex-officio).

ORDER

Ordered that the corrigendum be published in the Gazette of India,

M. C. NARASIMHAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi the 15th December 1986

RESOLUTION

No. E-11017/11/83-Hindi.—In partial modification of the Ministry of Urban Development (then Ministry of Works and Housing) Resolution of even number dated 30th August, 1985, it has now been decided that the "Nirman Aur Awas Sahitya Puraskar" will be given every year (financial year) instead of once in two financial years as published earlier. Other conditions of the Resolution will remain same.

ORDER

Ordered that a copy of the resolution may be communicated to all State Governments, Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and all the Ministries/Departments of Government of India.

Ordered further that the Resolution be published in Gazette of India for general information.

VINOD LALL, Director (Admn.).

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 8th January 1987

RESOLUTION

No. S-16025(3)/82-LW. Vol.II.—In supersession of the Ministry of Labour's Resolution No. S-16025(3)/82-LW.Vol.II dated the 16th/17th July, 1985, Central Government hereby nominate Shri Gopal Chaturvedi, as member of the Committee to consider the question of abolition of contract labour system in Coal and Ash handling work in Loco sheds of the Indian Railways vice Miss Urmila Sharma and makes the following amendments, namely :—

2. In the said Resolution for Serial Number 4 for the words and letters "Miss Urmila Sharma, Joint Director Finance (Establishment), Ministry of Railway (Railway Board) New Delhi", the following shall be substituted, namely :—

Member

4. Shri Gopal Chaturvedi
Joint Director,
Finance (Establishment)
Ministry of Railways,
(Railway Board),
New Delhi.

ORDER

Copies of the Resolution may be sent to :—

1. All the members of the Central Advisory Contract Labour Board.
2. Shri J. C. Das, Member-Convener and Regional Labour Commissioner (Central) Office of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.
3. Shri Gopal Chaturvedi, Joint Director, Finance (Establishment), Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi.
4. Shri S.K. Sanyal, Working President, Indian Mines Workers' Federation, Bornala, Nagpur-13.

5. Shri S. Das Gupta, General Secretary, Indian National Mines Workers' Federation, Rajendra Path, Dhanbad.
6. Shri N. K. Khurana, Joint Director, Mechanical Engineering (Fuel), Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi.
7. Shri T. N. Vijh, Joint Director Estt.(LL), Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi-110001 with reference to their O.M. No. E(LL)83 AT/CNR/1-5

(pt) dated 4-12-1986 with one spare copy for onward transmission to Miss Urmila Sharma.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India, Part-I, Section-1.

A. K. SRIVASTAVA
Director General (Labour Welfare)/
Jt. Secy. to the Govt. of India.